खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 15 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-254

आवारा कुत्तों के प्रेमियों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीखा कटाक्ष

गाय घर की सदस्य है, जानवर नहीं, वह मां है

देश में जो लोग गाय को अपने आहार के रूप में देखते हैं और कुत्तों पर दुलार न्यौछावर करते हैं, ऐसे लोगों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीखा कटाक्ष भी किया और सीधा संदेश भी दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, गाय जानवर नहीं, माता है। पीएम का यह संदेश उन पाखंडियों के लिए था जो आवारा कुत्तों के लिए खुद को पशु-प्रेमी का नाम देने में शान समझते हैं और गाय का मांस देख कर लार टपकाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संदेश सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में प्रधानमंत्री गाय को माता कहकर उसका सम्मान करते हैं

शुभ-लाभ सरोकार

और उसे सिर्फ जानवर मानने से मना करते हैं। दूसरी तरफ समाज में ऐसे पाखंडी और राक्षस भी मौजूद हैं, जो गाय को सिर्फ अपने स्वाद का हिस्सा मानते हैं, लेकिन आवारा कुत्तों के प्रेमी बने घूमते हैं। प्रधानमंत्री के वीडियो के साथ-साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी का भी एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे एक कुत्ते को चूम-चूम कर और अपने गले लगा-लगा कर निहाल हो रहे हैं। दिल्ली के विज्ञान भवन में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसे दोहरे चरित्र वाले लोगों पर तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए ऐसी

बात कह दी कि पूरा हॉल ठहाकों से गूंज उठा। चर्चा आवारा कुत्तों और डॉग लवर्स से शुरू हुई, लेकिन गाय के प्रति बरती जाने वाली निर्ममता पर आ गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं हाल ही में कुछ एनिमल लवर्स से मिला। इतना सुनते ही हॉल में बैठे लोग हंसने लगे। इस पर पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा, आप लोग तो हंसने लगे? हमारे देश में ऐसे बहुत लोग हैं, जिनकी

कुत्तों को चूमने और गाय को खाने वाला तबका समाज को सड़ा रहा

खासियत है कि वे गाय को जानवर मानते हैं। लेकिन कुत्तों को घर का सदस्य। जबकि बात इसके ठीक विपरीत है। गाय जानवर नहीं है। वह हमारे घर की सदस्य है। वह हमारी माता है। बात सिर्फ जानवरों से प्यार की नहीं है, बात उस दोहरे मापदंड की है जहां एक तरफ कुछ लोग कुत्तों को लेकर कोर्ट-कचहरी तक पहुंच जाते हैं, लेकिन दूसरी तरफ वही लोग बीफ-फेस्टिवल मनाते दिखते हैं। कुछ समय पहले स्टैंड-अप कॉमेडियन वीर दास ने आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाते हुए लिखा, कानूनी विशेषज्ञ एक बात बताएं। अगर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आखिरी होता है, ▶10पर

पूर्वोत्तर राज्यों के सघन दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी

मिजोरम और मणिपुर के बाद असम पहुंचे पीएम

मैं शिव भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं : मोदी

गुवाहाटी, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पूर्वोत्तर राज्यों का दो दिवसीय सघन दौरा मिजोरम, मणिपुर और असम तक जारी रहा। रविवार को असम पहुंच कर प्रधानमंत्री मोदी ने दरांग जिले के मंगलदोई में 6,300 करोड़ रुपए की स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखी। पीएम मोदी ने असम को कुल 18 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का तोहफा दिया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर राज्यों की कांग्रेस सरकारों द्वारा लंबे समय तक की गई उपेक्षा पर कड़ा प्रहार किया और कहा कि देश के विकास में उत्तर पूर्वी राज्यों की अहम भूमिका है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर भारत रत्न भूपेन हजारिका का अपमान करने का भी आरोप लगाया।

दरांग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि पूरा देश आज विकसित भारत के निर्माण

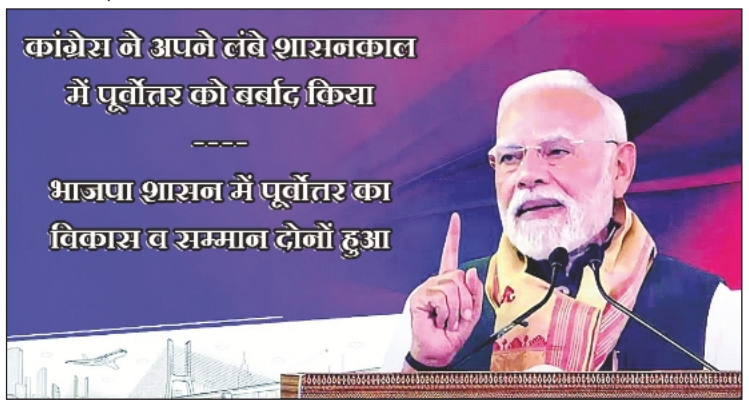

के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है। खासतौर पर हमारे जो नौजवान साथी हैं। उनके लिए विकसित भारत सपना भी है और संकल्प भी है। इस संकल्प की सिद्धि में हमारे नॉर्थ ईस्ट की बहुत बड़ी भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी पूर्व की है, उत्तर पूर्व की है। उत्तर पूर्वी राज्यों के चमकने का समय आ गया है। किसी भी क्षेत्र के विकास में कनेक्टिविटी की अहम भूमिका होती है। हमारी सरकार उत्तर पूर्व में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए समर्पित है। सड़कें, रेलवे और हवाई मार्गों का विकास किया जा रहा है। इससे लोगों की जिंदगी बदल रही है और उज्जवल भविष्य की राह बन रही है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक असम पर शासन किया लेकिन ब्रह्मपुत्र नदी पर केवल 3 पुल बनाए, जबकि हमने पिछले 10 वर्षों में छह पुल बनाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये कांग्रेस वाले मुझे कितनी ही गालियां दें, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं, लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। आप लोग मुझे बताएं, क्या भूपेन दा को भारत रत्न से सम्मानित करने का मेरा फैसला सही है या गलत? जनसभा में मौजूद भारी भीड़ ने एक स्वर से प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में हुंकार लगाई। कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब पूरा देश आतंक से लहूलुहान होता था और कांग्रेस चुपचाप खड़ी रहती थी। आज हमारी सेना ऑपरेशन सिंदूर चलाती है, पाकिस्तान के कोने-कोने से आतंक को उखाड़ फेंकती है, लेकिन कांग्रेस के लोग पाकिस्तान की सेना के साथ खड़े हो जाते हैं। कांग्रेस के लोग हमारी सेना के बजाय ▶10पर

ऑपरेशन सिंदूर की मार के बाद भी सुधर नहीं रहा पड़ोसी

पाकिस्तान फिर से बना रहा लश्कर का ध्वस्त ठिकाना

नई दिल्ली/इस्लामाबाद, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

ऑपरेशन सिंदूर की मार के बाद भी पाकिस्तान सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में ध्वस्त हुए पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने फिर से खड़े किए जा रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के मुरीदके स्थित लश्करे तैयबा का मुख्यालय भी जमींदोज कर दिया गया था, लेकिन पाकिस्तान सरकार अपने पैसे से उसका फिर से निर्माण करा रही है। भारतीय खुफिया एजेंसियों की यह रिपोर्ट सामने आने से पाकिस्तान का गंदा चरित्र दुनिया के सामने एक बार फिर सार्वजनिक हुआ है।

विडंबना यह है कि पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक जहालत झेल रहा है उस पर बाढ़ जैसी आपदा पाकिस्तान के लोगों को तबाह किए हुई है। लेकिन इससे बेखबर पाकिस्तान सरकार आतंकी ठिकानों को सरकारी पैसे से नया रूप देने में लगी हुई है। पहलगाम में हुए एक भयानक

सरकारी पैसे से दोबारा बनाए जा रहे हैं आतंकी अड्डे

आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने इसका बदला लेने के लिए 7 मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था। भारतीय सेना के घातक मिसाइल हमले में मुरीदके स्थित लश्करे तैयबा का मुख्यालय मार्काज तैयबा पूरी तरह बर्बाद हो गया। यह इमारत आतंकियों को ट्रेनिंग देने, हथियार स्टोर करने और ब्रेनवॉश करने के लिए इस्तेमाल होती थी। हमले के निशान पाकिस्तानी जमीन पर आज भी साफ दिखते हैं। इस ऑपरेशन ने न सिर्फ लश्कर के साथ-साथ पाकिस्तान सरकार को भी तगड़ा झटका दिया था। लेकिन पाकिस्तान ने इससे कोई सीख नहीं ली। कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी ही रही। ▶10पर

नियमित अंतराल पर पूरे देश में एसआईआर कराने की मांग

कोर्ट नहीं तय कर सकती एसआईआर का समय : चुनाव आयोग

अश्विनी उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की पीआईएल

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर मचे बवाल के बीच चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में स्पष्ट किया है कि अदालत एसआईआर का समय तय नहीं कर सकती। यह चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार है। चुनाव आयोग ने बाकायदा हलफनामा दाखिल कर सुप्रीम कोर्ट में अपनी बात रखी है। दरअसल, पूरे देश में एक नियमित अंतराल पर एसआईआर कराने की मांग को लेकर दाखिल अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका (पीआईएल) के जवाब में राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने यह बात कही है। जनहित याचिका में कहा गया है कि नियमित अंतराल पर एसआईआर कराए जाने पर अवैध विदेशी घुसपैठिए वोटर लिस्ट को प्रभावित नहीं कर पाएंगे।

अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका अवैध प्रवासियों की समस्या पर केंद्रित है। वे कहते हैं कि बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और म्यांमार से आने वाले अवैध तत्वों ने कई राज्यों में वोटर लिस्ट को बिगाड़ दिया है। खासकर बिहार में हर विधानसभा क्षेत्र में 8,000 से 10,000 फर्जी या डुप्लीकेट नाम हैं। इससे जनसंख्या का संतुलन बिगड़ गया है और चुनाव प्रभावित हो रहे हैं। उपाध्याय ने मांग की है कि एसआईआर को सालाना या नियमित आधार पर कराया जाए, ताकि वोटर लिस्ट साफ हो सके। यह रिवीजन मतदाता सूची को अपडेट करने का एक खास तरीका है, जिसमें घर-घर जाकर सत्यापन किया जाता है। लेकिन चुनाव आयोग को यह मांग पसंद नहीं आई। आयोग ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और मतदाता ▶10पर

नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने जताई आशंका

प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा साजिश का नतीजा

72 मृतकों को शहीद का दर्जा, 10-10 लाख का मुआवजा

काठमांडू, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल में हुए प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में देश को 3 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। नेपाली अर्थशास्त्री ने बताया कि यह आंकड़ा देश के 1.5 साल के बजट के बराबर है। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने नेपाल में हुई हिंसा में सुनियोजित साजिश की आशंका व्यक्त की है और इसकी उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

कार्यभार संभालने के दूसरे दिन रविवार 14 सितंबर को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने हिंसा में जान गंवाने वाले 72 लोगों को शहीद का दर्जा दिया और उनके परिवार को 10-10 लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया। अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कहा, 8 सितंबर 2025 की घटना में मारे गए सभी लोगों को शहीद घोषित किया गया है और उन्हें दस-दस लाख रुपए दिए जाएंगे। घायलों का खर्च सरकार उठाएगी और उन्हें मुआवजा भी दिया जाएगा। शवों को काठमांडू से दूसरे जिलों में भेजने की व्यवस्था सरकार करेगी। उन्होंने कहा, हम आर्थिक संकट में हैं। हमें पुनरनिर्माण पर काम करना चाहिए। निजी संपत्तियां भी जला दी गईं। हम उपद्रवियों को नहीं छोड़ेंगे। जिनका नुकसान हुआ है सरकार उन्हें कुछ मुआवजा देने के उपायों पर काम करेगी। यह आसान ऋण या किसी अन्य उपाय के माध्यम से हो सकता है। इसके अलावा अंतरिम पीएम ने देश के युवाओं की मांग को ध्यान में रखते हुए भ्रष्टाचार मिटाने को लेकर भी अपनी सरकार को सजग होकर काम करने के आदेश दिए हैं। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने प्रदर्शन में फैली हिंसा को नेपाल के इतिहास में सबसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। ▶10पर

नूंह दंगे के आरोपी कांग्रेस विधायक मामन खान को लगी डांट

विधायक हो तो क्या, अलग से नहीं होगा ट्रायल: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया जिसमें कांग्रेस विधायक मामन खान को नूंह हिंसा मामले में अलग से ट्रायल चलाने का आदेश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया कि किसी नेता को सिर्फ उसके पद के आधार पर कोई विशेष सुविधा नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें हरियाणा कांग्रेस विधायक मामन खान के लिए अलग से ट्रायल चलाने की बात कहीं गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विधायक होना अलग ट्रायल का आधार नहीं हो सकता। कानून की नजर में सभी बराबर हैं।

यह मामला 2023 की नूंह दंगे से जुड़ा है, जिसमें छह लोगों की मौत हुई थी। इस हिंसा को भड़काने के आरोप में विधायक मामन खान और अन्य लोगों पर केस दर्ज किया गया था। ट्रायल कोर्ट ने विधायक खान के लिए अलग से सुनवाई का आदेश दिया, जिसे पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने भी सही ठहराया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस फैसले को पलट दिया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि सिर्फ राजनीतिक पद के आधार पर किसी को अलग से ट्रायल की अनुमति देना संविधान के अनुच्छेद 14 में दिए गए समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कुछ अहम बातें बताई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी आरोपी कानून के सामने बराबर हैं। विधायक होना अलग ट्रायल का आधार नहीं हो सकता है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

विधानसभा चुनाव के पहले टकराने लगीं महत्वाकांक्षाएं

मांझी की हठ से डगमगा रही एनडीए की नाव

मांझी ने मांगी 20 सीटें, नहीं मिलीं तो 100 पर लड़ेंगे चुनाव

तेजस्वी यादव ने कहा, सभी 243 सीटों पर राजद लड़ेगा चुनाव

पटना, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले इंडी के साथ-साथ एनडीए गठबंधन का भी तालमेल बिखरता हुआ दिख रहा है। इंडी गठबंधन में शामिल राजद के नेता तेजस्वी यादव ने पहले ही यह ऐलान कर दिया है कि राजद सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। इसका सीधा मतलब है कि राजद और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बात नहीं बनी है। दूसरी तरफ भाजपा नीत एनडीए में शामिल हिंदुस्तानी

अवाम मोर्चा (हम) के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने 20 सीटें नहीं मिलने पर 100 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। एनडीए के ही दूसरे दल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान भी बिहार विधानसभा चुनाव में 40 सीटों की मांग कर रहे हैं। इन मांगों से एनडीए गठबंधन का तालमेल असंतुलित होता दिख रहा है। हालांकि, भाजपा नेतृत्व क्राइसिस मैनेजमेंट में लगा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बिहार पहुंच कर नेताओं से बातचीत कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के कुछ समय पहले ही महागठबंधन से निकल कर एनडीए में लौटे जीतन राम मांझी ने फिर 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में 20 सीटों की मांग तेज कर दी है। मांझी ने यहां तक कहा कि उनकी पार्टी को अगर 20 सीटें नहीं दी गईं तो वे 100 प्रत्याशियों को उतारेंगे। केंद्रीय मंत्री रहते हुए ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,13,120/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,32,240/-
(प्रति किलोग्राम)

चीन का अमेरिका पर पलटवार, कहा- हम युद्ध की साजिश नहीं रचते

वाशिंगटन,14 सितंबर (एजेंसियां)।

चीन अमेरिका के हर एक दांव का सटीक जवाब देने में पीछे नहीं हटता है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इस पर तंज कसते हुए चीन ने पलटवार किया और कहा कि हम युद्ध की साजिश नहीं करते।

वाशिंगटन को सीधा और तीखा संदेश देते हुए बीजिंग की तरफ से कहा गया कि उनका देश न तो किसी तरह के युद्ध में भाग लेता है और न ही युद्ध की साजिश रचता है। इसके अलावा टैरिफ को लेकर कहा कि टैरिफ जैसी चीजें केवल समस्या को सुलझाती नहीं है, केवल उलझाने का काम करती है। बता दें कि चीनी विदेश मंत्री का यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस अपील के बाद आया है, जिसमें उन्होंने नाटो देशों से रूसी तेल खरीद को रोकने के लिए चीन पर 50 से 100 फीसदी टैरिफ लगाने की अपील की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक स्लोवेनिया की चार दिवसीय राजकीय यात्रा पर पहुंचे चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने स्पष्ट रूप से कहा, चीन, युद्ध में भाग नहीं लेता है और न ही किसी भी तरह के युद्ध की साजिश रचता है। युद्ध किसी भी तरह से समस्याओं का समाधान नहीं कर सकता है, जहां तक टैरिफ की बात है, तो ऐसे युद्ध इन समस्याओं को और भी ज्यादा जटिल बना देंगे। दिन की शुरुआत में सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर किए एक पोस्ट में डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो देशों से अपील करते हुए चीन पर टैरिफ लगाने को कहा। उन्होंने लिखा, अगर सभी नाटो देश एकमत हो जाते हैं तो मैं रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूं। सभी नाटो देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें। खैर, जब आप तैयार हों तो मैं आगे बढ़ने के लिए तैयार हूं। बस बताइए कब मेरा मानना है कि इसके साथ ही नाटो, एक समूह के रूप में, चीन के ऊपर 50 से 100 फीसदी टैरिफ लगाए, जिसे रूस और यूक्रेन के युद्ध के समाप्त होने के बाद ही वापस लिया जाए। गौरतलब है कि अमेरिका इससे पहले भी जी 7 देशों से अपील कर चुका है कि यूक्रेन और रूस के युद्ध को रोकने के लिए उसे रूस के तेल बाजार को खत्म करना होगा। इसके लिए रूसी तेल खरीद रहे भारत और चीन के ऊपर बड़े-बड़े टैरिफ लगाने होंगे। हालांकि ट्रंप ने अपने हालिया पोस्ट में केवल चीन के ऊपर टैरिफ लगाने की बात कही है, इसमें भारत का कहीं भी जिक्र नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

पोलैंड में रूसी ड्रोन घुसपैठ अस्वीकार्य अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो

वॉशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को कहा कि इस हफ़्ते पोलैंड की हवाई सीमा में रूसी ड्रोन का प्रवेश अस्वीकार्य है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि रूस ने जानबूझकर पोलैंड को निशाना बनाया या नहीं। नाटो ने 12 सितम्बर को यूरोप की पूर्वी सीमा की सुरक्षा और मज़बूत करने की योजना का ऐलान किया था। यह कदम उस समय उठाया गया जब पोलैंड ने अपनी हवाई सीमा का उल्लंघन करने वाले ड्रोन को मार गिराया — जो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी गठबंधन की ओर से लिया गया पहला ऐसा सैन्य एक्शन है। रूबियो ने पत्रकारों से कहा, यह बेहद खतरनाक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इसमें कोई शक नहीं कि ड्रोन रूस से जानबूझकर छोड़े गए थे। सवाल यह है कि क्या उन्हें पोलैंड की सीमा में घुसाने का इरादा था। उन्होंने आगे कहा कि यदि सबूत साबित करते हैं कि ड्रोन का निशाना पोलैंड ही था, तो यह स्थिति बेहद गंभीर और उकसाने वाली होगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने सहयोगियों से परामर्श कर तथ्यों की पुष्टि के बाद ही कोई ठोस निर्णय लेगा। पोलैंड ने 12 सितम्बर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस सुझाव को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह घुसपैठ संभवतः एक गलती हो सकती है। पोलैंड के विदेश मंत्री ने रॉयटर्स से कहा कि वारसॉ को उम्मीद है कि वॉशिंगटन उसके साथ एकजुटता दिखाने के लिए ठोस कदम उठाएगा। संयुक्त राष्ट्र में भी अमेरिका ने इन घटनाओं को चिंताजनक बताया और नाटो क्षेत्र के हर इंच की रक्षा करने का संकल्प दोहराया।

पिंपल फोड़ना कर सकता है गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा

लंदन। नाक और उसके आसपास का हिस्सा चेहरे का सबसे संवेदनशील और खतरनाक क्षेत्र होता है।

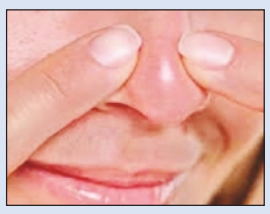

इस हिस्से की नसें सीधे दिमाग से जुड़ी होती हैं, ऐसे में यहां पिंपल फोड़ना गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि, पिंपल फोड़ने से उसमें मौजूद बैक्टीरिया आसपास की त्वचा और नसों में फैल जाते हैं। नाक के पास की नसें दिमाग तक सीधा संपर्क रखती हैं, जिससे संक्रमण बढ़कर कावेनौस सिनूस थ्रोम्बोसिस जैसी गंभीर स्थिति का रूप ले सकता है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो सकती है। इसके अलावा, पिंपल फोड़ने से त्वचा पर स्थायी निशान बन सकते हैं। पस और बैक्टीरिया त्वचा के अंदर गहराई तक फैल जाते हैं, जिससे गहरे दाग और दाने के बार-बार उभरने की समस्या बढ़ जाती है। संक्रमण होने पर न केवल लालपन और सूजन बढ़ती है, बल्कि त्वचा लंबे समय तक अस्वस्थ दिखती है। चिकित्सकों का कहना है कि नाक के पास पिंपल फोड़ने से इम्यून सिस्टम पर भी असर पड़ सकता है। जब बैक्टीरिया बार-बार फैलते हैं, तो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने लगती है।

कतर में हमास नेताओं को हटाना ही शांति वार्ता की कुंजी : नेतन्याहू

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को कहा कि कतर में रह रहे हमास के शीर्ष

नेताओं को हटाना गाजा युद्ध खत्म करने और सभी बंधकों की रिहाई में सबसे बड़ी बाधा को दूर कर देगा। हाल ही में इजराइल ने दोहा में हमास नेतृत्व को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए थे, जिनकी क़तर ने कड़ी निंदा की। यही कतर लंबे समय से युद्धविराम वार्ता का प्रमुख स्थल रहा है। हमास ने दावा किया है कि इस हमले में उसके पांच सदस्य मारे गए, जिनमें निर्वासित गाजा प्रमुख खलील अल-हैय्या का बेटा भी शामिल है। हालांकि, संगठन की शीर्ष नेतृत्व टीम और वार्ता में शामिल प्रतिनिधि सुरक्षित बच निकले। कतर ने कहा कि इस हमले में उसकी आंतरिक सुरक्षा बल का एक सदस्य भी मारा गया। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कतर में बैठे हमास के आतंकी सरगना गाजा के लोगों की परवाह नहीं करते। वे युद्धविराम की हर कोशिश को रोकते रहे ताकि युद्ध लंबा खिंचता जाए। वहीं, हमास ने इस हमले को वार्ता को पटरी से उतारने की कोशिश बताते हुए कहा कि इससे उनके रुख में कोई बदलाव नहीं आएगा। संगठन का कहना है कि सभी बंधकों की रिहाई तभी संभव होगी जब युद्ध समाप्त करने का समझौता होगा और फिलिस्तीन को स्वतंत्र राज्य का दर्जा मिलेगा। इजराइल की मांग है कि हमास न केवल सभी बंधकों को छोड़े बल्कि अपने हथियार भी डाल दे। दूसरी ओर, हमास हथियार छोड़ने से पहले स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की गारंटी चाहता है।

अमेरिका में 9 लाख लोग भुगतेंगे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गलत नीतियों का खामियाजा

वाशिंगटन,14 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दावे करते फिर रहे हैं कि उनकी प्राथमिकता अमेरिका है। जबकि हकीकत ये है वे जिस तरह की नीति पर चल रहे हैं, वो वहां के नागरिकों के लिए मुसीबत खड़ी करने वालीं हैं। माना यहां तक जा रहा है कि करीब नौ लाख लोग उनकी गलत नीतियों का खामियाजा भुगतने को मजबूर हो जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों अमेरिका को महान बनाने का कैंपेन चला रहे हैं। इसके लिए उन्होंने दूसरे देशों पर भारी भरकम टैरिफ लगाया है। वह हर जगह दावा कर रहे हैं कि टैरिफ से सरकारी राजस्व में वृद्धि होगी और लोगों को फायदा होगा। हालांकि, येल विश्वविद्यालय की रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रंप के भारी टैरिफ से करीब नौ लाख अमेरिकी गरीब हो सकते हैं। येल स्थित द बजट लैब ने रिपोर्ट में कहा कि टैरिफ में की गई बढ़ोतरी के कारण 2026 तक गरीबी में जी रहे अमेरिकियों की संख्या में 8,75,000 तक वृद्धि हो सकती है।

ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच ने हाल ही में भारत की भारत की जीडीपी ग्रोथ अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत किया है। उसने अमेरिकी टैरिफ का भारत की अर्थव्यवस्था पर मामूली असर की बात कही है। इसके तहत अमेरिका को होने वाले निर्यात का भारत की जीडीपी में सिर्फ दो फीसदी ही हिस्सा है। हालांकि, टैरिफ को लेकर अनिश्चितता का निवेश पर नकारात्मक असर पड़ेगा। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने बीते कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ का भारत पर असर पड़ा है और लोगों की नौकरियां जा रही हैं।

उन्होंने यह दावा भी किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अस्थिर स्वभाव का परिचय दे रहे हैं और वह कूटनीतिक आचार-व्यवहार के पारंपरिक मानकों का सम्मान भी नहीं करते। बता दें कि अमेरिका ने भारत से निर्यात होने वाली वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने के लिए लगाया गया 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है। थरूर ने कहा कि टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए भारत को निर्यात बाजारों में विविधता लाने की जरूरत है। उनका कहना था कि सूरत में रत्न एवं आभूषण व्यवसाय, समुद्री खाद्य और विनिर्माण क्षेत्रों में 1.35 लाख लोगों की नौकरियां चली गई हैं।

कद घटाने तुर्की में महिलाएं करवा रही लिंब-शॉर्टनिंग ऑपरेशन

इस्तांबुल। तुर्की की महिलाएं जान-बूझकर लिंब-शॉर्टनिंग सर्जरी करवाकर अपना कद घटा रही हैं। इसकी वजह है रिलेशनशिप और प्यार में हाइट पॉलिटिक्स। लंबे कद वाली महिलाएं खुद को असहज महसूस करती हैं और साथी की पसंद को देखते हुए कद कम कराने तक का जोखिम उठा रही हैं। इस सर्जरी में डॉक्टर जांघ या पिंडली की हड्डी का एक हिस्सा काटकर निकाल देते हैं और फिर बची हुई हड्डी को स्टील रॉड से जोड़ दिया जाता है। इस प्रक्रिया में जांघ की लंबाई अधिकतम 5.5 सेंटीमीटर और पिंडली की लंबाई करीब 3 सेंटीमीटर तक घटाई जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में एक महिला ने अपना कद 172 सेंटीमीटर (5 फीट पौने 8 इंच) से घटाकर 167.9 सेंटीमीटर (5 फीट 6 इंच) करवा लिया। इस्तांबुल की कई क्लीनिक इस सर्जरी को लक्जरी पैकेज के रूप में पेश कर रही हैं। इन पैकेजों में अस्पताल में भर्ती, शहर की सैर, रेस्तरां डिनर और यहां तक कि बोट राइड जैसी सुविधाएं शामिल होती हैं। हालांकि, सर्जरी के बाद की हकीकत बेहद कठिन होती है। रिकवरी में महीनों लग जाते हैं, कई बार मरीजों को व्हीलचेयर पर भी रहना पड़ता है। हफ्ते में 4-5 दिन तक फिजियोथेरेपी करानी पड़ती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सर्जरी से गंभीर खतरे भी जुड़े हैं। इनमें नसों को नुकसान, हड्डियों में संक्रमण, मांसपेशियों की कमजोरी और कभी-कभी टूटी हुई हड्डी का ठीक से न जुड़ पाना शामिल है।

सुरक्षा एक्सपर्ट ने किर्क को पहले ही वॉर्निंग देते हुए कहा था ऐसे तो हत्या हो जाएगी

वाशिंगटन,14 सितंबर (एजेंसियां)।

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी चार्ली किर्क का संदिग्ध हत्यारा गिरफ्तार कर लिया गया है। किर्क की अमेरिका की यूटा यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जानकारी के मुताबिक एक बड़े सुरक्षा एक्सपर्ट ने उन्हें पहले ही वॉर्निंग दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर सुरक्षा के कड़े इंतजाम नहीं किए गए तो 100 पर्सेंट उनकी हत्या कर दी जाएगी। बता दें कि 31 साल के किर्क को यूनिवर्सिटी में लोगों के सवालों का जवाब देते वक्त गोली मार दी गई थी। गली उनकी गर्दन पर लगी थी। जानकारी के मुताबिक किर्क ने बड़े ध्यान से हरजोग की सलाह सुनी लेकिन बाद में उनकी सलाह पर अमल नहीं किया। हरजोग ने कहा, मेरी भविष्यवाणी सच साबित हुई लेकिन दुर्भाग्य है कि अब किर्क को वापस नहीं लाया जा सकता। हरजोग ने कहा, उनकी टीम में हर शख्स को लगता था कि उनकी सुरक्षा अपर्याप्त है। उन्होंने कहा, टीम के हर सदस्य ने किर्क की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। हरजोग ने किर्क से कहा था कि वह बोलते समय बुलेटप्रूफ पैनल ग्लास का इस्तेमाल करें। इसके अलावा उनके पास आने के लिए मेटल डिटेक्टर से जांच की जाए। हरजोग ने यहां तक कहा था कि स्नाइपर उनके सिर को निशाना बनाने की कोशिश करेगा। ऐसे में बुलेटप्रूफ ग्लास उन्हें बचा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक बॉडीगार्ड ग्रुप ऑफ बेवरली हिल्स के मालिक क्रिस हरजोग ने किर्क से 6 मार्च को कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी में मुलाकात की थी। उन्होंने किर्क से ही कहा था, यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में आपकी 100 पर्सेंट हत्या हो जाएगी। अमेरिकी प्रशासन का कहना है है कि किर्क की हत्या के आरोपी को उसके परिवार की ही मदद से दबोच लिया गया है। किर्क की हत्या के आरोप में पकड़े गए संदिग्ध का नाम टाइलर रॉबिन्सन है। रॉबिन्सन के परिवार के ही सदस्य ने दावा किया था कि उसने सारा सच कबूल लिया है। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि चार्ली किर्क की हत्या के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है।

बड़ा खुलासा : लादेन की मौत के बाद पंगू हो गया था पाकिस्तान, दहशत में थे जरदारी

इस्लामाबाद। अमेरिका ने एक सीक्रेट ऑपरेशन चलाकर एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन को ढेर किया था। उस वक्त आसिफ अली जरदारी पाकिस्तान के राष्ट्रपति थे। उनके निकट सहयोगी रहे शख्स ने बड़ा खुलासा किया है। आसिफ अली जरदारी के प्रवक्ता रहे और करीबी सहयोगी फरहतुल्लाह बाबर की किताब द जरदारी प्रेसीडेंसी: नाउ इट मस्ट बी टोल्ड ने उस समय पाकिस्तान की आंतरिक हलचल और लीडरशिप के रिएक्शन पर कई नई बातें उजागर की हैं 50 पन्नों का विस्तृत विवरण सिर्फ एबटाबाद ऑपरेशन पर केंद्रित है, जिसमें बाबर ने 'सदमा, भ्रम और पारालिसिस जैसी स्थिति' का वर्णन किया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस किताब में लिखा है कि जिस समय अमेरिकी कमांडो एबटाबाद में ओसामा को निशाना बना रहे थे, इस्लामाबाद में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्यू (पीएमएल-क्यू) के बीच सत्ता-साझेदारी को लेकर खींचतान चल रही थी। बाबर लिखते हैं, 'यह एहसास बेहद शर्मनाक था कि देश के रक्षक इस घुसपैठ से पूरी तरह अनजान रहे, जबकि नेता आपस में कुर्सी की लड़ाई में उलझे थे।

उत्तर कोरिया ने यूएस-दक्षिण कोरिया जापान सैन्य अभ्यास को बताया खतरा

प्योंगयांग,14 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया और जापान के बीच शुरू हो रहे सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया ने खतरा बताया है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने कहा कि यह शक्ति का लापरवाही भरा प्रदर्शन है।

सियोल के जेजू द्वीप के पास दक्षिण कोरिया-अमेरिका और जापान की नौसेना, वायु और मिसाइल रक्षा अभियानों को मिलाकर फ्रीडम एज सैन्य अभियान शुरू करने जा रही है। यह अभ्यास शुक्रवार तक जारी रहेगा।

उत्तर कोरियाई सत्तारूढ़ पार्टी की केंद्रीय समिति की उप-विभाग निदेशक किम यो जोंग ने अभ्यास को खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह हमें याद दिलाता है कि अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया का गलत जगहों पर खासकर डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया के आसपास शक्ति का लापरवाही से प्रदर्शन उनके लिए नकारात्मक परिणाम लाएगा।

उत्तर कोरिया ने यह भी कहा है कि अगर शत्रुतापूर्ण ताकतें ऐसे अभ्यासों के माध्यम से अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन जारी रखती हैं, तो वह जवाब देगा। उत्तर कोरिया के शीर्ष पार्टी अधिकारी पाक जोंग चोन ने कहा कि अधिक स्पष्ट और कड़े जवाबी कदम उठाए जाएंगे। इससे पहले तानाशाह किम जोंग उन ने हथियार अनुसंधान केंद्रों के दौरे के बाद कहा था कि उत्तर कोरिया परमाणु और पारंपरिक सशस्त्र बलों के निर्माण को एक साथ आगे बढ़ाने की नीति को आगे बढ़ाएगा।

परमाणु निरस्त्रीकरण पर अमेरिका के साथ 2019 में हुई असफल शिखर वार्ता के बाद से उत्तर कोरिया ने बार-बार कहा है कि वह अपने परमाणु शस्त्रागार को कभी नहीं छोड़ेगा और खुद को एक अपरिवर्तनीय परमाणु शक्ति संपन्न देश घोषित किया है।

एक और अभ्यास शुरू करने की तैयारी में दक्षिण कोरिया और अमेरिका

दक्षिण कोरियाई मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक त्रिपक्षीय अभ्यास के अलावा अमेरिका और दक्षिण कोरिया अगले सप्ताह आयरन मेस टेबलटॉप अभ्यास करने की योजना बना रहे हैं।

इसका उद्देश्य उत्तर कोरिया के खतरों का मुकाबला करने के लिए पारंपरिक और परमाणु क्षमताओं को एकीकृत करना है। दक्षिण कोरिया में वर्तमान में लगभग 28,500 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। आयरन मेस अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नवनिर्वाचित दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के कार्यकाल में पहला ऐसा अभ्यास होगा। दोनों ने उत्तर कोरिया के साथ बातचीत फिर से शुरू करने की इच्छा व्यक्त की है।

नेपाल के बाद अब लंदन में गुस्सा, सड़क पर उतरे करीब डेढ़ लाख लोग, पुलिस से हुई झड़प

लंदन,14 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल में लाखों लोगों की भीड़ सड़क पर उतरी और सरकार को उखाड़ फेंका। कुछ इसी तरह का गुस्सा ब्रिटेन में भी देखा जा रहा है। जहां लंदन में शनिवार को एक लाख से अधिक लोग सड़कों पर उतर आए। हालिया इतिहास का यह सबसे बड़ा दक्षिणपंथी संगठनों का प्रदर्शन है। एंटी इमिग्रेशन कार्यकर्ता टॉमी रॉबिन्सन के नेतृत्व में करीब 1.20 लाख प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे। इस दौरान पुलिस अधिकारियों पर हमले की भी खबरें सामने आईं। यह रैली यूनाइट द किंगडम मार्च के नाम से आयोजित की गई थी। इसके जवाब में स्टैंड अप टू रेसिज्म नामक काउंटर-प्रदर्शन भी हुआ, जिसमें लगभग 5,000 लोगों ने भाग लिया।

प्रदर्शनकारियों ने यूनियन फ्लैग और सेंट जॉर्ज क्रॉस के झंडे लहराए। कुछ ने अमेरिकी और इजरायली झंडे भी थामे हुए थे। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन कैप पहने कई लोग प्रधानमंत्री कियर स्टार्मर के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। कई पोस्टरों पर

लिखा था - उन्हें घर भेजो। पुलिस कमांडर क्लेयर हेन्स ने कहा, हम इस प्रदर्शन को वैसे ही संभालेंगे जैसे किसी और प्रदर्शन को। बिना किसी पक्षपात के। लोगों को कानूनसम्मत अधिकार दिए जाएंगे, लेकिन अव्यवस्था फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती बरती जाएगी। उन्होंने माना कि पहले भी कुछ प्रदर्शनों में एंटी-मुस्लिम नारेबाजी और भड़काऊ घटनाएं सामने आई थीं, लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया कि लंदन की विविध समुदायों को भयभीत होकर घरों में रहने की जरूरत नहीं है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस को कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा ताकि दोनों गुट आमने-सामने न आ जाएं। पुलिस ने बताया कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरों को तोड़ने और प्रतिबंधित क्षेत्रों में घुसने की कोशिश की। इस दौरान कई पुलिस अधिकारी घायल हो गए। हालात काबू में लाने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया और घुड़सवार दस्ते भी उतारे गए।लंदन में प्रदर्शन के अलावा कई बड़े फुटबॉल मैच और कॉन्सर्ट भी थे, जिसके चलते पुलिस ने 1,600 से अधिक अधिकारियों को तैनात किया। 500 अन्य शहरों से बुलाए गए थे।टॉमी रॉबिन्सन का असली नाम स्टीफन याक्सली-लेनन है। उन्होंने मार्च को अभिव्यक्ति की आजादी का जश्न बताया। उन्होंने हाल ही में मारे गए अमेरिकी दक्षिणपंथी नेता चार्ली किर्क को भी श्रद्धांजलि दी। रॉबिन्सन ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, हजारों लाखों लोग लंदन की सड़कों पर एकजुट होकर अपनी आजादियों के लिए खड़े हैं। रॉबिन्सन अपने समर्थकों के बीच खुद को पत्रकार और व्हिसलब्लोअर बताते हैं और कहते हैं कि वे सरकार की गलतियों को उजागर करते हैं। उनके समर्थकों में टेस्ला और एक्स के मालिक एलन मस्क जैसे प्रभावशाली नाम भी शामिल हैं। हालांकि, रीफॉर्म यूके जैसी बड़ी एंटी-इमिग्रेंट पार्टी उनसे दूरी बनाए रखती है, क्योंकि रॉबिन्सन के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। रैली में शामिल एक समर्थक सैंड्रा मिशेल ने कहा- हम अपना देश वापस चाहते हैं। हम अपनी आजादी और अभिव्यक्ति का अधिकार वापस चाहते हैं। अवैध प्रवासियों को रोका जाना चाहिए।

कोलकाता में हुई द बंगाल फाइल्स की स्क्रीनिंग

600 लोग फिल्म देख रहे थे, 2 हजार लाइन में खड़े थे

कोलकाता, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

तमाम विवादों के बाद कोलकाता में एक सिनेमाघर में द बंगाल फाइल्स की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई। फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि फिल्म में बंगाल के दो संविधान को दिखाया गया है।

आजादी से पहले भी दो संविधान थे। एक हिंदुओं का और एक मुसलमानों का। इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाकर

पश्चिम बंगाल सरकार ने साबित कर दिया है कि राज्य में दो संविधान हैं। यहां कोई भी भारतीय संविधान का पालन नहीं करता। लेकिन आज थिएटर में मौजूद 600 लोगों और प्रतीक्षा में खड़े 2000 लोगों ने साबित कर दिया है कि वे इस तानाशाही को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

कोलाकाता के अलीपुर स्थित नेशनल लाइब्रेरी में फिल्म द बंगाल फाइल्स की स्पेशल स्क्रीनिंग का विशेष प्रीमियर आयोजित किया गया। इसका आयोजन खोला हवा नामक संस्था द्वारा किया गया। राज्य सरकार के विरोध के कारण बंगाल के किसी भी सिनेमा हॉल में द बंगाल फाइल्स की स्क्रीनिंग नहीं की जा रही है। विवेक अग्निहोत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया, जिसमें निर्देशक सिनेमाहॉल में खड़े दिख रहे हैं और कैप्शन में लिखा है, मंच तैयार है। आज रात कोलकाता के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुस्तकालय में 550 लोग द बंगाल फाइल्स देखेंगे। 2000 लोग इंतजार में खड़े हैं।

राजनाथ ने बड़े रक्षा सुधार के तहत नयी रक्षा खरीद नियमावली को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्रालय ने सुधारों की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए राजस्व खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, सरल, सक्षम और युक्तिसंगत बनाने के लिए नयी रक्षा खरीद नियमावली 2025 को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कार्यालय ने रविवार को बताया कि रक्षा मंत्री ने नयी नियमावली को मंजूरी दे दी है। बजट अनुमान 2025 में राजस्व खरीद का बजट लगभग एक लाख करोड़ रुपये है।

नयी नियमावली रक्षा क्षेत्र मेंआत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए सेनाओं के लिए राजस्व खरीद में तेजी लाएगी, स्टार्टअप और एमएसएमई सहित भारतीय उद्योग को सरल प्रक्रियाओं के साथ सक्षम बनाने के साथ साथ नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देगी। इसमें सहायक वित्तपोषण विकल्प और अनावश्यक दंड में ढील देकर उद्योगों के सामने आने वाली कार्यशील पूंजी संबंधी समस्याओं को कम किया गया है।

नयी नियमावली से उद्योग, शिक्षा जगत और सार्वजनिक क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा अनुसंधान और विकास को कई सक्षम प्रावधानों के साथ बढ़ावा मिलेगा।

इसमें रक्षा राजस्व खरीद और उद्योग के लिए समान अवसर प्रदान करने से संबंधित विशिष्ट चिंताओं का समाधान किया गया है। नयी नियमावली वित्त मंत्रालय द्वारा जारी वस्तुओं के लिए खरीद नियमावली के अनुरूप है।

शाह की अध्यक्षता में पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन

गांधीनगर, 14 सितम्बर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में रविवार को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में 'हिंदी दिवस-2025' के अवसर पर 'पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ।

श्री शाह ने समारोह के शुभारंभ अवसर पर हिंदी भाषा प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा कि हिंदी अन्य भारतीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि मित्र है। पहले अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होता था। इसमें कुछ बदलाव किए गए और पिछले पांच वर्षों से यह कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप हमें राजभाषा और देश की सभी भाषाओं के बीच संवाद बढ़ाने का बहुत ही अच्छा अवसर प्राप्त हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुजरात में प्रारंभ से ही दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, कन्हैयालाल मुंशी और उमाशंकर जोशी सहित अन्य कई विद्वानों ने हिंदी भाषा को स्वीकार किया और इसका प्रचार भी किया। इन दूरदर्शी नेताओं ने भारतीय भाषाओं को एक-दूसरे के साथ संवाद करने और प्रत्येक राज्य में हिंदी को प्रोत्साहन देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि गुजरात में गुजराती और हिंदी का सह-अस्तित्व रहा है, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय स्तर पर गुजराती बच्चों की पहुंच बहुत अधिक बढ़ गई है। दिल्ली से बाहर यह पांचवां अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित हो रहा है। यह सम्मेलन भाषा प्रेमियों को नई दृष्टि, ऊर्जा और प्रेरणा देता है। आज इस सम्मेलन में कई प्रकाशनों का लोकार्पण हुआ है, जो भाषा के प्रति हमारे प्रेम और शैलियों में भाषा के उपयोग को बढ़ावा देती है। हिंदी बोलचाल और प्रशासन के साथ-साथ विज्ञान, तकनीक और न्याय की भाषा भी होनी चाहिए।

श्री शाह ने 'सारथी' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक अनुवाद प्रणाली है, जिसके माध्यम से हिंदी भाषा से भारत की सभी मान्य भाषाओं में सरलता से अनुवाद

किया जा सकता है। इस अनुवाद प्रणाली में ऐसी व्यवस्था की गई है कि इसके माध्यम से देश के किसी भी राज्य से किए गए पत्राचार का प्रत्युत्तर केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा उनकी स्थानीय भाषा में दिया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने स्वराज की लड़ाई के दौरान तीन मुद्दों पर बल दिया था- स्वराज, स्वधर्म और स्वभाषा। इन तीनों चीजें न केवल एक-दूसरे से बल्कि देश के स्वाभिमान से भी जुड़ी हुई हैं। महात्मा गांधी गुजरात राज्य साहित्य परिषद के अध्यक्ष थे और उन्होंने गुजराती शब्दकोश की रचना में बहुत बड़ा योगदान दिया था। वे जानते थे कि जब तक भाषा मजबूत नहीं होती, तब तक कोई भी समाज दुनिया के सामने उन्नत मस्तक के साथ खड़ा नहीं हो सकता। इसके अलावा, उन्होंने डिजिटल शब्दकोश 'हिंदी शब्द सिंधु' के बारे में बताते हुए कहा कि इस शब्दकोश में लगभग सात लाख शब्दों को शामिल किया गया है, जो वर्ष 20229 तक दुनिया की सभी भाषाओं में सबसे बडा शब्दकोश बन जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिव्यांगजनों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। इसके हिस्से के रूप में आज पांच दृष्टिबाधित लोगों को एआई-संचालित चश्मे प्रदान किए गए हैं। इस चश्मे की विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा कि एआई-संचालित चश्मे की मदद से दृष्टिबाधित व्यक्ति अपनी मातृभाषा में भी पढ़ सकेंगे, इससे परिचित चेहरों को पहचानने में मदद मिलेगी और वॉइस असिस्टेंट सिस्टम की मदद से करेंसी मुद्रा की पहचान कर सकेंगे। इस प्रकार, यह चश्मा उनके निजी सहायक के रूप में काम करेगा।

श्री शाह ने देश भर के माता-पिता से अपील की कि बच्चों के साथ मातृभाषा में बातचीत करें और उन्हें मातृभाषा में बोलना, लिखना और पढ़ना सिखाएं। अनेक भाषा विद्वानों और मनोवैज्ञानिकों ने यह सिद्ध किया है कि जब बच्चा अपनी भाषा में पढ़ता, सोचता, बोलता, विश्लेषण करता, तर्क करता और अपनी भाषा में निर्णय लेता है, तो उसकी क्षमता लगभग 30 फीसदी बढ़ जाती है।

उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को मातृभाषा को महत्व देना चाहिए और राजभाषा का सहयोग करना चाहिए। संस्कृति भाषा ने हमें ज्ञान की गंगा दी है, तो हिंदी भाषा ने उस ज्ञान को घर-घर तक पहुंचाया है। जबकि हमारी स्थानीय भाषाओं ने उस ज्ञान को हर व्यक्ति तक पहुंचाया है। प्रधानमंत्री ने विभिन्न तकनीकों के माध्यम से स्थानीय भाषाओं को मजबूत बनाने का सुंदर काम किया है, जिसके हिस्से के रूप में गृह मंत्रालय में भारतीय भाषा अनुभाग का गठन किया गया है, जो केवल आधिकारिक भाषाओं ही नहीं, बल्कि देश की सभी भारतीय भाषाओं को सुदृढ़ करने का काम करता है। देश के लगभग 539 शहरों तथा लंदन, सिंगापुर और दुबई जैसे देशों में भी आधिकारिक भाषा समिति का गठन किया गया है।

खराब मौसम के कारण वैष्णो देवी यात्रा फिर स्थगित

जम्मू, 14 सितम्बर (एजेंसियां)।

श्री माता वैष्णो देवी मंदिर तीर्थयात्रा खराब मौसम के मद्देनजर रविवार को पुन: को स्थगित कर दी गयी। यह यात्रा 19 दिनों के लंबे अंतराल बाद रविवार से शुरू होने वाली थी।

मंदिर बोर्ड के अधिकारी ने बताया,श्री माता वैष्णो देवी यात्रा जो रविवार से शुरू होने वाली थी, भवन और मार्गों पर लगातार बारिश के कारण अगले आदेश तक पुन: स्थगित की जाती है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं से निवेदन है कि आधिकारिक संचार तंत्र के जरिये जानकारी प्राप्त करते रहें।

26 अगस्त को अधकुवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी बारिश से आये भूस्खलन में कम से कम 34 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी, जिसमें अधिकतर श्रद्धालु थे और कई अन्य घायल हो गये थे।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल और श्री माता वैष्णो देवी मंदिर बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने 26 अगस्त के भूस्खलन की जांच के लिये एक उच्च स्तरीय तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। जम्मू कश्मीर के जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शालिन काबरा की अध्यक्षता में गठित समिति में जम्मू संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक बी.एस. टूटी भी शामिल हैं। यह समिति एलजी सिन्हा को घटना की जांच कर रिपोर्ट देगी।

इससे पहले कटरा के आध्यात्मिक विकास केंद्र में 13 सितंबर को श्री माता वैष्णो देवी मंदिर बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य की अध्यक्षता में एक संयुक्त बैठक की गयी, जिसमें 22 सितंबर से चलने वाली नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि के दौरान निर्बाध तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने पर चर्चा की गयी।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि नवरात्रि निकट है और ऐसे में बोर्ड को तीर्थस्थल और कटरा स्थित आधार शिविर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है इसलिए नवरात्रि पर्व के दौरान सभी एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करें। उन्होंने आने वाले दिनों में बिना किसी परेशानी के तीर्थयात्रा के लिए विभिन्न मोर्चों पर कार्रवाई करने का भी आह्वान किया।

श्रमदान से विद्यार्थी सजाएंगे विद्यालय और छात्रावास

सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में शुरू हुआ श्रमदान अभियान

लखनऊ, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक और अभिनव कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के निर्देश पर प्रदेश के सभी जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों और राजकीय छात्रावासों में प्रत्येक रविवार श्रमदान कार्यक्रम शुरू हो गया है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन,

सहयोग और श्रम के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना है।

श्रमदान कार्यक्रम के तहत प्रत्येक रविवार को विद्यालय और छात्रावास परिसर की साफ-सफाई की जाएगी। टूटी हुई कुर्सियां, मेज और अन्य फर्नीचर की मरम्मत, पानी की टंकियों व नालियों की सफाई तथा कचरा निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आवश्यक उपकरण-झाड़ू, फावड़े, बाल्टी, तसला और कूड़ेदान-की व्यवस्था पहले से कर दी गई है। बागवानी पर जोर देते हुए पेड़-पौधों की निराई-गुड़ाई, नए पौधों का रोपण और सूखे पत्तों व टहनियों से खाद बनाने का कार्य भी किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण की भावना मजबूत होगी।

विद्यालयों को सदनों में बांमटकर श्रमदान की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इससे विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना जागेगी और परिसर को सुंदर बनाने की प्रेरणा मिलेगी। श्रमदान कार्य की पहले और बाद की तस्वीरें निर्धारित प्रारूप में क्यूआर कोड के माध्यम से अपलोड की जाएंगी, जिससे निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

डीआरआई ने कोलकाता में पकड़ा 26 करोड़ रुपये का तस्करी का मादक द्रव्य, दस गिरफ्तार

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेंसियां)।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने कोलकाता में मादक पदार्थ तस्करी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया कर लगभग 26 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए है और इसमें शामिल नेटवर्क के सरगना सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

शनिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार डीआरआई की कोलकाता क्षेत्रीय इकाई ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपने अभियान के तहत शुक्रवार को एक बहुआयामी अभियान चलाया। इसके तहत सुबह तीन अलग-अलग स्थानों पर एक साथ तलाशी ली गयी। जिनमें कोलकाता हवाई अड्डा और जादवपुर के बिजॉयगढ़ इलाके में दो मकान हैं जिनमें एक नेटवर्क के सरगना कहा मकान है ।

राज्यपाल ने किया पूर्णिया विश्वविद्यालय का औचक निरीक्षण

पूर्णिया , 14 सितम्बर (एजेंसियां)।

बिहार के राज्यपाल और कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान ने पूर्णिया विश्वविद्यालय का अचानक दौरा कर सभी को चौंका दिया। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 15 सितंबर के प्रस्तावित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए एक दिन पहले ही पूर्णिया पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बिना किसी पूर्व सूचना के सीधे विश्वविद्यालय परिसर का रुख किया और कामकाज का जायजा लिया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में

कुलपति प्रोफेसर विवेकानंद सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों की जानकारी ली। बैठक में विश्वविद्यालय के कई पदाधिकारी भी मौजूद थे।

प्रेस से बात करते हुए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि वे प्रधानमंत्री के आगमन के प्रोटोकॉल के तहत पूर्णिया आए हैं। इसी दौरान उन्हें विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने का अवसर मिला, जहां उन्होंने शिक्षा के स्तर में सुधार पर जोर दिया।

जब पत्रकारों ने विश्वविद्यालय में शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाया, तो राज्यपाल ने स्पष्ट कहा कि यदि शिक्षकों की कमी है तो मेरे आने का इंतजार मत कीजिए। आप सीधे जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि शिक्षा के विस्तार और संस्थानों को मजबूत बनाने के लिए उनके स्तर पर जो भी संभव होगा, वह किया जाएगा। उन्होंने कुलपति को भी निर्देश दिया कि वे छात्रों की समस्याओं, खासकर पीएचडी की पढ़ाई से जुड़ी दिक्कतों पर तुरंत ध्यान दें।

एनआईए ने अमृतसर मंदिर में ग्रेनेड हमले के आरोपियों के खिलाफ दायर किया आरोप पत्र

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अमृतसर के एक मंदिर में ग्रेनेड हमला करने के मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

एनआईए की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार एनआईए ने शुक्रवार को मोहाली (पंजाब) की

विशेष अदालत में दाखिल आरोपपत्र में विशाल गिल , भगवंत सिंह उर्फ मन्ना भट्टी और दीवान सिंह उर्फ सनी पर अमृतसर के छेहरटा स्थित ठाकुरद्वारा सनातन मंदिर पर हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप लगाया है।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर अंतरिम रोक पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला 15 सितंबर को

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सोमवार को अपना अंतरिम फैसला सुनायेगा।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 22 मई को उस कानून के विभिन्न प्रावधानों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अनन्या पांडे ने मालदीव की सैर का लिया मजा, शेयर की खूबसूरत यादें

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने अपने इस शानदार सफर की झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं।अनन्या ने इंस्टाग्राम पर मालदीव के मनमोहक नजारों, समुद्री जीवों और अपनी मस्ती भरी गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिन्हें देखकर उनके फैंस भी उत्साहित हो रहे हैं।

अनन्या ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, मैं पूरी तरह हैरान हूं! समुद्री कछुओं के साथ तैरना, डॉल्फिन को नजदीक से देखना, खूबसूरत सूर्यास्त का नजारा लेना, पायजामा पहनकर ईगल रे मछलियों को पानी में तैरते देखना, पेड़ों के ऊपर बने रेस्टोरेंट में लजीज खाने का स्वाद लेना, मसाज का आनंद उठाना और पिलाटेस करना, ये सब किसी सपने से कम नहीं लग रहा। कोई मुझे चुटकी काटकर बताए कि ये सच है!

तस्वीरों में अनन्या मालदीव के नीले समुद्र, सफेद रेत और हरे-भरे नजारों के बीच मजे करती नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में वह बीच पर पोज देती नजर आ रही हैं। इसके साथ ही एक और बीच की तस्वीर है। एक तस्वीर में वह समुद्री कछुओं के साथ तैरती दिख रही हैं, तो दूसरी तस्वीर में सूर्यास्त की सुनहरी किरणों के बीच उनकी मुस्कान देखते ही बनती है।फिर एक वीडियो में अनन्या डीप-सी डाइविंग (समुंदर में गोता लगाते) करते हुए दिख रही हैं। इसी के साथ ही अभिनेत्री ने उस खूबसूरत रिसॉर्ट की झलक भी शेयर की जहां वो मालदीव में ठहरी थीं।

उनकी इस छुट्टी में सब कुछ शामिल था - जंगल की सैर, डीप सी डाइविंग, शानदार खाना, रिलैक्सिंग मसाज, कैंडललाइट डिनर और पूल में ब्रेकफास्ट।उनके इस पोस्ट पर फैंस ने कमेंट्स की बौछार कर दी, जिसमें कई ने उनकी इस मस्ती भरी छुट्टियों की तारीफ की।वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही लक्ष्य लालवानी के साथ फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक लव स्टोरी फिल्म है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। साथ ही, वह कार्तिक के साथ 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है।

महिमा चौधरी - 'परदेस' से किया डेब्यू और बदलना पड़ा नाम, फिर हुआ मलाल

महिमा चौधरी एक जानी-मानी भारतीय फिल्म अभिनेत्री और मॉडल हैं। उन्होंने 1997 में सुभाष घई की फिल्म 'परदेस' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जिसमें उनके अभिनय और मासूमियत ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू अवार्ड भी मिला। महिमा का जन्म 13 सितंबर 1973 को दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में हुआ था। फिल्मों में आने से पहले वे मॉडलिंग और विज्ञापनों में काम कर चुकी थीं। अपने करियर में उन्होंने 'दिल क्या करे', 'दाग: द फायर', 'कुरुक्षेत्र', 'लज्जा', और 'धड़कन' जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाईं।

अपनी सादगी और शानदार अभिनय के लिए पहचानी जाने वाली महिमा चौधरी बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने 90 और 2000 के शुरुआती दौर में इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई।

पहली फिल्म से डेब्यू करने के लिए महिमा चौधरी को अपना नाम बदलना पड़ा था। महिमा का असली नाम रितु चौधरी है। रितु चौधरी से उनको महिमा चौधरी क्यों बनाना पड़ा, यह एक दिलचस्प किस्सा है। हालांकि, पहले तो उन्हें नाम बदलने में कोई परहेज नहीं हुआ, लेकिन बाद में अभिनेत्री को इसका मलाल भी हुआ। इसे उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में जाहिर किया।

दरअसल, फिल्म 'परदेस' के लिए सुभाष घई को नया चेहरा चाहिए था। सैकड़ों लड़कियों के ऑडिशन करने के बाद कोई पसंद नहीं आया। तब एक पार्टी में उनकी नजर रितु चौधरी पर पड़ी। पहली बार में उन्होंने फिल्म का ऑफर रितु को दे दिया।

जब उन्हें सुभाष घई की फिल्म 'परदेस' में मुख्य भूमिका के लिए चुना गया, तब सुभाष घई ने उनसे अपना नाम बदलने के लिए कहा। सुभाष घई का एक गहरा अंधविश्वास था कि जिन अभिनेत्रियों के नाम 'एम' अक्षर से शुरू होते हैं, उनके साथ निर्देशक की फिल्में हिट होती हैं। उनसे पहले वो माधुरी दीक्षित और मीनाक्षी शेषाद्रि जैसी अभिनेत्रियों के साथ कई ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुके थे।

इस अंधविश्वास को मानते हुए, उन्होंने रितु को अपना नाम बदलकर 'महिमा' रखने का सुझाव दिया। अपनी पहली फिल्म में सफलता की उम्मीद में रितु ने इस बात को मान लिया। उनका यह फैसला उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। फिल्म 'परदेस' एक बड़ी हिट रही और महिमा रातों रात एक सुपरस्टार बन गईं।

हालांकि, बाद में एक इंटरव्यू में महिमा चौधरी ने इस नाम परिवर्तन के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अपने करियर के लिए अपना नाम बदलना उनके लिए एक मुश्किल फैसला था। वह कहती हैं कि कई सालों तक उन्हें 'महिमा' के नाम से जाना गया, लेकिन बाद में उन्होंने महसूस किया कि उन्हें अपने असली नाम 'रितु' से ज्यादा जुड़ाव है।

ईशा गुप्ता ने गोल्डन साड़ी में बिखेरी अपनी शाही सुंदरता

जब पारंपरिक विरासत और आधुनिक परिष्कार का मेल करना हो, तो ईशा गुप्ता एक बार फिर साबित कर देती हैं कि वे किसी अलग ही लेवल पर हैं। रेशमी चमक से दमकती गोल्डन साड़ी में लिपटी, अभिनेत्री एक शाही आकर्षण बिखेरती दिखाई देती हैं, जो न केवल प्रभावशाली है बल्कि बेहद सुरुचिपूर्ण भी है। साड़ी की रेशमी चमक उनकी प्राकृतिक आभा को और निखार देती है, जबकि इसकी सहज लहराती गिरावट उनके शरीर की रेखाओं को बेहद नाज़ुक ढंग से उभारती है। ईशा ने लुक को न्यूनतम लेकिन आकर्षक रखा है, जिससे कपड़े की शानदार बनावट खुद ही केंद्र में आ जाती है। एक हल्के स्ट्रक्चर्ड ब्लाउज़ ने पूरे लुक में आधुनिकता का स्पर्श जोड़ा है, जिससे परंपरा और समकालीनता का संतुलन सहजता से बन गया है। उनकी स्टाइलिंग न तो ज़्यादा दिखावटी है और न ही साधारण-यह शान और सादगी का परिपूर्ण मिश्रण है। sleek जूड़ा उनके नुकीले चेहरे की खूबसूरती को उभारता है, वहीं छोटी सी लाल बिंदी क्लासिक भारतीय आकर्षण का स्पर्श देती है।

गोल्डन साड़ी के साथ मेल खाते हुए वे अपनी सजावट में एमराल्ड जड़े हुए ईयररिंग्स और मोती की चोकर नेकलेस पहनती हैं, जिसमें बीच में एमराल्ड का सुंदर पत्थर लगाया गया है- ये आभूषण लुक में गहराई और परिष्कार जोड़ते हैं, बिना इसे बोझिल बनाए। अंतिम छुअन के तौर पर एक पतला ब्रेसलेट उनके संपूर्ण लुक की नफ़ासत को और बढ़ा देता है।

ईशा का मेकअप भी इसी सोच को दर्शाता है-म्यूटेड टोन, हल्का कंटूर और न्यूड-ब्राउन लिप शेड उनकी प्राकृतिक सुंदरता को उभारते हैं। शांत चेहरे का भाव और आत्मविश्वास से भरी मुद्रा उन्हें पुराने ज़माने की किसी प्रेरक नायिका जैसा एहसास कराते हैं, जिसे आधुनिक समय के अनुरूप दोबारा गढ़ा गया हो। यह लुक हमें याद दिलाता है कि ग्लैमर को शोर मचाने की ज़रूरत नहीं होती- वह रेशमी नर्मी से भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकता है।

गोल्डन साड़ी में ईशा गुप्ता सिर्फ एक फैशन स्टेटमेंट नहीं हैं; यह भारतीय सौंदर्य और वैश्विक परिष्कार का एक कालातीत चित्र है। वर्क फ्रंट की बात करें तो ईशा गुप्ता ने हाल ही में 'धमाल 4' की शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म में वे अजय देवगन के साथ नज़र आएंगी और ईद 2026 पर रिलीज़ होने की घोषणा की गई है।

अभिषेक बच्चन ने 6 बार साबित किया कि वह 2025 के सबसे सफल अभिनेता हैं

अभिषेक बच्चन ने 'पुनर्निमाण' को अपनी पहचान बना लिया है, और 2025 उनके लिए एक शानदार साल साबित हुआ है। इस साल उन्होंने यह दिखा दिया कि लगन, प्रतिभा और थोड़े से स्वैग के साथ कोई भी कहानी बदली जा सकती है। चाहे बात स्ट्रीमिंग की हो या थिएटर्स की, अवॉर्ड्स की हो या फैशन की - अभिषेक ने हर मोर्चे पर बाज़ी मारी है, जानिए कैसे।

ओटीटी प्लेटफॉर्म अब अभिषेक के लिए एक नया खेल का मैदान बन गया है। 'दसवी' से लेकर ग्लोबल हिट 'बी हैप्पी' तक, उनकी परफॉर्मेंस न केवल चार्ट में टॉप कर रही हैं, बल्कि दुनियाभर में ट्रेंड भी कर रही हैं - यह साबित करते हुए कि डिजिटल स्पेस में उनकी पकड़ बेजोड़ है। वह सिर्फ़ ओटीटी के चहेते नहीं हैं; हाउसफुल 5 के साथ, अभिषेक ने दर्शकों को अपनी ओर खींचकर और लगातार शानदार अभिनय करके सभी को अपनी कमर्शियल ताकत का एहसास दिलाया।

आई वांट टू टॉक से लेकर 'घूमर' तक, अभिषेक ने आलोचकों को उनके संजीदा अभिनय की सराहना करने पर मजबूर कर दिया है। मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में उनका 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता' पुरस्कार सिर्फ एक और अवॉर्ड नहीं था - यह उनके निरंतर शानदार प्रदर्शन और समर्पण का प्रमाण था। कॉमेडी हो, थ्रिलर हो या ड्रामा, अभिषेक हर शैली में सहजता से ढल जाते हैं। इतनी विविधता के साथ हर किरदार को निभाने की उनकी क्षमता यह दिखाती है कि वह बॉलीवुड के सबसे भरोसेमंद कलाकारों में से एक हैं।

स्क्रीन के बाहर भी उनका फैशन स्टाइल सहज, लेकिन बेहद प्रभावशाली है। मैगज़ीन शूट्स से लेकर रेड कारपेट तक, अभिषेक की शांत आत्मविश्वास से भरी उपस्थिति उन्हें खास बनाती है। स्ट्रीमिंग के दबदबे से लेकर बॉक्स ऑफिस की सफलता तक, आलोचकों की सराहना से लेकर स्टाइलिश अपीयरेंस तक - 2025 को अभिषेक बच्चन ने पूरी तरह अपना बना लिया है। हर किरदार, हर इवेंट में वह यह साबित कर रहे हैं कि निरंतरता और प्रामाणिकता ही असली सफलता की कुंजी हैं। और सबसे उत्साहजनक बात यह है कि उनकी यह गति आगे आने वाले समय के लिए और भी बड़े मुकाम तय कर रही है।

ग्रहों के राजकुमार बुध आज करेंगे कन्या राशि में प्रवेश

ज्योतिष शास्त्र में बुध ग्रह को एक शुभ ग्रह माना जाता है। बुध ग्रह मिथुन एवं कन्या राशि के स्वामी हैं। बुध ग्रह सूर्य और शुक्र के साथ मित्र भाव से तथा चंद्रमा से शत्रुतापूर्ण और अन्य ग्रहों के प्रति तटस्थ रहता है। वैदिक ज्योतिष में बुध देव को वाणी, बुद्धि और व्यापार का दाता कहा जाता है। मान्यता है जिन लोगों की कुंडली में बुध देव की स्थिति सकारात्मक होती है। बुध ग्रह कि शुभ स्थिति जातक को व्यवहारिक, वाक्पटु बनती है जो उनके जीवन में अच्छे परिणाम लेकर आते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि बुध ग्रह 15 सितंबर को कन्या राशि में गोचर करेंगे। अब ये ग्रह अपनी उच्च राशि में रहेगा। इस कारण शेयर बाजार में स्थिरता के साथ-साथ मंहगाई पर भी रोक लगेगी। अपनी ही राशि में होने से इस ग्रह के शुभ प्रभाव से एजुकेशन से जुड़ी परेशानियां खत्म होने लगेंगी। वहीं, वकालात और मीडिया से जुड़े लोगों के लिए अच्छा समय शुरू हो जाएगा।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ग्रहों में युवराज कहे जाने वाले बुध 15 सितंबर की सुबह 11:07 मिनट पर सिंह राशि की यात्रा समाप्त करके अपनी स्वयं की कन्या राशि में गोचर करेंगे। जहां ये 2 अक्टूबर तक गोचर करेंगे उसके बाद तुला राशि में चले जाएंगे। इनके राशि परिवर्तन का युवाओं, बैंकिंग सेक्टर्स तथा थोक व्यापार पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। बुध ग्रह मिथुन और कन्या राशि का स्वामी है। बुध सूर्य का निकटतम ग्रह है। बुध ग्रह को बुद्धि का प्रदाता कहा गया है। बुध ग्रह के लक्षण की बात करें तो यह व्यक्ति में बुद्धि, विवेक, हाज़िर जवाबी और हास्य-विनोद का प्रतिनिधित्व करता है। यह एक शुभ ग्रह है लेकिन कुछ स्थितियों में बुध अशुभ ग्रह में बदल सकता है। बुध कम्युनिकेशन का ग्रह है। बुध ग्रह के अधिदेवता भगवान विष्णु हैं। बुध व्यापार के देवता तथा व्यापारियों के रक्षक हैं। बुध चन्द्र और तारा के पुत्र है। बुध सौरमंडल के ग्रहों में सबसे छोटा और सूर्य से निकटतम है। बुध के हाथों में तलवार, ढाल, गदा तथा वरमुद्रा धारण की हुई है।

असर

बुध के राशि परिवर्तन से लोगों में रचनात्मकता बढ़ेगी। बिजनेस करने वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। बड़े देशों के बीच इंपोर्ट-एक्सपोर्ट बढ़ेगा। बड़े एग्रीमेंट या बिजनेस समझौते होने के योग बन रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लेन-देन बढ़ेगा। कुछ देशों की करंसी मजबूत होगी। कुछ बड़े देश नई व्यापारिक रणनीति पर काम शुरू कर सकते हैं। बुध के प्रभाव से शेयर बाजार में स्थिरता के साथ-साथ खाद्यान्न वस्तुओं के भाव में स्थिरता एवं मूल्य वृद्धि रुकेगी। विद्यार्थियों के लिए यह समय शिक्षा ग्रहण के लिए श्रेष्ठ रहेगा। शिक्षा से संबंधित मंत्री या कुलपति शिक्षा से संबंधित खामियों को दूर करने का अथक प्रयास करेंगे। मौसम में भी सुखद बदलाव होगा। सेहत के नजरिये से लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। दूध का उत्पादन बढ़ने के साथ सब्जियों की पैदावार ज्यादा होने से किसानों को फायदा होगा। औद्योगिक क्षेत्र में भी ज्यादा उत्पादन होने से भाव में स्थिरता आने से लोगों को फायदा होगा। प्राप्त होगा।

बुध के उपाय

बुध से पीड़ित व्यक्ति को मां दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। बुधवार के दिन गाय को हरा चारा खिलाना चाहिए और साबूत हरे मूंग का दान करना चाहिए। बुधवार के दिन गणपति को सिंदुर चढ़ाएं। बुधवार के दिन गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं। दूर्वा की 11 या 21 गांठ चढ़ाने से फल जल्दी मिलता है। पालक का दान करे। बुधवार को कन्या पूजा करके हरी वस्तुओं का दान करे।

बुध के इस गोचर का सभी 12 राशियों पर शुभ-अशुभ प्रभाव।

मेष राशि– यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा। लिए गए निर्णय और किए गए कार्यों की सराहना होगी। विद्यार्थी वर्ग विदेश में पढ़ाई करने के लिए जाने का

प्रयास कर रहे हों तो उस दृष्टि से ग्रह-गोचर और अनुकूल रहेगा षड्यंत्र से बचें।

वृषभ राशि–संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम संबंधी मामलों में प्रगाढ़ता आएगी। यहां तक कि प्रेम विवाह भी करना चाह रहे हों तो ग्रह गोचर अनुकूल रहेगा। इस अवधि के मध्य ट्रेडिंग के व्यापार में अत्यधिक सफल रहेंगे। सरकारी विभागों में प्रात्यक्षिक पड़े कार्यों का निपटारा होगा।

मिथुन राशि–मित्रों तथा संबंधियों से सुखद समाचार प्राप्ति के योग। इस अवधि के मध्य किसी नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करना चाह रहे हों अथवा नया व्यापार आरंभ करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी समय अति अनुकूल रहेगा।

कर्क राशि – धर्म और आध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। धार्मिक ट्रस्टों तथा अनाथालय आदि में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे और दान पुण्य भी करेंगे। चुनाव संबंधी कोई निर्णय लेना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी समय अनुकूल रहेगा।

सिंह राशि –अपनी वाणी कुशलता के बलपर कठिन से कठिन हालात को भी आसानी से नियंत्रित कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें। कार्यक्षेत्र में षड्यंत्र का शिकार होने से बचें। अपनी योजनाओं को गोपनीय रखते हुए कार्य करेंगे तो अधिक सफल रहेंगे। नए मेहमान के आगमन से माहौल खुशनुमा रहेगा।

कन्या राशि –शासन सत्ता का पूर्ण सहयोग मिलेगा। उच्चाधिकारियों से भी संबंध मजबूत होंगे। सामाजिक पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कोई भी चुनाव लड़ने का प्रयास कर रहे हों तो बेहतर अवसर रहेगा। विद्यार्थियों एवं प्रतियोगिता में बैठने वाले छात्रों के लिए भी समय अनुकूल रहेगा।

तुला राशि– धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे और दान पुण्य भी करेंगे। तीर्थयात्रा का भी संयोग बना रहा है। इस अवधि के मध्य किसी को भी अधिक कर्ज देने से बचें। झगडे-विवाद भी दूर रहें। कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामले बाहर ही सुलझाएं।

वृश्चिक राशि – केंद्र अथवा राज्य सरकार के विभागों में प्रतीक्षित पड़े कार्यों का निपटारा होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। नव दंपति के लिए संतान प्राप्ति एवं प्रादुर्भाव के भी योग। विद्यार्थी वर्ग विदेश में पढ़ाई करने के लिए जाने का प्रयास करना चाह रहे हों तो यह अवसर बेहतरीन रहेगा।

धनु राशि– माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें। किसी भी तरह के सरकारी टेंडर के लिए आवेदन करना चाह रहे हों तो अवसर अच्छा है। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों का निपटारा होगा। वाहन का क्रय कर सकते हैं।

मकर राशि– धर्म और आध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। धार्मिक ट्रस्टों तथा अनाथालय आदि में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे और दान पुण्य करेंगे। परिवार में मांगलिक कार्यों का शुभ अवसर आएगा। विवाह संबंधी वार्ता सफल रहेगी। नवदंपति के लिए संतान प्राप्ति एवं प्रादुर्भाव के भी योग।

कुंभ राशि –कार्यक्षेत्र में भी कहीं न कहीं षड्यंत्र का शिकार हो सकते हैं। लोग आपको नीचा दिखाने का एक भी अवसर नहीं जाने देंगे। रणनीतियों तथा योजनाओं को तब तक गोपनीय रखें जब तक कि उसे पूर्ण न कर लें। तमाम विषमताओं के बावजूद सामाजिक सम्मान अथवा पुरस्कार की घोषणा हो सकती है।

मीन राशि – विवाह कार्य में आ रही बाधा दूर होगी। ससुराल पक्ष से रिश्ते मधुर बनेंगे। साझा व्यापार करने से बचें। केंद्र अथवा राज्य सरकार के विभागों में किसी भी तरह के सरकारी टेंडर के लिए आवेदन करना हों तो अवसर उत्तम है। वाहन का क्रय कर सकते हैं योग अच्छा है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

भद्रराजयोग और सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग

मिथुन कन्या समेत अन्य राशियों के जातक पाएंगे शिव कृपा से लाभ

आज यानी 15 सितंबर दिन सोमवार होने से दिन के स्वामी ग्रह चंद्रमा और देवता भगवान शिव रहेंगे। इस पर आज चंद्रमा का गोचर दिन रात मिथुन राशि में गुरु के साथ होगा जिससे आज गजकेसरी नाम शुभ योग बनेगा। इसके साथ ही साथ आज बुध ग्रह का योग कन्या राशि में होने जा रहा है। जिससे आज भद्रराज योग का निर्माण होगा। और तो और आज के दिन आर्द्रा नक्षत्र के संयोग में सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का भी शुभ संयोग बनने जा रहा है। ऐसे में आज का दिन भगवान शिव की कृपा और भद्रराजयोग के संयोग से मिथुन, सिंह, कन्या तुला, धनु राशि के लिए अत्यंत भाग्यशाली रहेगा.

मिथुन –मिथुन राशि के लिए के लिए आज का दिन आर्थिक मामले में लकी रहेगा। आपको मेहनत से ज्यादा किस्मत का साथ मिलेगा। नौकरी में आपका दिन आज सामान्य रहेगा। आपको आज कुछ नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। अगर आप नौकर में बदलाव करने का प्रयास कर रहे हैं तो आपको कामयाबी मिल सकती है। कारोबार में आपको आज के दिन कोई बड़ी डील मिल सकती है। आपको पिता की ओर से भी आज के दिन फायदा होगा। आर्थिक मामलों में आज आपको अपनी योजना का लाभ मिलेगा। आप सुख साधनों के मिलने से प्रसन्न होंगे।।

उपाय : आपको दिन को सफल और सुखद बनाए रखने के लिए शिवजी का जल अथवा दूध से अभिषेक करना चाहिए।

सिंह – सिंह राशि के लिए आज सोमवार का दिन करियर और कामकाज के लिहाज से अच्छा रहेगा। आपको नौकरी में सकारात्मक स्थिति का लाभ मिलेगा। आप सहकर्मियों और सहयोगियों से मदद पाएंगे। आर्थिक मामलों में आपका दिन सुखद होगा। आप सुख साधनों को पाने में सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अधिकारी वर्ग से सहयोग और सपोर्ट मिलेगा। आपको सामाजिक क्षेत्र में काम करने से मान प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। आपको मित्रों से भी सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से संबंध आपके मधुर बने रहेंगे। आपको आज विदेशी क्षेत्र से भी फायदा हो सकता है।

उपाय : सिंह राशि के लोगों को आज के दिन उपाय के तौर पर भगवान सूर्य को तांबे के लोटे से जल अर्घ्य देना चाहिए।

कन्या – कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत ही शुभ और लाभदायक होगा। वकालत के काम से जुड़े जातकों को आज कोई बड़ा मौका मिल सकता है। नौकरी में आपको बुद्धि और चतुराई से फायदा मिलेगा। आप आज के दिन नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। आप किसी बचत योजना मे धन लगा सकते हैं। आपको आज के दिन लव लाइफ मे प्रेमी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा। आप आज सरकारी क्षेत्र के काम में सफलता पाएंगे। छोटी अवधि के निवेश और प्रबंधन से भी आपको आज लाभ मिलेगा।

उपाय : आपको आज के दिन को शुभ बनाए रखने के लिए शिव चालीसा का पाठ करना चाहिए। चावल का दान करना भी शुभ होगा।

तुला – तुला राशि के लिए आज सोमवार का दिन आनंददायक रहेगा। आप ऊर्जा और जोश से भरपूर रहेंगे। आपको आज कुछ नया काम करने का मौका मिलेगा। कोई साहसिक फैसला आपको सफल बनाएगा। नौकरी में आपको आज के दिन सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा। साथ ही आज आपको कार्यक्षेत्र मे उन्नति का भी मौका मिलेगा। बिजनेस में आज आपको साझेदारों से पूरा सहयोग मिलेगा। अगर आप वाहन या भौतिक सुख साधनों को खरीदने के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आपको कामयाबी मिल सकती है। आपको आज वैवाहिक जीवन में सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। कोई अधूरा काम आपका पूरा होगा। सरकारी काम में आपको कामयाबी मिलेगी।

उपाय : तुला राशि के लोगों को आज के दिन उपाय के तौर पर हनुमानाष्टक का पाठ करना चाहिए।

धनु – धनु राशि के जातकों के लिए आज सोमवार का दिन धन संपत्ति में वृद्धि देने वाला है। आप किसी आर्थिक योजना मे पैसा लगाकर धन कमा सकते है। आपको आज मित्रों और सगे-संबंधियों से सहयोग मिलेगा। भाई बहनों से आपको आज के दिन अपेक्षित सहयोग प्राप्त होगा। पिता और पैतृक पक्ष से आपको आज फायदा हो सकता है। आपके लिए आज के दिन भाग्य उन्नति का अवसर लेकर आएगा। आपको आज सामाजिक कार्य में भाग्य लेने से सम्मान मिलेगा। धर्म कर्म के काम मे आपकी आज रुचि रहेगी। आपको आज बिजनेस में अच्छी कमाई होगी। लव लाइफ में आपको प्रेमी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर काली माता की पूजा करनी चाहिए और काली चालीसा का पाठ करना चाहिए।

छठी मैया को खुश करने के लिए चढ़ाएं ये पांच फल और जानें इस फल के महत्व!

छठ पूजा सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित एक चार दिवसीय हिंदू त्योहार है, जो मुख्य रूप से बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मनाया जाता है। इस त्योहार में परिवार के सदस्य और मित्र नदियों के किनारे इकट्ठा होकर सूर्य को अर्घ्य देते हैं, उपवास रखते हैं और घर-परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना करते हैं।

यह त्योहार सूर्य की ऊर्जा और जीवन शक्ति के प्रति आभार व्यक्त करने और व्यक्तिगत मनोकामनाओं की पूर्ति की मांग करने का एक माध्यम है।

छठी मैया को खुश करने के

लिए चढ़ाएं ये 5 फल

छठी मैया को प्रसन्न करने और छठ पूजा का प्रसाद चढ़ाने के लिए केला, डाभ नींबू, नारियल, गन्ना और सिंघाड़ा जैसे फल शुभ माने जाते हैं। इन फलों को पूजा की थाली में शामिल किया जाता है और माना जाता है कि इन्हें चढ़ाने से छठी मैया खुश होती हैं और सुख-समृद्धि आती है।

केला –छठी मैया को प्रसन्न करने और उनकी कृपा पाने के लिए केला चढ़ाना महत्वपूर्ण है, क्योंकि केला एक पवित्र फल माना जाता है जो भगवान विष्णु का प्रिय फल भी है, और छठ पूजा में इसे चढ़ाने से परिवार में धन-समृद्धि, बच्चों का स्वस्थ जीवन और तकलीफों से निजात मिलती है।

केला चढ़ाने का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

पवित्रता और विष्णु का वास

केला को भगवान विष्णु का प्रिय फल माना जाता है और माना जाता है कि केले में विष्णु जी का वास होता है। छठी मैया सूर्य देव से भी संबंधित हैं और विष्णु भगवान के बाद यह फल छठ मैया को भी प्रिय माना जाता है।

धैर्य और लंबी आयु

केला चढ़ाने से परिवार की लंबी उम्र और बच्चों के जीवन में आने वाली समस्याओं से बचाव होता है, खासकर सर्दी के मौसम में होने वाली बीमारियों से भी सुरक्षा मिलती है।

डाभ नींबू –छठ पूजा में डाभ नींबू चढ़ाने का महत्व धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों है। धार्मिक रूप से, इसे शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है, जो घर में सुख-समृद्धि लाता है।

वैज्ञानिक रूप से, यह विटामिन सी से भरपूर होता है, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और इसमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है। इसके बड़े आकार और मोटे छिलके के कारण यह शुद्ध रहता है, जिससे देवी छठी मैया को यह प्रिय है।

डाभ नींबू चढ़ाने के धार्मिक महत्व

घर में सुख-समृद्धि

इसे चढ़ाने से घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है, ऐसा माना जाता है।

पवित्रता का उदाहरण

इसका मोटा छिलका इसे पशु-पक्षियों के जरिए जूठा होने से बचाता है, इसलिए यह एक पवित्र फल है।

गन्ना –छठी मैया को खुश करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए गन्ने का चढ़ावा बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह छठी मैया को प्रिय फल माना जाता है। गन्ने का दान करने से घर में आनंद, समृद्धि और मिठास बनी रहती है, साथ ही गन्ने की पवित्रता और नई फसल से जुड़ाव होने की वजह इसे खास प्रसाद के रूप में भी चढ़ाया जाता है।

गन्ना चढ़ाने का महत्व

छठी मैया को प्रिय

मान्यता है कि गन्ना छठी मैया का बहुत प्रिय है, इसलिए इसे चढ़ाने से वह प्रसन्न होती हैं।

पवित्रता का प्रतीक

गन्ने को कोई भी पशु-पक्षी जूठा नहीं कर सकता, इसलिए इसे पवित्र और शुद्ध माना जाता है।

नारियल – छठी मैया को खुश करने के लिए नारियल चढ़ाना महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे परम पवित्र और शुद्ध फल माना जाता है, जो मां लक्ष्मी का स्वरूप है, और यह मनोकामना पूर्ण करने का प्रतीक है। इसका कठोर छिलका किसी भी जीव के जरिए इसे जूठा करने से बचाता है और इसकी ऊंचाई पर लगे होने की वजह भी इसे पवित्र माना जाता है।

नारियल चढ़ाने के महत्व

पवित्रता का प्रतीक

नारियल का खोल सख्त होने की वजह से पक्षी या अन्य जीव इसे आसानी से जूठा नहीं कर पाते, जो इसे और भी पवित्र बनाता है।

मां लक्ष्मी का स्वरूप

नारियल को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है, और यह उन्हें प्रिय है।

सिंघाड़ा– छठ मैया को सिंघाड़ा चढ़ाना शुद्धता, धन-धान्य की प्राप्ति और देवी को खुशी करने के लिए किया जाता है, क्योंकि यह एक पवित्र, पानी में उगने वाला फल है जिसका आवरण सख्त होता है, जिससे पशु-पक्षी इसे जूठा नहीं कर पाते। सिंघाड़ा देवी लक्ष्मी को भी प्रिय है, इसलिए इसे चढ़ाने से घर में समृद्धि आती है।

सिंघाड़ा चढ़ाने के महत्व

शुद्धता: सिंघाड़ा पानी में उगने वाला फल है और इसका आवरण मोटा व सख्त होता है, जिससे कोई भी जीव इसे झूठा नहीं कर पाता। इस शुद्धता और पवित्रता के कारण इसे छठी मैया को अर्पित किया जाता है।

धन-धान्य की प्राप्ति

सिंघाड़ा देवी लक्ष्मी का प्रिय फल भी माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसे चढ़ाने से घर में धन और अन्न का भंडार बना रहता है।

संपादकीय

चुनौतियां

चुनौतियां नेपाल की पहली महिला प्रधान न्यायाधीश से पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का गौरव प्राप्त करने वाली सुशीला काका ने ऐसे उथल-पुथल के वक्त देश की बागडोर संभाली है जब देश में चुनौतियों के पहाड़ खड़े हैं। एक चुनी हुई गठबंधन की सरकार को उखाड़ फेंकने वाले जेन जेड के युवा आंदोलनकारियों के भरोसे पर खरा उतरना सुशीला के लिए जो चुनौती है उसी में सारी चुनौतियां समाहित हैं। किन्तु पूर्व न्यायाधीश के कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं साहसी गुणों के जानकार मानते हैं कि उनका देश के राजनेताओं से तो संबंध अच्छा रहा है किन्तु उन्होंने कभी भी अपने कर्तव्य परायणता से समझौता नहीं किया। जो लोग सुशीला काका को जानते हैं, वह यह भी जानते हैं बाबूराम भट्टराई की सरकार में रहे संचार मंत्री जेपी गुप्ता को दंडित करने में उन्होंने किसी के प्रभाव की परवाह नहीं किया। इसी तरह राजनीति में अत्यन्त प्रभावशाली लोकमान सिंह प्राधिकरण की जांच से हटाना और एक मंत्री को कोर्ट से हथकड़ी लगवा कर जेल भेजने का जो साहसी निर्णय सुशीला ने दिया उससे नैतिकता के उच्च मानदंडों के प्रति उनके सम्मान एवं निष्ठा का प्रमाण मिलता है। राजनेताओं के प्रति उनके संबंध अच्छे रहे किन्तु उनके दुष्कर्मों, भ्रष्टाचार और अपराधों के प्रति वह सदैव असहिष्णु रहीं। जिस मंत्री को सुशीला ने हथकड़ी लगवा कर जेल भेजा था, वह कोई सामान्य राजनेता नहीं था, उसके लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई से लेकर पुष्पदहल 'कमल' प्राचण्ड तक ने उनसे सिफारिशें की थी किन्तु जब उन्हें अपने कर्तव्यों और संबंधों में से एक को चुनना पड़ा तो उन्होंने कर्तव्य एवं संवैधानिक उत्तरदायित्व को चुना। इसीलिए तो नेपाल की सेना को भी एहसास हुआ कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में सुशीला काका से अच्छा शायद ही कोई और मिले। सुशीला काका को रात्रि 9 बजे शपथ दिलाई गई किन्तु उसके पहले लगभग 7 घंटे तक उनके नाम पर मुहर लगने से पहले उनके चरित्र पर विचार-विमर्श हुआ। यह सच है कि देश के तमाम राजनेता आज भी सेना की निगरानी में जान बचाकर दुबके हैं क्योंकि उन्होंने भ्रष्टाचार के जो कीर्तिमान स्थापित किए हैं उसकी जानकारी देश की जनता को हो चुकी है। इसलिए ये राजनेता जनता के सामने जाने से न सिर्फ शर्मिन्दगी महसूस कर रहे हैं बल्कि उन्हें यह भी पता है कि अब नेपाल की जनता भोली जरूर है लेकिन मूर्ख तो बिल्कुल भी नहीं। भ्रष्टाचार, राजनीतिक विशेषाधिकार, विरासत में मिली संपत्ति और सोशल मीडिया प्रतिबंधों पर गुस्से से प्रेरित जेन जेड के युवा वालों ने यदि सुशीला काका पर भरोसा किया है तो अब उनका भी दायित्व राष्ट्र के प्रति बढ़ जाता है। अंतरिम प्रधानमंत्री के पद पर सुशीला काका को 6 महीने ही रहना है और इस बीच न्यायिक आयोग से अब उन्हें देश की उन समस्याओं का समाधान तो करना ही होगा, जिसकी वजह से सत्ता और विपक्ष के सभी राजनेता जनाक्रोश के शिकार बने, बल्कि उन युवाओं के इस आंदोलन में घुसे उन स्वार्थ और शरारती तत्वों की जांच कराकर उनको दंडित करने की जरूरत है जिन्होंने सशस्त्र सुरक्षा बल के अत्याधुनिक हथियार लूटकर देश के राजनेताओं और उनके परिजनों की हत्याएं कर दी हैं। ऐसे खुराफातियों को स्टेट अथारिटी का एहसास कराएं जिन्होंने कई अरब की राष्ट्रीय संपत्ति को क्षति पहुंचाई और पर्यटकों का मारपीट कर उनका सामान लूट लिया। सुशीला काका को उन कारकों पर भी जांच कराकर नेपाल के राजनेताओं को बताना चाहिए कि जनता का गुस्सा उनके खिलाफ क्यों फूटा और क्यों उन्हें सड़कों पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। बहरहाल सुशीला काका से उम्मीद है कि वह नेपाल की धरती को दुरुपयोग भारत के खिलाफ षडंत्र करने वाले शरारती एवं विघटनकारी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करेंगी और यह साबित करेंगी कि जन्म उनका भले ही पर्वतीय देश नेपाल में हुआ किन्तु उनकी उच्च शिक्षा शिवजी की नगरी वाराणसी में हुई। मतलब वह भारत से भी अपने देश के संबंधों को सामान्य एवं सुदृढ़ रखने का प्रायास करेंगी। अन्त में सुशीला काका को देश का वातावरण सामान्य होते ही 6 महीने में चुनाव कराने की व्यवस्था करनी होगी ताकि नेपाल को एक लोकप्रिय सरकार मिल सके। इसी के साथ नेपाल के मौजूदा स्वरिय राजनेताओं के लिए भी आत्ममंथन का अवसर है, ताकि वे पाताप करके अपने देश की जनता से माफी मांग सवें। इन राजनेताओं को यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि उन्होंने चीन के साथ अपने राष्ट्रीय हितों की निजी स्वार्थ के लिए सौदेबाजी की है। उसी कारण आज की तारीख में नेपाल अमेरिका और चीन दोनों के निशाने पर आ गया है। भारत तो नेपाल से अपने संबंधों का राग जबरदस्ती गुनगुनाता है। भारत ने हर संकट में नेपाल की मदद की है किन्तु वह हमेशा नईं दिल्ली से ज्यादा बीजिग को महत्व देता है। नेपाल में हुए बवाल का बहुत बड़ा कारण वहां की जनता में इस बात की बेहद नाराजगी भी है कि राजनेताओं ने वुछ मुस्लिम देशों से गुप्त समझौता कर लिया है कि वे देश में धार्मिक जनसंख्या, निर्माण एवं संस्वृति में बदलाव कर सकते हैं। राजनेता अपने सैद्धांतिक मान्यताओं से समझौता करने की प्रावृत्ति के दुष्परिणाम देख रहे हैं। भारत के बिहार राज्य के लोग नेपाल में रहते हैं और उन्हें मधेसी कहा जाता है। वामपंथ के इन्हीं इण्डाबरदारों ने मधेसियों के साथ जो अमानवीय व्यवहार किया है, उस पर भी पाताप करना उनके और नेपाल दोनों के हित में है। लब्बोलुआब यह है कि चुनौतियां सुशीला काका के सामने भी हैं और चुनौतियां उन राजनेताओं के सामने भी हैं जिन्हें जेन जेड का कोपभाजन बनना पड़ा। सभी को इस महासंकट काल को अवसर और चुनौतियां मानकर एक बेहतर नेपाल की आशा करनी होगी जो तमाम अवसरों से परिपूर्ण हो।

एक चुनी हुई गठबंधन की सरकार को उखाड़ फेंकने वाले जेन जेड के युवा आंदोलनकारियों के भरोसे पर खरा उतरना सुशीला के लिए जो चुनौती है उसी में सारी चुनौतियां समाहित हैं। किन्तु पूर्व न्यायाधीश के कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं साहसी गुणों के जानकार मानते हैं कि उनका देश के राजनेताओं से तो संबंध अच्छा रहा है किन्तु उन्होंने कभी भी अपने कर्तव्य परायणता से समझौता नहीं किया। जो लोग सुशीला काका को जानते हैं, वह यह भी जानते हैं बाबूराम भट्टराई की सरकार में रहे संचार मंत्री जेपी गुप्ता को दंडित करने में उन्होंने किसी के प्रभाव की परवाह नहीं किया। इसी तरह राजनीति में अत्यन्त प्रभावशाली लोकमान सिंह प्राधिकरण की जांच से हटाना और एक मंत्री को कोर्ट से हथकड़ी लगवा कर जेल भेजने का जो साहसी निर्णय सुशीला ने दिया उससे नैतिकता के उच्च मानदंडों के प्रति उनके सम्मान एवं निष्ठा का प्रामाण मिलता है। राजनेताओं के प्रति उनके संबंध अच्छे रहे किन्तु उनके दुष्कर्मों, भ्रष्टाचार और अपराधों के प्रति वह सदैव असहिष्णु रहीं। जिस मंत्री को सुशीला ने हथकड़ी लगवा कर जेल भेजा था, वह कोई सामान्य राजनेता नहीं था, उसके लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई से लेकर पुष्पदहल 'कमल' प्राचण्ड तक ने उनसे सिफारिश की थी किन्तु जब उन्हें अपने कर्तव्यों और संबंधों में से एक को चुनना पड़ा तो उन्होंने कर्तव्य एवं संवैधानिक उत्तरदायित्व को चुना। इसीलिए तो नेपाल की सेना को भी एहसास हुआ कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में सुशीला काका से अच्छा शायद ही कोई और मिले। सुशीला काका को रात्रि 9 बजे शपथ दिलाई गई किन्तु उसके पहले लगभग 7 घंटे तक उनके नाम पर मुहर लगने से पहले उनके चरित्र पर विचार-विमर्श हुआ।

नेपाल का हवाला देकर भारत को अस्थिर बताना केवल जनता को भड़काने का प्रयास है, जिसका अंतिम परिणाम राष्ट्रहित के विरुद्ध ही होगा

क्या भारत में भी बन सकते हैं नेपाल जैसे हालात? स्थितियाँ क्या इशारे कर रही हैं?

नीरज कुमार दुबे

नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता और वहाँ बार-बार बदलती सरकारों को आधार बनाकर भारत के विपक्षी नेता यह कह रहे हैं कि "भारत में भी ऐसे हालात हो सकते हैं।" पहली नज़र में यह बयान साधारण राजनीतिक टिप्पणी लगता है, लेकिन गहराई से देखें तो इसके गंभीर निहितार्थ हैं। यह न केवल देश की जनता को असमंजस में डालने की कोशिश है बल्कि अराजकता को हवा देने का भी प्रयास है। लोकतंत्र में असहमति और आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन जब विपक्ष यह कहे कि भारत भी नेपाल जैसी अस्थिरता की ओर बढ़ रहा है, तो वह परोक्ष रूप से जनता को संदेश देता है कि सड़कों पर उतरकर हिंसा और तोड़फोड़ ही बदलाव का रास्ता है। इतिहास गवाह है कि जब भीड़ भड़कती है तो सबसे पहले निशाना सार्वजनिक संपत्ति बनती है— बसों को जलाना, सरकारी कार्यालयों पर हमला करना, रेलमार्ग रोकना। विपक्ष का यह बयान उसी मानसिकता को जन्म देने वाला है। देखा जाये तो यह तुलना स्वयं में ही बेमानी है। भारत की लोकतांत्रिक जड़ें नेपाल की तुलना में कहीं अधिक मज़बूत हैं। यहाँ स्वतंत्र न्यायपालिका है, सक्रिय चुनाव आयोग है और जनता का भरोसा चुनावी प्रक्रिया में अटूट है। भारतीय मतदाताओं ने हमेशा स्पष्ट किया है कि परिवर्तन यदि होगा तो वह केवल मतदान से होगा, सड़क पर हिंसा से नहीं। ऐसे में विपक्ष का असली मक़सद यह प्रतीत होता है कि जनता में डर और असंतोष का माहौल बनाया जाए ताकि सरकार की वैधता पर सवाल खड़े हों। किंतु प्रश्न यह है कि क्या यह लोकतांत्रिक राजनीति है या केवल अवसरवादी रणनीति? लोकतंत्र में असहमति संविधान की मर्यादाओं में रहकर व्यक्त की जानी चाहिए, न कि अराजकता का वातावरण बनाकर। विपक्षी नेताओं को यह समझना होगा कि नेपाल और भारत की परिस्थितियों में ज़मीन-आसमान का फ़र्क है। भारत में संस्थाएँ सुदृढ़ हैं और जनता का विश्वास स्थिरता व विकास में है। नेपाल का हवाला देकर भारत को अस्थिर बताना केवल जनता को भड़काने का प्रयास है, जिसका अंतिम परिणाम राष्ट्रहित के विरुद्ध ही होगा। लोकतंत्र की असली ताक़त जनता का विश्वास और संवैधानिक प्रक्रिया में आस्था है। विपक्ष को यह समझना चाहिए कि भारत में परिवर्तन की राह हिंसा या अराजकता से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक माध्यमों से ही निकलेगी। इसके अलावा, "नेपाल जैसा आंदोलन" भारत में दोहराया जा सकता है या नहीं, इसका विश्लेषण कुछ बिंदुओं में करना ज़रूरी है। सबसे पहले नेपाल के संदर्भ को देखें तो वहां 2006 का जनआंदोलन (लोकतांत्रिक आंदोलन) राजशाही को समाप्त करके गणतंत्र लाने का कारण बना। उसके पीछे कुछ खास परिस्थितियाँ थीं। जैसे- लंबे समय से चली आ रही राजशाही और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का टकराव देखने को मिल रहा था। माओवादी विद्रोह और सशस्त्र संघर्ष से दबाव उपजा हुआ था। राजनीतिक दलों और जनता का राजशाही के खिलाफ़ व्यापक एकजुट होना भी एक कारण था। वहीं भारत की

इतिहास गवाह है कि जब भीड़ भड़कती है तो सबसे पहले निशाना सार्वजनिक संपत्ति बनती है— बसों को जलाना, सरकारी कार्यालयों पर हमला करना, रेलमार्ग रोकना। विपक्ष का यह बयान उसी मानसिकता को जन्म देने वाला है। देखा जाये तो यह तुलना स्वयं में ही बेमानी है। भारत की लोकतांत्रिक जड़ें नेपाल की तुलना में कहीं अधिक मज़बूत हैं। यहाँ स्वतंत्र न्यायपालिका है, सक्रिय चुनाव आयोग है और जनता का भरोसा चुनावी प्रक्रिया में अटूट है। भारतीय मतदाताओं ने हमेशा स्पष्ट किया है कि परिवर्तन यदि होगा तो वह केवल मतदान से होगा, सड़क पर हिंसा से नहीं। ऐसे में विपक्ष का असली मक़सद यह प्रतीत होता है कि जनता में डर और असंतोष का माहौल बनाया जाए ताकि सरकार की वैधता पर सवाल खड़े हों। किंतु प्रश्न यह है कि क्या यह लोकतांत्रिक राजनीति है या केवल अवसरवादी रणनीति? लोकतंत्र में असहमति संविधान की मर्यादाओं में रहकर व्यक्त की जानी चाहिए, न कि अराजकता का वातावरण बनाकर।

परिस्थितियाँ नेपाल से बिल्कुल अलग हैं। भारत 1947 से ही एक लोकतांत्रिक गणराज्य है; यहाँ राजशाही जैसी व्यवस्था का अवशेष नहीं है। भारत का संविधान अत्यंत मज़बूत है और इसमें लोकतांत्रिक अधिकारों, संघीय ढांचे और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को स्पष्ट सुरक्षा प्राप्त है। साथ ही भारत का राजनीतिक परिदृश्य बहुदलीय है, यहां विभिन्न विचारधाराओं को मंच मिलता है, जिससे असंतोष विद्रोह में बदलने से पहले ही संस्थागत रास्ता खोज लेता है। इसके अलावा, भारतीय सेना और सुरक्षा तंत्र राजनीतिक रूप से तटस्थ हैं, जबकि नेपाल में राजशाही का सीधा प्रभाव सेना पर था। देखा जाये तो संवैधानिक संकट या राजशाही विरोध जैसा आंदोलन भारत में संभव नहीं है क्योंकि यहाँ राजशाही या निरंकुश शासन की गुंजाइश ही नहीं है। जनता के बड़े आंदोलन (जैसे 1975-77 का आपातकाल विरोध, 2011 का अन्ना हज़ारे आंदोलन, किसान आंदोलन आदि) भारत में हुए हैं और आगे भी हो सकते हैं। लेकिन ये आंदोलन संवैधानिक ढांचे के भीतर रहते हैं और सत्ता-परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया यानि चुनाव से ही होता है। भारत की विविधता, लोकतांत्रिक संस्थाएँ और संघीय ढांचा किसी एक समूह या विचारधारा को पूरे देश पर "क्रांतिकारी" ढंग से हावी होने नहीं देता। देखा जाये तो भारत का लोकतंत्र दुनिया के सबसे जीवंत और विविध लोकतंत्रों में से एक है। यहाँ असहमति और विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक परंपरा का स्वाभाविक हिस्सा रहे हैं। पिछले पाँच दशकों में कई ऐसे आंदोलन हुए जिन्होंने देश की राजनीति की दिशा बदल दी, लेकिन महत्वपूर्ण यह रहा कि ये बदलाव लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही संपन्न हुए। यही वह अंतर है जो भारत को पड़ोसी देशों की उथल-पुथल से अलग करता है। 1975 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया, जिसमें नागरिक स्वतंत्रताएँ सीमित कर दी गईं। प्रेस सेंसरशिप, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी और राजनीतिक दमन ने जनता में गुस्सा भर दिया। दो साल बाद जब चुनाव हुए तो जनता ने इंदिरा गांधी की सरकार को सिरे से नकार दिया। आपातकाल का विरोध साबित करता है कि भारत में जनता अंततः लोकतंत्र की बहाली और सत्ता परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है। इसके अलावा, भ्रष्टाचार के खिलाफ़ अन्ना हज़ारे का जनांदोलन युवाओं और शहरी मध्यम वर्ग का प्रतीक बन गया। लाखों लोग सड़कों पर उतरे और जनलोकपाल की मांग गूँजने लगी। इस आंदोलन ने दिल्ली की शीला दीक्षित सरकार को सत्ता से हटा दिया और केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व वाली तत्कालीन यूपीए सरकार के खिलाफ भी नाराजगी पैदा की। इसके परिणामस्वरूप आम आदमी पार्टी जैसी नई राजनीतिक शक्ति का उदय हुआ। इस तरह से सत्ता में बदलाव लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के ज़रिए हुआ। वहीं तीन कृषि कानूनों के विरोध में किसानों का लंबे समय तक चला आंदोलन भी भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का उदाहरण है। लाखों किसान दिल्ली की सीमाओं पर डटे रहे, लेकिन आंदोलन लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही चला। अंततः सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े। यह घटना बताती है कि भारत में जनता शांतिपूर्ण और संगठित तरीके से सरकार की नीतियों को बदलने की ताक़त रखती है। इन तीनों उदाहरणों से स्पष्ट है कि भारत में आंदोलन सत्ता को हिला सकते हैं, सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन यह सब संविधान और लोकतंत्र की मर्यादा के भीतर होता है। न तो नेपाल जैसी राजशाही उखाड़ने की स्थिति बनी, न ही सैन्य हस्तक्षेप की। भारत की जनता लोकतांत्रिक मूल्यों में गहरी आस्था रखती है और यही भारत के राजनीतिक ताने-बाने की सबसे बड़ी शक्ति है। लोकतंत्र की यही खूबी है कि यहाँ असहमति बग़ावत नहीं बनती, बल्कि बदलाव का वैधानिक मार्ग प्रशस्त करती है। इसके अलावा, 2014 से अब तक भारत ने राजनीतिक स्थिरता का जो अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह दुनिया के कई बड़े लोकतांत्रिक देशों और पड़ोसी राष्ट्रों की स्थिति से बिल्कुल अलग खड़ा होता है। दुनिया के सबसे अमीर देशों के समूह जी-7 पर नज़र डालें तो पिछले दस वर्षों में वहां नेतृत्व बदलने की परंपरा लगातार जारी रही है। अमेरिका में बराक ओबामा से लेकर ट्रम्प और बाइडेन और फिर ट्रम्प तक नेतृत्व बदला। ब्रिटेन में डेविड कैमरन से ऋषि सुनक और अब कीर स्टारमर तक प्रधानमंत्री बदलते गए। इटली और जापान में भी प्रधानमंत्री बार-बार बदले। जर्मनी, कनाडा और फ्रांस में भी नेतृत्व का स्वरूप बदला। इन बड़े लोकतंत्रों में अस्थिरता सामान्य बात रही। भारत के पड़ोसी देशों की स्थिति और भी नाटकीय रही। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री कुर्सी का बार-बार बदलना अब चलन-सा हो गया है। नवाज़ शरीफ, इमरान ख़ान और शहबाज़ शरीफ सभी इस दौर में आ-जा चुके हैं। श्रीलंका में आर्थिक संकट ने सरकारें हिला दीं, नेपाल में गठबंधन की राजनीति ने स्थिरता को ग्रहण लगा दिया और बांग्लादेश में भी राजनीतिक टकराव ने नेतृत्व को अस्थिर किया। इन सबके बीच भारत ने 2014 से एक ही नेता नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताते हुए स्थिरता की मिसाल कायम की है। जनता ने लगातार तीन बार उन्हें सत्ता सौंपी। मोदी की लगातार जीत केवल चुनावी रणनीति की सफलता नहीं, बल्कि उस विश्वास का प्रमाण है जो जनता उनके नेतृत्व में महसूस करती है।

देश | दुनिया से

प्रधानमंत्री मोदीः साधना से शिखर तक का सफर

देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सामाजिक और राजनीतिक जीवन का सफर बहुत लम्बा है। अलग-अलग परिवेश में विभिन्न भूमिकाओं का निर्वहन करते हुए उनकी सोच, व्यवहार, निर्णय-क्षमता और देशभक्ति स्पष्ट रूप से झलकती है। एक ही व्यक्ति के समय-समय पर प्रकट हुए अनुभवों से उसकी विशिष्टता प्रकट होती है। 1990 से 2000 के कार्यकाल में दूर से देखना उनके बारे में सुनना, पढ़ना और 2000 के बाद से अनेक प्रसंगों में नजदीक से देखने का अवसर व साहचर्य मुझे प्राप्त हुआ, जब वो गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल रहे थे, मैं अपने परिवार के साथ गिर-जंगल का भ्रमण करने गया था। वापसी में बचे हुए समय का सदुपयोग करने के लिए मैंने उनसे मिलने का समय मांगा और मुझे समय भी मिला। मिलकर निकलने के समय उनके साथ फोटो खिंचवाने की इच्छा व्यक्त करें या ना करें, ऐसी झिझक देखकर खुद ही अपनी कुर्सी से उठकर उन्होंने कहा तुझे नहीं, पर बेटे संदेश को फेसबुक पर तस्वीर डलनी होगी। चलो फोटो खिंचवा लो। उस समय सोशल मीडिया का इतना बोलबाला नहीं था तब से इस विषय को लेकर वो बहुत जागरूक थे और प्रोत्साहित भी करते थे। आज समाज जीवन में सोशल मीडिया अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। सेल्फी, डिजिटल सभाएं, फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे अनेक माध्यमों को राजनीति में परिचित कराने का श्रेय मोदी जी को जाता है। मोदी जी के शपथ समारोह गुजरात में मुख्यमंत्री का हो या दिल्ली में प्रधानमंत्री का हो, परिवारजनों व रिशतेदारों को आरक्षित आसन व्यवस्था का प्रावधान उन्होंने बंद किया। घर-परिवार का एक भी सदस्य विशेष व्यवस्था से उस समारोह में नहीं आता है, न बुलाया जाता है। खुद के बारे में इतनी कठोरता का पालन वो करते हैं। उत्तराखंड में बाबा केदारनाथ का आशीर्वाद लेने के लिए जब-जब मोदी जी गये हैं तब-तब वहां अभिषेक दर्शन के लिए आमजन के लिए जो सहयोग राशि रसीद के माध्यम से जमा होती है, प्रधानमंत्री होते हुए पहले अपनी रसीद कटवाकर ही मंदिर में वो प्रवेश करते हैं। उनका यह व्यवहार मैंने नजदीक से उत्तराखंड का प्रभारी होते हुए देखा है। प्रशासनिक विषयों में सख्त व सामाजिक जीवन में कठोर व्यक्तित्व के धनी मोदी जी को बाबा केदारनाथ जी की परिक्रमा लगाते हुए और पवित्र तीर्थाटन के समय उनकी भाव विभोर भंगिमा का रूप मैंने अनुभव किया है। जब वो गुजरात में मुख्यमंत्री के दायित्व का निर्वहन कर रहे थे तब तीन चुनाव में सक्रियता करने का मुझे मौका मिला। जब भी उनकी भेंट होती थी बैठकों में, सभाओं में सानिध्य मिलता था तब वो सबसे पहले गुजरात में कोई अव्यवस्था तो नहीं है? सब ठीक है ना? ऐसी बातों से संवाद शुरू होता था। अपने अनुयायी व कार्यकर्ताओं की इतनी बारीकी से पूछताछ करना यह उनका स्वभाव रहा है। खुद का पद या ओहदा कितना भी बड़ा हो वो सहयोगियों की विशेष चिंता करते हैं, ध्यान देते हैं। कोरोना काल में देश भर के पुराने व वयोवृद्ध कार्यकर्ताओं से उनका हालचाल पूछकर मोदी जी का जो स्वभाव प्रकट हुआ पूरे देश के सामने है। वर्तमान केन्द्रीय मंत्री व हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल जी का पहला शपथ समारोह चंडीगढ़ में हो रहा था। मैं राष्ट्रीय पदाधिकारी के नाते उस समय महामंत्री श्री विजय गोयल जी के साथ पहुंचा था। रास्ते में दो मिनट की देरी होने से अपेक्षित मंच पर जाने के रास्ते में प्रधानमंत्री की सुरक्षा के अधिकारियों ने हमें रोक दिया। हमारी उनसे बहस चल रही थी इतने में हमें क्रॉस करते हुए मोदी जी का काफिला आगे बढ़ा। मंच पर सीढ़ी चढ़ने के पहले मोदी जी ने वहां पर खडे. राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री सुधांशु त्रिवेदी जी को हमें लेने को भेजा। आपस में कुछ भी वार्तालाप न होते हुये भी असुविधा देखकर वो इतनी बारीकी से कार्यकर्ताओं का ध्यान रखते हैं। यह इस घटना से सिद्ध होता है। अपनी स्वर्गीय माता हीरा बेन का निधन होने पर पूरे देश के कार्यकर्ताओं को सांत्वना हेतु एक भी कार्यक्रम न करने का निर्देश देकर अंतिम संस्कार कर तुरंत देश के काम में लगने वाले मोदी जी ने अलग ही मिसाल पेश की है। परिवार के एक भी सदस्य को या रिश्तेदारों को अपने कद व ओहदे का थोड़ा भी फायदा न देते हुए राजनीति में अलग ही उदाहरण उन्होंने पेश किया है। आज भी उनके भाई व उनके परिवार मोदी जी प्रधानमंत्री बनने के पूर्व जिस प्रकार से जीवन यापन करते थे उसी अवस्था में देखे जाते हैं। वर्तमान में देश का सर्वाधिक लोगों का पर्यटन व आकर्षण का केन्द्र बना गुजरात का सरदार बल्लवभाई पटेल का स्टच्यू ऑफ यूनिटी का महत्वकांक्षी उपक्रम समाज के सहभागिता से खड़ा करना, पूरे देश का अंतरभाव उसमें लेना और देश भक्ति का पर्यटन शुरू कराना, ऐसे अनेक प्रकल्प और निर्णयों में उनके दूरदर्शिता का दर्शन होता है। भारतीय जनता पार्टी के संगठन मंत्री जो अविवाहित प्रचारक होते हैं, उन्हें प्रधानमंत्री निवास पर बैठक हेतु बुलाकर विदाई में कुर्ता-पायजामा का परिवेश भेंट देने में वो भूलते नहीं है। मैं भी एक समय का संगठन मंत्री आपके ही टीम का पार्ट हूं और प्रधानमंत्री के दायित्व का निर्वहन कर रहा हूं यह व्यक्त करने में वो चूकते नहीं है। अपने साथ काम करने वाले जिसकी परवरिश खुद ने की ऐसा नेपाली बच्चा जित बहादुर थापा को नेपाल में परिवार वालों से मिला देना, कोई भी प्रोजेक्ट उद्घाटन के समय वो खड़ा करने वाले पसीने से मेहनत करने वाले मजदूरों को सम्मानित करना, सामान्य से सामान्य आदमी को स्वास्थ्य बीमा, बैंक अकाउंट, मुफ्त राशन, मुफ्त आवास, नल से जल, विद्युत कनेक्शन, गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना यह सोच अपने आप नहीं आती उसमें संवेदनशीलता व तपस्या लगती है। चिलचिलाती ठंड में भी बाबा विश्वनाथ कॉरिडॉर के उद्घाटन अवसर पर अभिषेक हेतु गंगाजी में डुबकी लगाने वाले, दीपावली के दिन बॉर्डर पर जाकर जवानों के साथ दीवाली मनाने वाले, लाल किले की प्राचीर से लौटते समय जनता जनार्दन व छोटे बच्चों के साथ घुल-मिल जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हमारे देश की विरासत, प्रथा, परंपरा व विशेषताओं का ध्यान रखते हुए प्रतिनिधित्व करने वाले, हर महीने मन की बात करते हुये करोड़ों लोगों को डायरेक्ट कनेक्ट करने वाले ऐसे विविधताओं से भरा पूरा विलक्षण नेता आज देश का नेतृत्व कर रहा है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ एक सहयोगी के रूप में काम करने का अवसर मुझे मिला, यह बहुत भाग्य की बात है। इसका एहसास मुझे बार-बार होता रहता है। मोदी जी के भावी जीवन हेतु जीवेत शरदः शतम् ऐसी शुभकामनायें देते हुए शब्दांजलि पूर्ण करता हूं।

आप का | नजरिया

खतरा विशेषज्ञों का मसखरा बन जाना

हिंदी का आम लेखक इन दिनों अपने समय, समाज और देशकाल के प्रति बेहद जागरूक है। वह सोशल मीडिया पर हर दिन, हर पल हमें चुनौतियों और खतरों के प्रति आगाह करता रहता है। कोई बताता है, यह 'डेंजर' समय है; कोई कहता है कि ये जो इंडिया है, उसके रहने लायक नहीं रह गया, तो कोई कहता है कि यहां की 'इकोनॉमी डेड', 'डेमोक्रेसी डेड'! कोई कहता है कि 'फासिज्म' आ रहा है; किसी की चेतावनी में फासिज्म आ चुका है। कोई कहता है, संविधान जा रहा है, तो कोई कहता है कि संविधान को बचाना है... संविधान बचाओ! फिर एक दिन किसी लेखक ने कह दिया कि जो वहां हो रहा है, वह यहां भी हो सकता है। दूसरा भी ऐसा ही कहता दिखता है कि जो वहां, वहां और वहां हुआ, वह यहां भी हो सकता है और कभी भी हो सकता है। तीसरा कहता है, जो वहां हुआ, उससे भी ज्यादा बुरा यहां हो सकता है। चौथा कहता है कि यहां कुछ भी हो सकता है, कभी भी हो सकता है। ऐसे लेखकों को मैं अरसे से 'फॉलो' कर रहा हूं और हर बार उनकी दूरदृष्टि का कायल होता रहा हूं। हमारे आस-पास के खतरों के बारे में उनकी सजगता का लोहा मानता रहा हूं कि ये न होते, तो हमें आखिर कौन बताता कि किससे खतरा है? कितना खतरा है? कैसा खतरा है और क्यों खतरा है? मैं ऐसे लेखकों को हिम्मतवाला और अपना हीरो मानता हूं और ऐसी लेखिकाओं को भी वीरांगना व असली हीरोइन मानता हूं। मैं देखता हूं : उनकी नजर बेहद तेज है, वे सब कुछ पहले भांप लेते हैं कि यह होने वाला है और यह यह यह होगा। तीस-चालीस साल पहले भी कई लेखक अपने समय के सवालों से इसी तरह टकराया करते थे। उनको भी हर चीज में 'फासिज्म' नजर आता था और तब भी ऐसे लेखक कहा करते थे कि निरंकुशता का खतरा बढ़ रहा है, निरंकुशता आ चुकी है और जनतंत्र जा चुका है। वे हमें किसी बिजली इंस्पेक्टर जैसे नजर आते, जो वोल्टेज मापकर बताता कि अब वोल्टेज खतरे के निशान से ऊपर जा चुका है। जैसे तब 'खतरा एक्सपर्ट' नजर आते थे, वैसे ही अब भी नजर आते हैं, फर्क इतना है कि उनमें से ज्यादातर ने दिल्ली में अब अपने मकान बना लिए हैं, एनजीओ खोल लिए हैं, बच्चे पढ़-लिखकर अमरीकी हो चुके हैं, वे स्वयं विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ाने के लिए जब-तब आते-जाते हैं। दिल्ली की बौद्धिक 'मलाई की मलाई' कहलाते हैं, 'ग्लोबल बल' वाले हैं, बड़े 'नेटवर्क' वाले हैं, पर हैं असली खतरावादी! इसे देख कुछ लोग तो यह तक कहने लगे हैं कि यह जो खतरा है, अपने आप में डरपोक है, ऊपर से ही तगड़ा है, अंदर से बेदम है। वह अब गया, तब गया। यह फासिज्म भी अवसरवादी है। कभी नरम नजर आता है, कभी गरम। मैं आजकल पूछता रहता हूं- साथी, यह आपका फासिज्म भी कैसा फासिज्म है, जो गालियां खाकर भी आपसे कुछ नहीं कहता, वरना कोई 'फासिस्ट' कब इतनी सुनता है? सोचता हूं कि इस 'फासिज्म' का खतरा भी 'कित्ता सोणा' है कि उसके खतरे पर भी प्यार आता है। मुझे लगता है कि यह फासिज्म और उसका खतरा भी कहानी के उस लड़के की तरह है, जिसे एक भेड़िए से गांव को बचाने के लिए गांव वालों ने पहरेदार नियुक्त किया था कि जैसे ही रात को भेड़िया आए, वह गांव वालों को चिल्लाकर जगा दे और उसे पकड़ लिया जाए। लड़का मसखरा था, वह रात को मजे लेने के लिए अक्सर चिल्लाने लगता भेड़िया आया...भेड़िया आया...भेड़िया आया और जब गांव वाले आते, तो वह उन पर हंसने लगता। लेकिन जब एक रात सचमुच भेड़िया आया, तो फिर चिल्लाने वाला लड़का नहीं बचा।

कोई कहता है, संविधान जा रहा है, तो कोई कहता है कि संविधान को बचाना है... संविधान बचाओ! फिर एक दिन किसी लेखक ने कह दिया कि जो वहां हो रहा है, वह यहां भी हो सकता है। दूसरा भी ऐसा ही कहता दिखता है कि जो वहां, वहां और वहां हुआ, वह यहां भी हो सकता है और कभी भी हो सकता है। तीसरा कहता है, जो वहां हुआ, उससे भी ज्यादा बुरा यहां हो सकता है। चौथा कहता है कि यहां कुछ भी हो सकता है, कभी भी हो सकता है। ऐसे लेखकों को मैं अरसे से 'फॉलो' कर रहा हूं और हर बार उनकी दूरदृष्टि का कायल होता रहा हूं। हमारे आस-पास के खतरों के बारे में उनकी सजगता का लोहा मानता रहा हूं कि ये न होते, तो हमें आखिर कौन बताता कि किससे खतरा है? कितना खतरा है? कैसा खतरा है और क्यों खतरा है? मैं ऐसे लेखकों को हिम्मतवाला और अपना हीरो मानता हूं और ऐसी लेखिकाओं को भी वीरांगना व असली हीरोइन मानता हूं। मैं देखता हूं : उनकी नजर बेहद तेज है, वे सब कुछ पहले भांप लेते हैं कि यह होने वाला है और यह यह यह होगा। तीस-चालीस साल पहले भी कई लेखक अपने समय के सवालों से इसी तरह टकराया करते थे। उनको भी हर चीज में 'फासिज्म' नजर आता था और तब भी ऐसे लेखक कहा करते थे कि निरंकुशता का खतरा बढ़ रहा है, निरंकुशता आ चुकी है और जनतंत्र जा चुका है। वे हमें किसी बिजली इंस्पेक्टर जैसे नजर आते, जो वोल्टेज मापकर बताता कि अब वोल्टेज खतरे के निशान से ऊपर जा चुका है।

दृष्टि | कोण

पंजाब में बाढ़ आखिर क्यों – क्या प्रकृति रुष्ट है?

पंजाब जिसे देश की अन्नदाता भूमि कहा जाता है, आज बाढ़ की विभीषिका से बार-बार जूझ रहा है। खेत जलमग्न हो जाते हैं, गाँव डूब जाते हैं, सड़कें और मकान ढह जाते हैं। हर बार यह सवाल उठता है कि आखिर पंजाब में बाढ़ क्यों आती है? क्या यह केवल प्रकृति की रुष्टता है या फिर इसके पीछे कहीं न कहीं हमारी अपनी भूलें भी जिम्मेदार हैं? सच यह है कि प्रकृति कभी किसी से नाराज़ नहीं होती, वह केवल अपने नियमों और संतुलन के आधार पर काम करती है। जब हम इंसान उसकी मर्यादाओं को लांघते हैं, तो परिणाम हमें बाढ़, सूखा, प्रदूषण और आपदा के रूप में भुगतने पड़ते हैं। पंजाब की धरती पाँच नदियों की भूमि कहलाती है। सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम ने इस राज्य की पहचान बनाई। इनमें से अधिकांश नदियाँ हिमालय से निकलती हैं और मानसून के मौसम में बर्फ़ पिघलने व वर्षा के कारण जलस्तर अचानक बढ़ा देती हैं। नदियों की धाराएँ तेज़ होती हैं और जब वे मैदानों में प्रवेश करती हैं तो पानी फैलकर बाढ़ का रूप ले लेता है। भाखड़ा, पोंग और रणजीत सागर जैसे बड़े बांध भले ही बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई के लिए बने हों, लेकिन जब इनसे अचानक पानी छोड़ा जाता है तो आसपास के इलाके जलमग्न हो जाते हैं। यह प्राकृतिक कारणों के साथ-साथ प्रबंधन की कमी को भी उजागर करता है। पिछले कुछ वर्षों में मानसून का पैटर्न काफी बदल गया है। पहले जहाँ बरसात धीरे-धीरे और लंबे समय तक होती थी, अब अचानक भारी वर्षा कम समय में हो जाती है। इससे नदियों और नालों में पानी का दबाव तेजी से बढ़ता है और फ्लैश फ्लड जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। जलवायु वैज्ञानिक मानते हैं कि ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ना और ग्लोबल वार्मिंग इसका बड़ा कारण है। इससे हिमालयी ग्लेशियर तेज़ी से पिघल रहे हैं। परिणामस्वरूप गर्मियों और बरसात के मौसम में नदियों का जलस्तर अनियंत्रित ढंग से बढ़ जाता है। प्राकृतिक बाढ़ को विनाशकारी बनाने में सबसे बड़ी भूमिका इंसानी हस्तक्षेप की है। नदियों के किनारों और तलहटी में अंधाधुंध निर्माण कार्य हुए। गाँव और शहर नालों व पुरानी जलधाराओं पर बस गए। रेत और बजरी का अत्यधिक खनन नदियों की गहराई और धार बदल देता है। जब पानी का मार्ग रुकता है तो वह आसपास की बस्तियों में घुस आता है। पंजाब में ड्रेन और नहरों का जाल तो है लेकिन अधिकांश जगह इनकी सफाई व मरम्मत समय पर नहीं होती। नतीजतन बारिश का पानी निकलने की जगह वापस गाँव-शहरों में भर जाता है। इसके साथ ही धान जैसी फसलों ने भूजल का अत्यधिक दोहन किया। मिट्टी की जलधारण क्षमता कम हुई और प्राकृतिक जलसंचयन तंत्र टूट गया। पंजाब हरित क्रांति का केंद्र रहा। यहाँ गेहूँ और चावल की खेती ने देश को अन्न सुरक्षा दी, लेकिन इसके दुष्परिणाम भी सामने आए। धान की फसल पानी की अत्यधिक मांग करती है। हर साल लाखों ट्यूबवेल से भूजल निकाला गया। इससे भूमिगत जलस्रोत तेजी से सूख गए। जब ऊपर से भारी बारिश या बाढ़ आई तो जमीन उसे सोख नहीं पाई और जलभराव की समस्या बढ़ गई। वनों की कटाई और हरित क्षेत्र के सिकुड़ने से भी प्राकृतिक संतुलन बिगड़ा। नदियों के किनारे पेड़ों की जड़ें पानी को रोकती और मिट्टी को बांधती थीं, लेकिन अब कटान तेज़ हो गया है। पंजाब में बाढ़ केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक संकट भी है। हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो जाती हैं। किसान कर्ज़ में डूब जाते हैं। ग्रामीण आबादी बेघर हो जाती है और पलायन के लिए मजबूर होती है। सड़कों, पुलों और बिजली के ढांचे को भारी क्षति पहुँचती है। बीमारियों का प्रकोप फैलता है, खासकर डायरिया, मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियाँ। मानसिक आघात से समाज में असुरक्षा और हताशा की भावना पनपती है। वास्तव में प्रकृति का कोई भाव नहीं होता। वह केवल संतुलन चाहती है। जब हम उसकी मर्यादाओं का उल्लंघन करते हैं, तब वह चेतावनी के रूप में बाढ़, सूखा या आपदा के रूप में सामने आती है। इसलिए यह कहना कि प्रकृति नाराज़ है, सही नहीं है। सच तो यह है कि इंसान ने प्रकृति को नाराज़ करने लायक हालात पैदा कर दिए हैं। समाधान स्पष्ट हैं। नदियों के किनारे बाढ़ क्षेत्र को चिन्हित कर वहाँ निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। पुराने नालों और ड्रेनों की नियमित सफाई व चौड़ाई बढ़ाई जानी चाहिए। अवैध खनन पर सख्ती से रोक लगनी चाहिए ताकि नदियाँ अपने प्राकृतिक स्वरूप में बह सकें। धान के स्थान पर मक्के, दालों और सब्जियों की खेती को बढ़ावा दिया जाए, जिससे पानी की खपत कम होगी और भूजल का स्तर सुधरेगा। राज्य और केंद्र सरकार को मिलकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए दीर्घकालिक योजना बनानी होगी। साथ ही स्थानीय लोगों को बाढ़ से बचाव और प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित करना भी आवश्यक है। पंजाब में बाढ़ का संकट केवल प्राकृतिक कारणों से नहीं है। यह हमारी विकास नीतियों की असंतुलित दिशा का परिणाम है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे।परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। आज के दिन क़िस्मत आपका साथ देगी और आपको लाभ होगा, क्योंकि आप सही समय पर सही जगह उपस्थित होंगे। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने फ़ैसले बच्चों पर थोपना उन्हें नाराज़ कर सकता है। बेहतर होगा कि आप उन्हें अपना पक्ष समझाएँ, ताकि वे उसके पीछे की वजह को समझकर आपकी बात को आसानी से स्वीकार कर सकें। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए समय अनुकूल नहीं है आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा। आपके घर का कोई सदस्य आज आपके साथ वक्त बिताने की जिद कर सकता है जिसके कारण आपका कुछ समय खराब हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। लोगों और उनके इरादों के बारे में जल्दबाज़ी में फ़ैसला न लें। हो सकता है कि वे दबाव में हों और उन्हें आपकी सहानुभूति व विश्वास की ज़रूरत हो। लंबित व्यावसायिक योजनाएँ शुरू होंगी। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन बहुत लाभदायक नहीं है इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और जरूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। लगता है कि आपके विरष्ठ आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। आज आप अपने जी-वनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। निर्णय लेते समय अपने अहम को बीच में न आने दें, अपने कनिष्ठ सहकर्मियों की बात पर ग़ौर फ़रमाएँ। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

जरूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए नई चीज़ों को सीखने की आपकी ललक क़ाबिल-ए-तारीफ़ है। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 सितंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 01:33 तक
नक्षत्र : मृगशिरा प्रातः 07:32 तक
योग : व्यतिपात रात्रि 02:34 तक
करण : तैतिल दोपहर 02:17 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:18 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:20 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:13 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:09 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- सौभाग्यवतीनां श्राद्ध , नवमी का श्राद्ध

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नाइट ट्यूरिज्म और वाटर शो की संभावनाओं पर किया जाए काम : दिया कुमारी

उदयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री तथा वित्त, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण, कला, संस्कृति, साहित्य, और पुरातत्व, महिला एवं बाल विकास, बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी ने रविवार को उदयपुर प्रवास के दौरान कलक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभिन्न बजट घोषणाओं, विभागीय योजनाओं आदि की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सार्वजनिक निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग तथा महिला एवं बाल विकास की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि विकास कार्यों को समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराएं तथा जहां आवश्यक हो वहां विशेषज्ञों की भी सेवाएं ली जाएं। उन्होंने जिले में गारंटी अवधि की सड़कों को संवेदकों के माध्यम से समय पर दुरूस्त कराने तथा नहीं होने पर संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने उदयपुर में सिंगापुर और दुबई की तर्ज पर वाटर बॉडीज पर लाइट एण्ड साउण्ड शो अथवा वाटर शो की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने जनजाति एवं दुरस्त क्षेत्रों से अन्य राज्यों में माइग्रेट होने वाले आंगनवाड़ी के बच्चों को संबंधित राज्य के आंगनवाड़ी केंद्रों से जोड़कर लाभान्वित करने की संभावना पर भी कार्य करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गति लाने के साथ-साथ जनहित की योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र में सुधार की संभावनाओं पर भी चर्चा की और महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़े मुद्दों की प्रगति पर विशेष ध्यान देने को कहा।

उप मुख्यमंत्री ने उदपपुर जिला कलक्टर एवं जिला प्रशासनिक कार्यप्रणाली की सराहना की और कहा कि जिले में विकास के कार्य द्रुतगति एवं समयबद्ध रूप से संपादित किए जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि निरंतर समीक्षा एवं समयबद्ध क्रियान्वयन से आमजन का विश्वास और मजबूत बनाने के लिए कार्य किया जाए।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ने सार्वजनिक

निर्माण विभाग से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभागीय कार्यों की मोनिटरिंग के लिए अपनाए गए सेवा ऐप से जिला प्रशासन को भी जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सिर्फ विभाग के अधिकारी जुड़े हुए हैं। जिला प्रशासन के जुड़ने से धरातल स्तर पर कामों की बेहतर मोनिटरिंग हो सकेगी।उन्होंने बजट घोषणा के कामों की प्रगति जानी। साथ ही गारंटी अवधि की सड़कों के क्षतिग्रस्त होने पर उन्हें संवेदक के माध्यम से यथाशीघ्र दुरस्त कराने के भी निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सभी सड़कों की आगामी दीपावली से मरम्मत सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जिला कलक्टर नमित मेहता को विभिन्न विकास कार्यों में वन विभाग की एनओसी से जुड़े इशू को विशेष संज्ञान में रखते हुए निस्तारित कराने के भी निर्देश दिए।

पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उदयपुर में नाइट ट्यूरिज्म और वाटर शो की संभावनाओं पर काम किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से उदयपुर देश-विदेश में प्रसिद्ध है। यहां की झीलें और प्राकृतिक वातावरण अनुपम है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यहां लाइट एण्ड वाटर शो की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। साथ ही उन्होंने झीलों और पर्यावरण के संरक्षण को सर्वापरि रखते हुए कार्य करने के भी निर्देश दिए।

बजट घोषणा कार्यों पर चर्चा करते हुए उन्होंने ट्राइबल ट्यूरिज्म सर्किट में जनजाति समुदाय से जुड़े स्थलों को शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उन स्थलों तक पहुंच सुलभ हो सके और वहां आने वाले लोगों को सामान्य सुविधाएं उपलब्ध हों यह ध्यान रखते हुए कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने महाराणा प्रताप ट्यूरिस्ट सर्किट की प्रगति की भी जानकारी ली। साथ ही जल्द ही इस प्रोजेक्ट के शिलान्यास के भी संकेत दिए। उन्होंने बजट घोषणाओं में शामिल विभिन्न मंदिरों तथा जियोलॉजिकल साइट जावर व झामरकोटड़ा आदि के कामों में देवस्थान विभाग, पुरातत्व विभाग सहित अन्य विशेषज्ञों की सेवाएं लेने के लिए भी निर्देशित किया।उपमुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं और कार्यों की भी समीक्षा की।

राजस्थान विधानसभा में कैमरे को लेकर जोगाराम पटेल बोले

विपक्ष के पास नहीं बचा कोई मुद्दा

जोधपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर सर्किट हाउस में जनता की समस्याएं सुनीं इस दौरान प्रेसवार्ता में कैबिनेट मंत्री ने विधानसभा में लगे कैमरों को लेकर विपक्ष के आरोपों को सिरे से नकार दिया। जोगाराम पटेल ने कहा, न तो विधानसभा में कैमरे बढ़ाए गए हैं, न ही महिलाओं पर कोई कैमरे लगाए गए हैं। जब से विधानसभा भवन बना हुआ है, तब से कैमरे यहां लगे हुए हैं। समय को देखते हुए बस कुछ नए कैमरे लगाए गए हैं जो हाई डेफिनेशन के हैं और पुराने को निकाल दिया गया है।

जोगाराम पटेल ने कहा कि इस पूरे मामले को लेकर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है। इसके बाद भी विपक्ष जिस तरह के आरोप लगातार लगा रहा है, वह निंदनीय है। उन्होंने कहा

कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है और इसी वजह से वे इस तरह के गलत आरोप लगा रहे हैं। अगर विपक्ष इतना ही सही है तो वह विधानसभा के फ्लोर में ऐसे मुद्दे उठाता। वे मुद्दे इतिहास में भी दर्ज होते और उन पर कार्रवाई भी होती।जोगाराम पटेल ने आगे कहा कि विपक्ष विधानसभा में जनता के मुद्दे नहीं उठा रहा है। लोगों को गुमराह करने के लिए आरोप लगा रहा है। उनके पास अब कोई मुद्दा ही नहीं बचा है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा जब-जब चली है, कांग्रेस के बड़े नेता सदन में नहीं आए। कांग्रेस लगातार आपसी फूट के चलते और अखबारों की सुर्खियां बटोरने के लिए इस तरह के काम कर रही है, लेकिन वह कामयाब नहीं होंगे। जनता कांग्रेस को पहचान चुकी है। जोगाराम पटेल ने कहा कि राजस्थान में अनेक मुख्यमंत्री रहे हैं, लेकिन सबसे ज्यादा भजन लाल शर्मा ही विधानसभा में सक्रिय हैं। वे एक-दो दिन छोड़कर हमेशा विधानसभा की कार्यवाही में भाग लेते हैं। मुख्यमंत्री की सक्रियता से विपक्ष परेशान हो गया है और इस तरह के बयान दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष किसी पक्ष का नहीं होता। वह दोनों पक्षों की बात सुनता है। विपक्ष जिस तरह से विधानसभा अध्यक्ष पर आरोप लगा रहा है, वह गलत है। हम लोग इसकी निंदा करते हैं।

खेल को खेल की भावना तक सीमित रखें विपक्ष: गजेंद्र सिंह शेखावत

जोधपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को प्रवास दौरे पर जोधपुर पहुंचे, जहां उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का विरोध कर रहे विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि खेल को खेल की भावना तक सीमित रखना चाहिए। इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, भारत आर्थिक विकास और घरेलू पर्यटन में तेजी का अनुभव कर रहा है। यह भारत भ्रमण के प्रति बदलते वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजी में कहावत है पॉलिसी एंड प्रोटोकॉल। इंटरनेशनल प्लेटफार्म पर खेलना व संवाद करना हम खेल से आगे बढ़कर भी कर सकते हैं। कल ओलंपिक खेल होंगे, एशियाई खेल होंगे। खेल को खेल की भावना से देखना चाहिए। गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, हमने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में एक पोर्टल लॉन्च किया है। अब तक इस पोर्टल पर दो लाख डिजिटल पांडुलिपियां उपलब्ध हैं और जल्द ही यह संख्या दस लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। हमने इन पांडुलिपियों को रखने वाले सभी संरक्षकों, जिनमें मठ, मंदिर, विभिन्न संगठन, धार्मिक ट्रस्ट, विश्वविद्यालय और अभिलेखागार शामिल हैं, सभी के साथ सहयोग किया है।

कांग्रेस पूरे देश में चलाएगी 'वोट चोर गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान : सुरा

लालसोट, 14 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश यूथ कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर सुरा ने उपखंड मुख्यालय के खंडेलवाल धर्मशाला में आयोजित आमसभा को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर कांग्रेस समर्थित मतदाताओं के नाम हटाने और वोट चोरी की साजिश कर रही है। सुरा ने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की वोट चोरी या गलत कार्यवाही को कांग्रेस विफल करने में पीछे नहीं रहेगी।

सुरा ने बताया कि इस साजिश को रोकने के लिए कांग्रेस ने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए हैं। ये बीएलए सुनिश्चित करेंगे कि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो और कांग्रेस समर्थित किसी भी मतदाता का नाम गलत तरीके से न हटाया जाए। उन्होंने युवाओं और कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे गांव-गांव और ढाणी-ढाणी जाकर आम जनता को जागरूक करें और इस अभियान को सफल बनाएं।सुरा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आम आदमी के वोट की सुरक्षा और

लोकतंत्र की रक्षा के लिए पूरे देश में अभियान चलाया है। इसी क्रम में 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक 'वोट चोर गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान पूरे देश में चलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि यह सिर्फ एक अभियान नहीं बल्कि लोकतंत्र और आम जनता के हक की रक्षा का संघर्ष है। उन्होंने आगामी निकाय और पंचायत राज चुनाव में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने पर जोर दिया। सुरा ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है, इसलिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का काम हर स्तर पर संगठन को मजबूत करना और जनता तक पार्टी की सशक्त आवाज पहुंचाना है। उन्होंने 16 सितंबर को लालसोट में आयोजित संविधान बचाओ रैली में अधिक से अधिक भागीदारी दिखाने का भी आह्वान किया। सभा में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य कमल मीणा, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष दीपक पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस दीपक पुरोहित, श्यामसुंदर मिश्रा एडवोकेट ,चंद्रशेखर जांगिड़ हेमराज मीणा, प्रद्युमन सिंह,एडवोकेट सूरज सैनी, सुनील चतुर्वेदी, हरकेश शाहपुरा, यूथ विधानसभा अध्यक्ष कमल राड़ा समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे। सुरा ने सभा में लालसोट में फैले भ्रष्टाचार, जिम्मेदारीहीन शासन और अन्य स्थानीय मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कांग्रेस ही जनहित की सशक्त आवाज है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वह पार्टी के संदेश और राहुल गांधी की आवाज को हर गांव और हर ढाणी तक पहुंचाएं और जनता के हक के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।

समाज में अच्छे कार्य की सराहना जरूरी, इससे सेवा करने की प्रेरणा मिलती है: अनिल विज

अंबाला, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि समाज में अच्छा काम करने वालों की सराहना करना अति आवश्यक है क्योंकि ऐसे मददगार लोगों को प्रोत्साहन मिलता है और दूसरों को भी समाज सेवा करने के लिए प्रेरणा मिलती हैं। एक मीडिया हाउस द्वारा आयोजित कार्यक्रम के लिए विज ने कहा कि आज अम्बाला के योद्धाओं, जिनमें चिकित्सकों के साथ-साथ अन्य शामिल है, उन्हें सम्मान देने के लिए आयोजन किया जा रहा है उसके लिए वे मीडिया हाउस के पदाधिकारियों को सेल्यूट करते हैं। विज ने यह अभिव्यक्ति अंबाला के किंगफिशर पर्यटक स्थल में आयोजित उत्कृष्ट सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कहीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप शिखा प्रज्वलित करके किया गया। इस मौके पर उनके साथ मेयर शैलजा सचदेवा भी मौजूद रहीं।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने इस मौके पर हिन्दी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि बहुत सारे दुनिया में ऐसे लोग होते हैं जो व्यवसाय करने के साथ-साथ समाज को रास्ता दिखाने का, समाज का भला करने का, समाज का कल्याण करने का काम करते है। यह समूह भी इसी कड़ी में शामिल हैं। उन्होंने इस मौके पर यह भी कहा कि किसी भी कार्यक्रम की शुरूआत दीपक प्रज्वलित करके होती है। दीपक जलने का अर्थ यह बताता है कि रोशनी करने के लिए इसकी बाती को जलना पड़ता है और तब तक दीए में तेल होता है, यहीं जीवन का सार है। इसका मतलब यह है कि हमें समाज सेवा क्षेत्र में निः स्वार्थ कार्य करके जरूरमंद लोगों की मदद करनी चाहिए।

विज ने इस मौके पर यह भी कहा कि हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाना काफी सराहनीय है।

भाजपा ने पीसी सैनी को बनाया नेक्सट-जेन जीएसटी का जिला संयोजक

गुरुग्राम, 14 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने गुरूग्राम भाजपा जिला मंत्री एडवोकेट प्रकाश चन्द सैनी को नेक्सट- जेन - जीएसटी कार्यक्रम के लिए जिला संयोजक के प्रमुख दायित्व पर नियुक्त किया गया है। वहीं पुरु आजाद, जसबीर यादव और संदीप तंवर को सदस्य नियुक्त किया गया है।

सैनी ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, संगठन व गुरूग्राम भाजपा जिलाध्यक्ष सर्व प्रिय त्यागी का इस प्रमुख दायित्व की जिम्मेदारी देने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया है।

पीसी सैनी ने कहा कि नेक्सट-जेन जीएसटी पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि जीएसटी अर्थात गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स भारत की कर प्रणाली में एक महत्वपूर्ण सुधार है। जिसने देश की आर्थिक विकास दर को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि अब, सरकार नेक्स्ट-जेन जीएसटी की ओर बढ़ रही है, जो जीएसटी प्रणाली को और अधिक कारगर और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।सैनी ने कहा कि नेक्सट-जेन जीएसटी में ऑटोमेटेड कर निर्धारण की सुविधा होगी, जिससे करदाताओं को अपने करों का भुगतान करने में आसानी होगी। इसमें वास्तविक समय में डेटा विश्लेषण की सुविधा होगी, जिससे कर अधिकारियों को कर चोरी का पता लगाने और उसे रोकने में मदद मिलेगी।

शतरंज से होगी नशे पर सर्जिकल स्ट्राइक!

अंबाला पुलिस की अनोखी पहल ऑपरेशन मैदान

अंबाला, 14 सितंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के बढ़ते चलन और डिजिटल युग में जहां युवा पीढ़ी खेलों और मैदान से दूर होती जा रही है, वहीं नशे की गिरफ्त में आने की प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ रही है। इस चुनौती से निपटने के लिए अंबाला पुलिस ने 'ऑपरेशन मैदान' नामक एक अनूठी पहल शुरू की है, जिसकी शुरुआत शतरंज प्रतियोगिता से हुई।

इस अभियान की शुरुआत अंबाला के एसपी अजीत सिंह शेखावत ने की। उन्होंने पहले दिन शतरंज प्रतियोगिता का उद्घाटन किया, जिसमें अंडर-13, अंडर-17 और ओपन कैटेगरी के तहत दो दिवसीय मुकाबले आयोजित किए जा रहे हैं। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर करना और खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

प्रतियोगिता में 300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिन्होंने अलग-अलग स्कूलों से आकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पहले दिन तीन राउंड कराए गए, जबकि रविवार को चार राउंड (अनुमानित) कराए जाएंगे। समापन पर विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

एसपी अजीत सिंह शेखावत ने कहा कि अंबाला पुलिस सिर्फ कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देने के लिए भी प्रतिबद्ध है। शतरंज जैसे खेल युवाओं को सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करते हैं। हम चाहते हैं कि युवा खेलों के ज़रिए अपने व्यक्तित्व का विकास करें और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहें। उन्होंने बताया कि नशा तस्करों के खिलाफ अब तक 100 से अधिक मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं और उन्हें जेल भेजा गया है। इसके अलावा, एक विशेष टीम घर-घर सर्वे कर नशे के शिकार लोगों का इलाज करवा रही है। एसपी शेखावत ने इस आयोजन में सहयोग देने के लिए स्कूलों के प्रधानाचार्यों, सामाजिक संस्थाओं, युवाओं और बच्चों का आभार व्यक्त किया और कहा कि हमें मिलकर इस नशे के दानव से लड़ना होगा। यही अभियान हर गली-मोहल्ले तक पहुंचेगा।

योगी आदित्यनाथ के शहर गोरखपुर में है धंधे का अड्डा

कानपुर के सस्ते नमक को टाटा-नमक बना कर बेचते हैं

पीने के पानी में भी करते हैं खतरनाक मिलावट

गोरखपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर से सस्ता नमक लाकर केमिकल से उसे टाटा-नमक बना कर बाजार में बेच देते हैं। प्रति पैकेट 12-15 रुपए के मुनाफे के चक्कर में धंधेबाज सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। दूसरी तरफ पीने के पानी में भी मिलावट की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शहर गोरखपुर में नमक की री-पैकिंग का खेल लंबे समय से चल रहा है। कानपुर से थोक में पिसा हुआ सस्ता नमक यहां लाया जाता है और यहां उसे नामी-गिरामी ब्रांड के पैकेट में पैक कर बाजार में खपा दिया जाता है।

नमक में नमी रोकने के लिए एंटी केकिंग एजेंट के तौर पर पोटेशियम फेरोसायनाइड मिलाया जाता है। इससे नमक फ्री फ्लो हो जाता है। 12-15 रुपये प्रति पैकेट के मुनाफे के चक्कर में धंधेबाज लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय से ऐसा नमक खाने से लिवर खराब हो सकता है। गोरखपुर के नौसड़, ट्रांसपोर्ट नगर और लालडिग्गी इलाके के कुछ घरों में चोरी-छिपे चल रहा है। बाजार के जानकारों के मुताबिक, थोक में सस्ता नमक लाने के बाद उसे ब्रांडेड पैकेट में भरा जाता है। इस खेल में प्रति पैकेट करीब 12 से 15 रुपये तक का मुनाफा होने के कारण इसमें शामिल लोग जोखिम उठाने से भी पीछे नहीं हटते।

दिल्ली से लाए गए रैपर में स्थानीय स्तर पर बनाई गई नकली पैकिंग इतनी सटीक होती है कि पहली नजर में ग्राहक को असली और नकली में फर्क करना मुश्किल हो जाता है। खासतौर पर ग्रामीण इलाकों और छोटे दुकानदारों तक ये नकली पैकेट बड़ी आसानी से पहुंच जाते हैं। उपभोक्ताओं को न केवल ठगी का शिकार होना पड़ता है, बल्कि स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ने का खतरा बना रहता है। क्योंकि बिना किसी जांच-पड़ताल और गुणवत्ता मानक के यह नमक पैक किया जाता है।

त्यौहार और शादियों के सीजन में इस नकली पैकेट वाले नमक की मांग और भी बढ़ जाती है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बीते जनवरी में नौसड़ में संचालित एक नमक की फैक्टरी पर छापा मारकर कुछ सैंपल भी लिए थे। जिला अस्पताल के डॉक्टर प्रशांत अस्थाना ने कहा, नमक स्वाद नहीं सेहत के लिए जरूरी है। पैक्ड नमक में अलग से मिलाए गए तत्व हानिकारक होते हैं। एंटी केकिंग एजेंट, सोडियम की अधिक मात्रा ब्लड प्रेशर को बढ़ा देता है। लंबे समय तक इसके प्रयोग से गुर्दे पर असर पड़ता है।

मोटे मुनाफे के लिए धंधेबाज पानी में भी मिलावट कर लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं। शहर में शुद्ध पानी के नाम पर हो रहा धंधा सेहत के लिए खतरा बनता जा रहा है। रेलवे स्टेशन, मोहल्लों और दुकानों तक जो पानी जार, बोतल या पैकेट में मिल रहा है, उसकी कोई जांच नहीं होती। इसका फायदा धंधेबाज उठा रहे हैं। रेलवे स्टेशन के सामने की दुकानों पर रोजाना ऑटो से बोतलबंद पानी उतरता है। इसे प्लेटफार्म और ट्रेनों में बेच दिया जाता है। जबकि रेलवे स्टेशन पर कुछ चुनिंदा ब्रांड का ही पानी बेचने की अनुमति है। शहर में पिछले छह महीने में हुई अलग-अलग जांच में पर्दाफाश हुआ कि बोतलबंद और पैकेट वाले पानी में आवश्यक खनिज तत्व नहीं हैं। पैक्ड पानी के नमूनों में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मौजूदगी की पुष्टि हुई है।

इस बैक्टीरिया की वजह से पेट से संबंधित गंभीर बीमारियां होती हैं। इससे पहले जांच में केवल क्लोरीन मिलने की बात सामने आई थी, लेकिन अब बैक्टीरिया की मौजूदगी ने खतरे को और बढ़ा दिया है। इसके बावजूद शुद्ध पानी के नाम पर हर दिन शहर में करीब 20 लाख लीटर पानी की सप्लाई आरओ प्लांट के जरिए हो रही है। गीडा स्थित पैकेज्ड वाटर यूनिट संचालक पुनीत श्रीवास्तव के अनुसार, गीडा व शहर में लगे प्लांटों से प्रतिदिन करीब चार लाख बोतल पानी बाजार में जाता है। इसके अलावा डेढ़ लाख बोतलें बहुराष्ट्रीय कंपनियों की ओर से सप्लाई होती हैं। इतना ही नहीं, शहर में 10 से अधिक अवैध पैकेजिंग प्लांट भी सक्रिय हैं, जहां बिना मानक पालन किए बोतल और पैकेट में पानी भरकर सीधे दुकानों और ग्राहकों तक पहुंचाया जा रहा है।

पिछले दिनों गोरखनाथ क्षेत्र समेत कई इलाकों में पैकेट और बोतल वाले पानी के नमूने लिए गए। इनमें से दो नमूनों की रिपोर्ट अधोमानक आई। सूत्रों का कहना है कि इन नमूनों में सिर्फ क्लोरीन पाया गया, जबकि आवश्यक खनिज तत्व नदारद थे। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने आठ पंजीकृत कारखानों से 10 नए नमूने लिए हैं और इन्हें विशेष जांच के लिए भेजा है। विभागीय अधिकारी मानते हैं कि यह जांच शहर में बिकने वाले पानी की असली तस्वीर सामने लाएगी।

शहर में करीब 600 आरओ प्लांट संचालित हो रहे हैं। इनमें से अधिकांश किसी विभाग में पंजीकृत हैं और न ही इनके पानी की नियमित जांच होती है। हर प्लांट से औसतन 2000 लीटर से अधिक पानी रोज बेचा जाता है। इस हिसाब से देखें तो हर दिन करीब 12 लाख लीटर पानी तो केवल इन प्लांटों से ही घर-घर जा रहा है, जिनकी कोई जांच नहीं होती। हालात ये हैं कि कई संचालक अब ऑटो पर 1000 लीटर की टंकी रखकर मोहल्लों में घूम-घूमकर पानी बेचते हैं। जबकि नियम यह है कि पानी सील जार में ही उपलब्ध कराया जाएगा और उस पर निर्माता का नाम, उत्पादन तिथि और घुलनशील तत्वों की जानकारी अंकित होगा लेकिन ऐसा कहीं नहीं हो रहा।

पानी का धंधा मोहल्लों से लेकर रेलवे स्टेशनों तक फैला है। स्टेशन के गेट नंबर तीन के सामने चाय की एक दुकान के पास हर दिन ऑटो से पानी की बोतलें उतारी जाती हैं। यहां दो घंटे तक इन बोतलों को डीप फ्रीजर में रखा जाता है। इसके बाद पानी की बोतलें प्लेटफार्म नंबर एक से लेकर नौ तक पहुंचा दी जाती हैं। ट्रेन आने के वक्त इन्हें प्लेटफार्म व फुट ओवरब्रिज पर कहीं किनारे रखा जाता है और जैसे ही ट्रेन चलने लगती है, इसको बोगियों में रखवा दिया जाता है। रास्ते में भी यात्रियों को बिना जांच वाला पानी पीने को मिलता है। कई बार जांच में ऐसा पकड़ा भी जा चुका है लेकिन धंधे पर रोक नहीं लग पा रही है।

भारत-पाकिस्तान मैच का विरोध करने पर ठोक दिया मुकदमा

शहीदों का खून सूखा नहीं और हम पाकिस्तान से खेल रहे क्रिकेट

लखनऊ/मुरादाबाद, 14 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के साथ होने वाले क्रिकेट मैच के खिलाफ प्रदर्शन करने और बीसीसीआई का पुतला फूंकने पर योगी प्रशासन ने 10 युवकों पर मुकदमा ठोक दिया। ये सभी युवक लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र बताए गए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीसीसीआई के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे 10 युवकों के खिलाफ हसनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार पांडेय ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय छात्र पंचायत संगठन से जुड़े छात्रों ने लखनऊ विश्वविद्यालय के गेट-3 के पास भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर बीसीसीआई के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला फूंका था। इस मामले में चौकी इंचार्ज लविवि शिशिर कुमार सिंह की तहरीर पर शिवम पांडेय, अमन बहादुर, हिमांशु तिवारी, अमन पटेल, रूद्र प्रताप सिंह, प्रियांशु पांडेय, अभय वर्मा, अंकित निषाद, विवेक पांडेय, अमन यादव, और चार-पांच अज्ञात युवकों के खिलाफ हसनगंज थाने में बीएनएस की धारा 223 (लोक सेवक द्वारा जारी किए गए विधिवत आदेशों की अवज्ञा) के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस धारा के तहत आरोपी को छह महीने तक का कारावास या 2,500 रुपये तक का जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। अगर उल्लंघन से मानव जीवन, स्वास्थ्य या सुरक्षा को खतरा होता है, तो उसे एक साल तक का कारावास और 5,000 तक का जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं।

उधर मुरादाबाद में सपा सांसद एसटी हसन ने भारत-पाकिस्तान मैच का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले में 26 लोगों की शहादत के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना शहीदों का अपमान है। सपा सांसद ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की जान गई, कई परिवार तबाह हो गए। उनके आंसू अभी सूखे भी नहीं हैं और हम पाकिस्तान के साथ दोस्ताना मैच खेल रहे हैं। सपा सांसद ने कहा कि आतंकवादी कहां से आते हैं, यह सबको पता है। जो देश हमारे शहीदों का खून बहा रहा है उसके साथ खेलना सही नहीं है। मैच दोस्तों के साथ खेले जाते हैं, दुश्मनों के साथ नहीं। उन्होंने सरकार से मांग की कि देश की भावनाओं का सम्मान करते हुए पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच न खेला जाए।

यूपी में सरसों की पैदावार बढ़ाने पर जोर

किसानों को नि:शुल्क मिलेगा सरसों का बीज

बरेली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली जिले में किसानों को सरसों का बीज निशुल्क मिलेगा। इसके लिए किसानों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। पात्र पाए जाने पर एक एकड़ खेत के लिए दो किलो सरसों का बीज दिया जाएगा। बरेली जिले में सरसो के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर है। इसके लिए पात्र प्रत्येक किसान को एक एकड़ फसल के लिए दो-दो किग्रा की मिनी बीज किट बांटे जाएंगे। यह बीज किट निःशुल्क होंगे। बीज किट का वितरण 25 सितंबर के बाद से होगा। यह जानकारी जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने दी।

उन्होंने बताया कि जिले में 10,400 किसानों को निशुल्क सरसों मिनी किट बांटने का लक्ष्य मिला है। लेकिन, यह लाभ उन्हीं किसानों को मिलेगा, जिन्होंने 25 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन के आधार पर होगा। किसानों को कृषि विभाग की वेबसाइट पर विवरण दर्ज करना होगा।

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि योजना का प्रचार-प्रसार करने के लिए विभाग के कर्मचारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही ब्लॉकों पर स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार के प्रभारी भी किसानों को सरसों मिनी किट के संबंध में ऑनलाइन आवेदन करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। पिछले वर्ष विकास खंडों के माध्यम से ऑफलाइन मिनी किट का वितरण किया गया था। उन्होंने बताया कि किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में सरसो की पैदावार बढ़ाने के लिए मिनी किट देने की व्यवस्था की गई है। पंजीकरण के दौरान किसानों को अपना नाम, पता, आधार नंबर, मोबाइल नंबर और भूमि का विवरण भरना होगा। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विभाग की ओर से आवेदनों की जांच की जाएगी और पात्र किसानों को मिनी किट बांटी जाएगी।

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि पिछले वर्ष ऑफलाइन वितरण में कई किसानों ने शिकायतें दर्ज कराई थीं, इसके बाद विभाग ने इस बार ऑनलाइन पंजीकरण कराने वाले किसानों को ही निःशुल्क रूप से सरसों बीज की मिनी किट देने का निर्णय हुआ है। इसलिए किसानों को बताया गया है कि वह लोग समय रहते ऑनलाइन आवेदन करें।

भाजपा नेता संगीत सोम ने कहा

बाबर काल से भी ज्यादा खराब था सपा का कार्यकाल

मेरठ, 14 सितंबर (एजेंसियां)। दौराला कस्बे में रविवार को ब्राह्मण समाज के सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें सरधना के पूर्व विधायक ठाकुर संगीत सोम ने कहा कि वह जातियों को लड़ाने का काम भी नहीं करते और सबके काम कराते हैं। संगीत सोम ने कहा कि सपा कार्यकाल में वह बोलते भी थे और संघर्ष भी करते थे। मुझे साढ़े तीन महीने तक जेल में रखा गया। सपा सरकार का कार्यकाल बाबर और अकबर के जमाने से भी खराब था।

संगीत सोम ने कहा कि वह 18 साल से जनता के बीच में हैं। वह कभी समाज से नाराज नहीं हो सकते। उन्होंने 10 साल में काफी कार्य कराए और अब हार के बाद भी कार्य करा रहे हैं। वह मुसलमानों के खिलाफ नहीं हैं।

उनके पास आज भी मुस्लिम लोग आते हैं, जिनके वह कार्य कराते हैं। वह केवल देश व प्रदेश में अराजकता फैलाने और माहौल खराब करने वालों का विरोध करते हैं। सोम ने कहा कि हमारे परिवार ने हमें यह संस्कार दिए हैं कि कोई भी शुभ कार्य करो, तो ब्राह्मण का आशीर्वाद लेकर करो। यह लोकतंत्र है, कोई कहीं भी वोट दे सकता है। यदि सभी एक जगह वोट देने लगे तो चुनाव ही नहीं होंगे। उन्होंने ब्राह्मण समाज के लोगों से कहा कि चाहे जो हो जाए, वह कभी भी जातियों को लड़ाने का कार्य कभी नहीं करेंगे।

संगीत सोम ने कहा कि भाजपा सरकार में आज गुंडे माफिया प्रदेश से बाहर हैं। कानून व्यवस्था मजबूत है। विपक्ष समाज की बात करता है लेकिन राजू पाल की पत्नी को यह कहने पर पार्टी से बाहर कर दिया कि उन्हें न्याय मिल गया। इस दौरान नवीन शर्मा, मनोज चिरौड़ी, मनोज भारद्वाज, नितिन शर्मा, अशोक, रामकुमार, अनिल, सोनू आदि मौजूद थे।

अहमदाबाद की तरह का हो सकता था हादसा

पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकी दुर्घटना

लखनऊ, 14 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ एयरपोर्ट पर रविवार को एक बड़ा हादसा टल गया। लखनऊ से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट को टेकऑफ के तुरंत बाद ही रनवे पर रोकना पड़ा। बुद्धिमान पायलट ने अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए, जिसकी वजह से यात्रियों में हड़कंप मच गया।

लेकिन पायलट ने सभी यात्रियों की जान बचा ली। उसी फ्लाइट में सपा नेता अखिलेश यादव की पत्नी सांसद डिंपल यादव भी सवार थीं। विमान पर कुल 151 यात्री भी सवार थे।

टेकऑफ के लिए विमान रनवे पर दौड़ चुका था, लेकिन पायलट को पता चल गया कि इंजन को पर्याप्त थ्रस्ट नहीं मिल पा रहा है। इसी वजह से इमरजेंसी ब्रेक लगाए गए और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अभी यात्रियों को दूसरे विमान से दिल्ली रवाना कर दिया गया। इस घटना ने एक बार फिर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद में एयर इंडिया का जो विमान क्रैश हुआ था, उसमें भी हादसे का मुख्य कारण यही माना गया था कि इंजन को पर्याप्त थ्रस्ट नहीं मिल पाया। अब वैसी ही स्थिति लखनऊ के एयरपोर्ट पर देखने को मिली। डीजीसीए ने इस घटना का संज्ञान ले लिया है और इंडिगो से जवाब मांगा है।

69000 शिक्षक अभ्यर्थियों ने लगाई सरकार से गुहार

23 तारीखों के बाद भी सुप्रीम कोर्ट नहीं कर रही सुनवाई

लखनऊ, 14 सितंबर (एजेंसियां)। लंबे समय से संघर्ष कर रहे 69000 शिक्षक अभ्यर्थियों ने रविवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या से मुलाकात की और न्याय की मांग की। केशव मौर्य ने आश्वासन दिया है कि वे विभागीय अधिकारियों से बात करेंगे। अभ्यर्थियों ने उप मुख्यमंत्री को बताया कि 69000 शिक्षक भर्ती का प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में एक साल से चल रहा है। इसमें 23 बार डेट लग चुकी है, मगर सरकारी अधिवक्ता आज तक उपस्थित नहीं हुए। छात्रों ने मांग की कि आगामी डेट पर सरकारी अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट में उपस्थित होकर उचित पैरवी करें ताकि हमें न्याय मिल सके।

अभ्यर्थियों का नेतृत्व कर रहे धनंजय गुप्ता ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों की लापरवाही से हमारा प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में लटका हुआ है। हम राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग से जीत चुके हैं। हाईकोर्ट से जीत चुके हैं। फिर भी लग लोगों को न्याय नहीं दिया जा रहा है।वहीं विक्रम यादव ने कहा कि समय रहते अगर हमारी बातें नहीं सुनी जाती है तो हम एक बार फिर से लखनऊ में आंदोलन को मजबूर होंगे। उप मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले में अमित मौर्या भी शामिल थे।

श्रेयस की कप्तानी में 16 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मुकाबले में उतरेगी भारत ए टीम

लखनऊ,14 सितंबर (एजेंसियां)। यहां के इकाना स्टेडियम में भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए टीमों के बीच इसी माह में दो चार दिवसीय क्रिकेट मुकाबले खेले जाएंगे। इसका पहला मुकाबला 16 सितंबर से शुरु होगा। इन मुकाबलों के लिए इकाना स्टेडियम तैयार है। इन मैचों में भारत ए की कप्तानी श्रेयस अय्यर के पास रहेगी। इन मैचों में शामिल खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करेंगे। इसमें श्रेयस के अलावा मोहम्मद सिराज और के एल राहुल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। भारत की ए टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ी शामिल हैं। दोनो ही टीमों में शामिल कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में रहे हैं, जिससे इस सीरीज में शीर्ष स्तर का क्रिकेट देखने को मिलेगा। ऐसे में ये सीरीज क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक शानदार अनुभव होगी यह सीरीज न केवल खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका है, बल्कि राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के लिए भी एक अवसर है कि वे भविष्य की भारतीय टीम के लिए नए सितारों की खोज कर सकें। श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबले राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह बना सकते हैं पर इसके लिए उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारत ए टीम

इस टीम के ऐलान के बाद ये भी रेखांकित किया गया है कि केएल राहुल और मोहम्मद सिराज को दूसरे बहु-दिवसीय मैच के लिए टीम में शामिल किया जाएगा और वे पहले बहु-दिवसीय मैच के बाद टीम में शामिल दो खिलाड़ियों की जगह लेंगे.

ऑस्ट्रेलिया ए टीम

जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, जैक एडवर्ड्स, आरोन हार्डी, कैंपबेल केलावे, सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, फर्गस ओनील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियोली, लियाम स्कॉट।

एएफसी महिला एशियाई कप आसान नहीं रहेगा: स्वीटी

उदयपुर। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य अगले साल होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। स्वीटी के अनुसार एशियाई कप में मुकाबले आसान नहीं रहेंगे। उसे इसमें जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे जैसी मजबूत टीमों के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। ऐसे में टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी के लिए उसे इससे पहले होने वाले दोस्ताना मैच में मेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

लक्ष्य हॉन्ग कॉन्ग ओपन के फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के लक्ष्य सेन ने हॉन्ग कॉन्ग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। लक्ष्य ने पुरुष एकल में विश्व के नौवे नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपै के चोउ तियेन चेन को करीब एक घंटे तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 23-21, 22-20 से हराया। लक्ष्य करीब दो साल बाद किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं। उन्होंने पिछली बार जुलाई 2023 में कनाडाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी। लक्ष्य का सामना अब चीन के दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लि शि फेंग से होगा। लक्ष्य ने जीत के बाद उत्साहित होकर कहा, ''यह काफी प्रतिस्पर्धी मैच था और चोउ ने बहुत अच्छा खेला। मुझे खुशी है कि आखिरी क्षणों में संयम रखते हुए मैंने जीत दर्ज की है। हम दोनों एक दूसरे के खिलाफ कई बार खेल चुके हैं इसलिए मुझे पता था कि लंबी रेलियां होंगी। अब मेरा लक्ष्य फाइनल जीतना है।'' वहीं इससे पहले एक अन्य सेमीफाइनल में जीत के साथ ही भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पुरुष युगल के फाइनल में पहुंच गयी है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने चीनी ताइपे के बिंग-वेई लिन और चेन चेंग कुआन को 21-17, 21-15 से हराकर इस सत्र में छह सेमीफाइनल मुकाबलों में मिली हार के बाद अपने पहले फाइनल में जगह बनाई है। इस जोड़ी का सामना अब चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग तथा चीनी ताइपे के फैंग-चिह ली और फैंग-जेन ली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

एस20 लीग के लिए डरबन सुपर जायंट्स ने मार्करम को कप्तान बनाया

जोहांसबर्ग। डरबन सुपर जायंट्स टीम ने दक्षिण अफ्रीकी टी20 लीग (एस20) के चौथे सीजन के लिए बल्लेबाज एडन मार्करम को कप्तान बनाया है। टीम ने एक वीडियो जारी कर मार्करम को कप्तान बनाए जाने की बात कही है। गौरतलब है कि मार्करम इस लीग के सबसे सफल कप्तान हैं। वह पिछले तीन सत्र से सनराइजर्स ईस्टर्न केप के कप्तान थे। उनकी कप्तानी में ईस्टर्न केप ने साल 2023 और 2024 में जीत हासिल की थी। वहीं साल 2025 में टीम उपविजेता रही थी। उन्होंने इसके बाद टीम का साथ छोड़ दिया था। ऐसे में इसबार हुई नीलामी में उन्हें डरबन सुपर जायंट्स ने खरीदा। वह नीलामी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने हैं। डरबन सुपर जायंट्स आईपीएल की लखनऊ सुपर जायंट्स का ही हिस्सा है। इस लीग में डरबन ने अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीता है। मार्कराम के अलावा डरबन ने नीलामी में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर गेराल्ड कोएत्जी, युवा तेज गेंदबाज क्वेना मफाका, बांग्लादेश के स्पिनर तैजुल इस्लाम को खरीदा है। इसके अलावा एथन बॉश, एंडिले सिमेलाने और मार्केस एकरमैन जैसे घरेलू खिलाड़ी भी टीम में शामिल हैं। मार्कराम दक्षिण अफ्रीकी टीम के भी कप्तान हैं।

पीकेएल-12 : जयपुर पिंक पैंथर्स की घरेलू मैदान पर धमाकेदार जीत, यूपी योद्धाज 41-29 से पराजित

जयपुर। प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 में जयपुर पिंक पैंथर्स ने सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में अपने घरेलू दर्शकों के सामने पहली जीत का परचम लहराया। शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में पैंथर्स ने यूपी योद्धाज को 41-29 से मात दी। नितिन कुमार टीम के हीरो साबित हुए। उन्होंने शानदार रेड्स करते हुए सुपर-10 लगाया। उनके साथ ईरानी ऑल-राउंडर अली सामदी ने 9 अंक जोड़े। डिफेंस में भी जयपुर का जलवा रहा, रेज़ा मिरबघेरी ने 4 टैकल अंक, जबकि दीपांशु खत्री और आर्यन कुमार ने 3-3 टैकल अंक जुटाए। यूपी योद्धाज की ओर से गगन गौड़ा ने दमदार संघर्ष किया और 15 अंकों के साथ अपना चौथा सुपर-10 पूरा किया। कप्तान सुमित सांगवान ने 4 टैकल अंक हासिल किए, मगर टीम के बाकी खिलाड़ी लय नहीं पकड़ सके। शुरुआत में यूपी ने बढ़त बनाई। शिवम चौधरी और भवानी राजपूत ने अंक दिलाए, जबकि गगन गौड़ा ने दबाव बढ़ाया। लेकिन जयपुर ने नितिन और सामदी की जोड़ी के दम पर शानदार वापसी की।

भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया सूर्यकुमार ने छक्का लगाकर दिलाई जीत

दुबई,14 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने हमारी आर्मी की ही तरह जांबाज प्रदर्शन करते हुए दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर का अगला चरण पूरा कर दिया। उसने पाकिस्तान को 0000 गेंद रहते घुटनों पर लाने के लिए मजबूर कर दिया। पाकिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए भारत को जीत के लिए 128 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे उसने 25 ओवरों में ही हासिल कर लिया। भारत के लिए गेंदबाजी में कुलदीप, अक्षर और बुमराह ने कमाल किया तो बल्लेबाजी में ओपनर अभिषेक शर्मा मैदान पर उतरते ही तूफानी अंदाज रन बरसाए और पहले ओवर की शुरुआती दो गेंदों में चौका और छक्का जड़ दिया। इसके बाद रनों का प्रवाह नहीं रुका और टीम इंडिया ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही भारत सुपर-4 में पहुंच चुका है।

128 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम का आगाज अभिषेक शर्मा के चौके के साथ हुआ। उन्होंने विपक्षी टीम के पेसर शाहीन अफरीदी को बच्चों की तरह पहली गेंद पर चौका और दूसरी गेंद पर छक्का जड़ दिया। इसके बाद तो स्टेडियम में बैठे भारतीय फैंस का जश्न देखते बन रहा था। शुभमन गिल हालांकि स्टंप आउट हुए और 10 रनों के निजी स्कोर पर चलते बने, लेकिन रनों की बरसात नहीं रुकी। अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 13 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्के उड़ाते हुए 31 रन ठोके।

इसके बाद सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने पारी को आगे बढ़ाया। इन दोनों ने टीम को 97 रनों तक पहुंचाया। तिलक वर्मा 31 रन बनाकर आउट हुए तो शिवम दुबे ने उतरते ही हवाई शॉट खेला। सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी पारी खेलते हुए 37 गेंदों में 5 चौके और एक छक्का की मदद से नाबाद 47 रनों की पारी खेली। शिवम दुबे 10 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह से भारतीय टीम ने 15.5 ओवरों में सिर्फ 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

एशिया कप के बहुचर्चित ग्रुप मुकाबले में इससे पहले कुलदीप यादव की कलात्मकता, अक्षर पटेल का अनुशासन और वरुण चक्रवर्ती के हुनर के सामने पाकिस्तानी टीम भारत के खिलाफ 9 विकेट पर 127 रन ही बना सकी। भारत ने एक बार फिर दिखा दिया कि दोनों टीमों के प्रदर्शन में जमीन आसमान का अंतर है। स्पिनर अक्षर ने चार ओवर में 18 रन देकर दो, कुलदीप ने चार ओवर में 18 रन देकर तीन और वरुण ने चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया। पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज इस तिकड़ी के सामने टिक नहीं सका।

अक्षर, कुलदीप और वरुण ने मिलकर 40 डॉट गेंदें डाली और जसप्रीत बुमराह ने भी 15 डॉट गेंद फेंकी। इसी से पाकिस्तानी बल्लेबाजों पर बने दबाव का पता चल जाता है। शाहीन शाह अफरीदी ने अगर आखिर में 16 गेंद में नाबाद 33 रन नहीं बनाये होते तो पाकिस्तान 125 रन के पार भी नहीं पहुंचता। सूर्यकुमार यादव टॉस हार गए और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से हाथ भी नहीं मिलाया। भारत ने पहली वैध गेंद से ही दबाव बना दिया और सईम अयूब खाता खोले बिना हार्दिक पंड्या की गेंद पर पॉइंट में बुमराह को कैच दे बैठे। बुमराह ने चार ओवर में 28 रन देकर दो विकेट लिए।उन्होंने पिछले मैच में सर्वाधिक रन बनाने वाले मोहम्मद हारिस (तीन) को पवेलियन भेजा। वह पूल शॉट खेलने के प्रयास में फाइन लेग में खड़े पंड्या को कैच देकर लौटे। साहिबजादा फरहान ने 44 गेंद में 40 रन बनाये और बुमराह को दो छक्के भी जड़े लेकिन भारत के किसी स्पिनर का सामना नहीं कर पाये। पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने खराब शॉट खेले और उनमें तकनीक का भी अभाव नजर आया। फखर जमां (15 गेंद में 17 रन) ने अक्षर के सामने जोखिम उठाने का साहस किया हालांकि स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ उनका कैरियर रिकॉर्ड बेहतर रहा है।

धोती-कुर्ते वाले लुक में नजर आये सौरव गांगुली

कोलकाता,14 सितंबर (एजेंसियां)। **भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली एक नये लुक में नजर आये हैं। प्रिंस ऑफ कोलकाता के नाम से लोकप्रिय गांगुली अपने नाम के अनुसार शाही अंदाज वाले एथनिक लुक में नजर आने आये हैं, जिसके बाद से ही प्रशंसकों ने उनके लुक को सराहा है। इस ट्रेंडिंग फोटोशूट में गांगुली अपने बोर्डरूम ब्लेजर की जगह ही बारीक डिजाइन वाले धोती-कुर्ते पहने दिखे। इससे वह शोस्टॉपर नजर आ रहे थे।**

इससे सोशल मीडिया पर उनकी जमकर प्रशंसा की गयी है। एक प्रशंसक ने खुशी से कहा, गांगुली मैच और दिल दोनों ही बराबर जीत सकते हैं, जबकि दूसरे ने उन्हें बेहतरीन स्टाइल दादा बताया। वहीं एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हो रहा है त्योहारों का मौसम नजदीक आ रहा है, ऐसे में कई लोग अनुमान लगा रहे हैं कि यह शूट किसी ब्रांड अभियान का हिस्सा हो सकता है। एक बात तो तय है कि गांगुली अपने को नए अंदाज में दिखाना पसंद करते हैं। लॉर्ड्स में अपनी जर्सी लहराने से लेकर धोती पहनकर देसी अंदाज में दादा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह फैशन से बाहर नहीं हो सकते। गौरतलब है कि गांगुली को भारत के सबसे प्रभावशाली क्रिकेट कप्तानों में से एक माना जाता है। साल 2000 से 2005 के बीच उनकी कप्तानी में भारतीय टीम एक नये रुप में नजर आयी। उनकी कप्तानी में टीम आक्रामक होकर उभरी। भारतीय टीम साल 2003 के आईसीसी विश्व कप के फाइनल में पहुंची और उसने विदेशों में बेहतरीन टेस्ट जीत हासिल की। साल 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गांगुली पहले बंगाल और उसके बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष बने। इसके अलावा भी उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां निभाई।

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

टोक्यो में विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की लंबी कूद में भाग लेती हुई अमेरिका की तारा डेविस।

प्रीव्यू कार्यक्रम में उन्मुक्त चंद ने किया क्रिकेट अकादमी प्रीमियर लीग का अनावरण

पूर्व खिलाड़ी उन्मुक्त चंद ने वैश्विक स्तर की विशेषज्ञता और वैज्ञानिक प्रशिक्षण ढांचों के महत्व पर दिया जोर

नई दिल्ली,14 सितंबर (एजेंसियां)। क्रिकेट वॉल्ट अकादमी और क्रिकेट अकादमी प्रीमियर लीग (सीएपीएल) का रविवार को नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर एनेक्सी में आयोजित प्रीव्यू कार्यक्रम में अनावरण किया गया। कार्यक्रम में मौजूद भारत के 2012 आईसीसी अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद ने संस्थापक शिवम शर्मा और निदेशक मोहम्मद आरिफ के साथ मिलकर अगली पीढ़ी की क्रिकेट प्रतिभा को विकसित करने के लिए अकादमी का रोडमैप प्रस्तुत किया।

प्रीव्यू कार्यक्रम में उन्मुक्त चंद ने युवा खिलाड़ियों को सशक्त बनाने के लिए वैश्विक स्तर की विशेषज्ञता और वैज्ञानिक प्रशिक्षण ढांचों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में जमीनी स्तर पर क्रिकेट की अपार संभावनाएं हैं और सही मार्गदर्शन, बुनियादी ढांचे और सीएपीएल जैसे अवसरों के साथ, देश विश्वस्तरीय खिलाड़ियों की एक मजबूत श्रृंखला तैयार कर सकता है।

संस्थापक शिवम शर्मा ने बताया कि यह पहल संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को एक पेशेवर प्रीमियर-लीग शैली के मंच के साथ जोड़ती है, जिससे नवोदित क्रिकेटरों को प्रतिस्पर्धी माहौल में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है।

निदेशक मोहम्मद आरिफ ने कहा कि अकादमी का लक्ष्य कौशल और प्रदर्शन से आगे बढ़कर चरित्र निर्माण, अनुशासन और आधुनिक क्रिकेट की मांग के अनुरूप समग्र विकास पर भी केंद्रित है।

कार्यक्रम में बताया गया कि क्रिकेट वॉल्ट अकादमी विश्व स्तरीय कोचिंग, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और एक प्रीमियर लीग मंच प्रदान करके कच्ची प्रतिभा और पेशेवर क्रिकेट के बीच की खाई को पाटने की इच्छा रखती है, जो युवा खिलाड़ियों को बड़े मंच के करीब ला सकती है।

पाक के पूर्व क्रिकेटर उमर गुल ने भारतीय बोर्ड की रोटेशन प्रणाली को सराहा

लाहौर,14 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर उमर गुल ने कहा है कि जिस प्रकार भारतीय बोर्ड अपने खिलाड़ियों की देखभाल कर रहा है। उसकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। गुल ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने तेज गेदबाज जसप्रीत बुमराह के मामले में कार्यभार प्रबंधन काफी अच्छे तरीके से किया है। वहीं कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट को भी इससे सीख लेनी चाहिये। उसे भी भारतीय बोर्ड की तरह ही रोटेशन नीति अपनानी चाहिये।

पाकिस्तान के इस पूर्व तेज गेंदबाज कहा कि भारतीय बोर्ड ने रोटेशन नीति से बुमराह के करियर की क्षमता को अधिकतम स्तर तक लाने के प्रयास किये हैं। इसी कारण चोट के बाद वापसी के बाद भी बुमराह पहले की तरह ही तेज गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं गुल ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट में स्थापित खिलाड़ियों में भी जगह को लेकर असुरक्षा की भावना है, जिसके

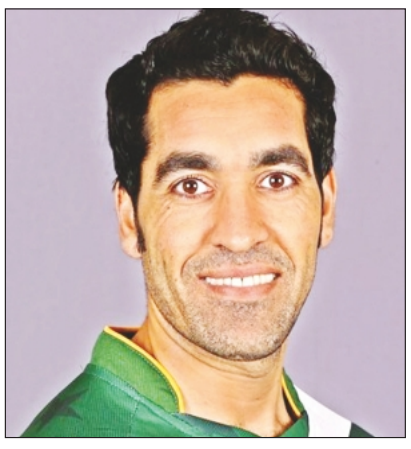

कारण वे पूरी तरह से फिट नहीं होने पर भी मैच खेलते हैं।

उन्होंने कहा , हमारी व्यवस्था में समस्या ये है कि जब हम खेलते थे, तो कोई भी सीनियर खिलाड़ी अपनी फिटनेस बताने में डरता था। अगर वह 70-80 फीसदी भी फिट होता तो वह कहता मैं खेलना चाहता हूं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि अगर कोई दूसरा खिलाड़ी आता है और अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसकी जगह चली जाती क्योंकि रोटेशन नीति हमारी बोर्ड की संस्कृति में नहीं है।

हम केवल उस समय का प्रदर्शन देखते हैं। नए खिलाड़ी ने अगर अच्छा प्रदर्शन किया है, तो उसे टीम में लाएं और उसे खेलने दें। मुझे लगता है कि रोटेशन नीति होनी चाहिए पर आपकी प्राथमिकता सीनियर खिलाड़ी होना चाहिए, जब वह फिट हो जाए तो आपको उसे शामिल करना चाहिये। गुल ने भारतीय प्रणाली की तारीफ करते हुए कहा कि इसमें पहली पंक्ति के खिलाड़ियों की चोटों से निपटने के लिए अच्छी व्यवस्था है। साथ ही कहा कि इस मामले में खिलाड़ियों के साथ ही प्रबंधन की भी जिम्मेदारी होती है।

नागल की जीत के साथ ही भारत ने डेविस कप में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया

बिएल। भारतीय टीम के सुमिल नागल ने डेविस कप टेनिस के विश्व ग्रुप 1 के पहले दौर के मैच में स्विट्जरलैंड के हेनरी बर्नेट को एकल में 6-1, 6-3 से हरा दिया। इसी के साथ ही भारत को स्विस टीम पर 3-1 की जीत मिली है। भारतीय टीम अब विश्व ग्रुप के क्वालीफायर में पहुंच गयी है। वहीं स्विट्जरलैंड टीम ने भी विश्व ग्रुप 1 से प्ले-ऑफ में जगह बनायी है। भारतीय टीम ने इसी के साथ ही साल 2019 में डेविस कप प्रारूप में बदलाव के बाद से ही पहली बार विश्व ग्रुप 1 के अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम की ओर से दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुरुआती मैच में जेरोम किम को 7-6(5), 6-3 से हराकर अच्छी शुरुआत की। वहीं नागल ने दिन के दूसरे मैच में मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 8-3, 7-6(1) से हराकर शुरुआती एकल के बाद भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद मेजबान स्विस टीम ने पुरुष युगल मुकाबले में वापसी करते हुए जीत दर्ज की। जैकब पॉल और डोमिनिक स्ट्राइकर ने एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक चौधरी बोलिपल्ली को संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराया। एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने 6-7(3), 6-4, 7-5 से जीत हासिल की और इससे अब स्कोर 1-2 हो गया। भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत की और टाई-ब्रेक के बाद पहला सेट अपने नाम किया। इसके बाद नागल ने एकल में बर्नेट को हराकर भारतीय टीम को जीत दिला दी।

नाटो देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें तो जंग जल्द हो सकती है खत्म

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने की कही बात

वाशिंगटन,14 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने शनिवार को रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वह रूस पर सख्त बैन लगाने को तैयार कर रहे हैं, लेकिन इसके लिए एक शर्त भी रखी है। ट्रंप चाहते हैं कि नाटो के सभी देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें। साथ ही सभी नाटो देश रूस पर अपने स्तर से बैन लगाएं। ट्रंप ने यह बात ट्रुथ सोशल पर कही।

उन्होंने इसे नाटो देशों और दुनिया के लिए एक पत्र बताया। ट्रंप ने सुझाव दिया कि नाटो देश चीन पर 50 से 100 फीसदी तक टैरिफ लगाएं। इससे रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग को खत्म करने में मदद मिलेगी। ट्रंप ने आगे कहा कि चीन का रूस पर काफी प्रभाव है। अगर नाटो ऐसा करता है, तो यह जंग जल्द खत्म हो सकती है। ट्रंप ने नाटो देशों द्वारा रूस से तेल खरीदने को हैरान करने वाला बताया। उनका कहना है कि इससे नाटो की मोलभाव करने की ताकत कमजोर होती है।

यूरोपीय कमीशन जल्द ही रूस के खिलाफ 19वें दौर के प्रतिबंधों की घोषणा करने वाला है, लेकिन हंगरी और स्लोवाकिया जैसे कुछ देश अभी भी रूस से तेल खरीद रहे हैं। फ्रांस और जर्मनी चाहते हैं कि कमीशन रूस की तेल कंपनियों और उन तीसरे देशों पर सख्ती करे, जो रूस के तेल व्यापार में मदद कर रहे हैं। ट्रंप ने हाल ही में रूस के यूक्रेन पर सबसे बड़े हवाई हमले के बाद बैन की धमकी दी थी, लेकिन अभी तक उन्होंने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इससे यूक्रेन भी नाराज है।

बता दें ट्रंप ने पिछले महीने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि वह रूस पर बैन लगाने को तैयार हैं, बशर्ते नाटो देश भी साथ दें। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर नाटो उनके सुझावों को मानता है, तो यूक्रेन-रूस जंग जल्द खत्म हो सकती है। उन्होंने नाटो को चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वह उनका समय बर्बाद नहीं करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

अगस्त में मारुति सुजुकी इर्टिगा ने बाजी मारी

नई दिल्ली। अगस्त 2025 में भारतीय बाजार में कार बिक्री के आंकड़े जारी हुए हैं। अगस्त महीने में बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी इर्टिगा ने बाजी मारी। एमपीवी सेगमेंट की इस कार ने 18,365 यूनिट्स की बिक्री के साथ देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनकर सबको पीछे छोड़ दिया। दूसरे नंबर पर मारुति सुजुकी डिजायर रही, जिसकी बिक्री 55 प्रतिशत बढ़कर 16,509 यूनिट्स रही। तीसरे पर हयूदै क्रेटा रही, हालांकि इसकी बिक्री 5 प्रतिशत घटकर 15,924 यूनिट्स रही। चौथे पर वेगनआर रही, जिसकी बिक्री 14,552 यूनिट्स रही। टॉप-5 में टाटा नेक्सान भी शामिल रही, जिसने 14,004 यूनिट्स बेचीं। वहीं, मारुति ब्रेझा की बिक्री 29 प्रतिशत गिरकर 13,620 यूनिट्स रही। इसके अलावा बलेनो (12,549 यूनिट्स), फ्रोंक्स (12,422 यूनिट्स) और स्वीफट (12,385 यूनिट्स) ने टॉप-10 में जगह बनाई। दसवें नंबर पर मारुति इको रही, जिसकी बिक्री 10,785 यूनिट्स रही। महिंद्रा स्कार्पियो 9,840 यूनिट्स के साथ 12वें स्थान पर रही, जबकि टोयोटा इनोवा 9,304 यूनिट्स के साथ 13वें स्थान पर। किआ सोनेट, महिंद्रा बोलेरो और हयूदै वेन्यू ने भी अच्छी बिक्री दर्ज की। 25वें नंबर पर टोयोटा ग्लांझा रही, जिसकी 5,102 यूनिट्स बिकीं।

होंडा इलेवेट पर 1.80 लाख रुपये तक का मिल रहा फायदा

नई दिल्ली। होंडा कार्स इंडिया की मिड-साइज एसयूवी इलेवेट पर डिस्काउंट के चलते 1.80 लाख रुपये तक का फायदा मिल रहा है। इसमें टैक्स में कटौती से 58,400 रुपये और कंपनी ऑफर से 1.22 लाख रुपये का अतिरिक्त लाभ शामिल है। होंडा इलेवेट की एक्स-शोरूम कीमत 11.91 लाख रुपये से शुरू होती है। इस एसयूवी का मुकाबला मारुति ग्रांड विटारा, हयूदै क्रेटा और किआ सेलटॉस से है। इलेवेट में 1.5-लीटर वीटेक पेट्रोल इंजन है, जो 121पीएस पावर और 145एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल और सीवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ पेश किया गया है। नए जीएसटी 2.0 के तहत छोटी पेट्रोल, सीएनजी और डीजल कारों पर टैक्स घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, लग्जरी और एसयूवी कारों पर टैक्स पहले 50प्रतिशत था, जिसे घटाकर 40प्रतिशत कर दिया गया है। इसका फायदा होंडा इलेवेट जैसी मिड-साइज एसयूवीएस के खरीदारों को सीधे तौर पर मिलेगा। एसयूवी में 360 डिग्री कैमरा, अडास फीचर्स, 6 एयरबैग, वायरलेस चार्जिंग, 10.25-इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम और होंडा सेनसिंग स्यूट जैसी आधुनिक टेक्नोलॉजी दी गई है। इसके टॉप झेडएक्स वेरिएंट में प्रीमियम लेदर अपहोल्स्ट्री और सनरूफ जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

पॉपुलर सेडान विरटस की कीमतों आएगी कमी

नई दिल्ली। अपनी पॉपुलर सेडान विरटस पर नए जीएसटी नियम लागू होने के बाद फॉक्सवैगन इंडिया ने बड़ी राहत की घोषणा की है। फॉक्सवैगन इंडिया ने बताया कि 22 सितंबर से कार की कीमत पर टैक्स में 66,900 रुपये तक की कमी आएगी। इसका मतलब है कि अब यह लग्जरी सेडान और भी किफायती दाम पर मिलेगी। विरटस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.54 लाख रुपये है। फॉक्सवैगन विरटस दो इंजन विकल्पों में आती है 1.0 एल टीएसआई (999सीसी, 3 सिलेंडर) और 1.5एल टीएसआई ईवो (1498सीसी, 4 सिलेंडर)। इसमें 6-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड ऑटोमैटिक और 7-स्पीड डीएसजी ट्रांसमिशन का विकल्प दिया गया है। फीचर्स की बात करें तो कार में 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले, वायरलेस चार्जिंग, वेंटिलेटेड लेदर सीट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं। सेफ्टी के लिए इसमें 6 एयरबैग्स, ईएससी, एलईडी हेडलैंप्स और रिवर्स कैमरा दिया गया है। नए जीएसटी 2.0 में छोटी और लग्जरी कारों पर टैक्स दरों में बदलाव हुआ है। पहले जहां लग्जरी कारों पर 50प्रतिशत टैक्स देना पड़ता था, वहीं अब इसे घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

गाय घर की ...

तो क्या नागरिक इस फैसले के खिलाफ अपील नहीं कर सकते? वीर दास जैसे पाखंडी एक तरफ लिखते हैं, 15 अप्रैल को चिकन टिक्का उत्सव मना रहा हूं, सब आमंत्रित हैं। दूसती तरफ वे और वैसे लोग कुत्तों की आंखों में आंसू देख लेते हैं, लेकिन गाय देख कर उन्हें सिर्फ स्वाद दिखता है। ये वही लोग हैं जो डॉग स्क्वाड की टी-शर्ट पहनते हैं, लेकिन मेनू कार्ड पर बीफ करी टिक करते वक्त हिचकिचाते नहीं हैं। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने वीर दास के पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा, कुत्तों को शुद्ध बता रहे हो, लेकिन गाय को नहीं? बीफ की गंध और उसे देखते ही तुम्हारा सारा पशु प्रेम कहां चला जाता है, पाखंडियों।

प्रधानमंत्री मोदी अक्सर गायों के साथ देखे जाते हैं, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रही हैं, जहां वे गायों को खाना खिलाते और दुलारते दिखते हैं। हिंदू धर्म में गाय को पवित्र माना जाता है और गौ माता के रूप में पूजा जाता है। मोदी सरकार ने 2014 से गायों की सुरक्षा के लिए कई योजनाएं भी शुरू की हैं। 2019 में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग की स्थापना की गई थी। यह आयोग मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के तहत काम करता है। इसका मुख्य उद्देश्य गायों और उनकी नस्लों का संरक्षण, सुरक्षा और विकास करना है।

कुछ समय पहले ही, दिल्ली में आवारा कुत्तों को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त 2025 को एक आदेश जारी किया, जिसमें दिल्ली-एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को पकड़कर स्थायी रूप से शेल्टरों में रखने का निर्देश दिया गया। कोर्ट ने यह आदेश कुत्तों के काटने और रेबीज के बढ़ते मामलों को देखते हुए दिया था, जिसमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे। इस आदेश का पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और कई मशहूर हस्तियों ने कड़ा विरोध किया। उन्होंने इस आदेश को अवैज्ञानिक बताया और कहा कि यह पशु जन्म नियंत्रण नियमों के खिलाफ है। इस विरोध को देखते हुए, चीफ जस्टिस ने मामले को तीन-न्यायाधीशों की पीठ के पास भेज दिया।

नई पीठ ने पुराने आदेश में बदलाव कर दिया और निर्देश दिया कि कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के बाद उसी जगह वापस छोड़ा जाए, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। इसके अलावा, कोर्ट ने यह भी कहा कि सार्वजनिक सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगी, बल्कि इसके लिए नगर निगमों को विशेष फीडिंग जोन बनाने होंगे। आपने कभी सुना कि सुप्रीम कोर्ट या कोई भी अदालत किसी आम आदमी के मामले में ऐसा करती हो! लेकिन कुत्ते के लिए सुप्रीम कोर्ट पूरी की पूरी पीठ बदल देते है और अपने ही फैसले को बदल कर कुत्तों को पसंद आने वाला फैसला सुना देती है। यह समाज के कुत्तत्व की ओर तेजी से अग्रसरित होने की सनद है। आए दिन आप सुनते और देखते हैं कि किस तरह आवारा कुत्तों के झुंड बच्चों से लेकर बुजुर्गों और महिलाओं को नोंच-नोंच कर मार डालते हैं, लेकिन समाज के कुत्ता प्रेमियों को उन लोगों की त्रासद मौत की पीड़ा नहीं होती। यह कुत्ता प्रेम ठीक उसी तरह का रोग है, जैसे कभी भारतीय समाज में लोगों को धर्मनिर-पेक्षता, प्रगतिशीलता और बुद्धिजीविता का रोग लगा हुआ था। एक समय अंतराल में इसका ढोंग पूरे समाज को पता चल गया तो लोग इससे परहेज करने लगे। अब वह रोग गया तो कुत्तत्व का रोग लग गया। वह भी एक अंतराल के बाद समाप्त होगा या पूरे समाज को कुत्तत्व में बदल देगा।

मैं शिव भक्त...

आतंकियों को पालने वालों के एजेंडों को आगे बढ़ाते हैं। पाकिस्तान का झूठ कांग्रेस का एजेंडा बन जाता है। इसलिए आपको कांग्रेस के प्रति हमेशा सतर्क रहना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लिए अपने वोट बैंक का हित सबसे बड़ा है। कांग्रेस देशहित की कभी परवाह नहीं करती है। आज कांग्रेस देशविरोधियों और घुसपैठियों की भी रक्षक बन चुकी है। जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब वह घुसपैठ को बढ़ावा देती थी और आज कांग्रेस चाहती है कि घुसपैठिए हमेशा के लिए भारत में बस जाए और भारत का भविष्य घुसपैठिए तय करें।प्रधानमंत्री मोदी ने दरांग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के साथ-साथ एक नर्सिंग कॉलेज और एक जीएनएम स्कूल के निर्माण का शुभारंभ किया। अधिकारियों ने बताया कि इन स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं में कुल मिलाकर 570 करोड़ रुपए का निवेश होगा। प्रधानमंत्री ने 1,200 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली 2.9 किलोमीटर लंबे नरेंगी-कुरुवा पुल और असम के कामरूप और दरांग जिलों और मेघालय के री भोई को जोड़ने वाली 118.5 किलोमीटर लंबी गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना की भी आधारशिला रखी। रिंग रोड परियोजना की अनुमानित लागत 4,530 करोड़ रुपए है।

प्रधानमंत्री ने गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ रिफाइनरी में 5000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से नवनिर्मित बांस आधारित एथेनॉल संयंत्र और 7,230 करोड़ रुपए की लागत से पेट्रो फ्लूइडाइज्ड कैटेलिटिक क्रैकर इकाई का उद्घाटन किया। इस तरह पीएम मोदी ने असम को कुल 18 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का तोहफा दिया। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार शाम असम पहुंचे थे और भारत रत्न से सम्मानित भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुए।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, पिछली कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में किसानों की जमीन और धार्मिक स्थलों पर अतिक्रमण किया गया था। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बनने के बाद से, हमने उन गलतियों को सुधारना और अवैध दावों को हटाना शुरू कर दिया है। असम में घुसपैठियों से लाखों एकड़ जमीन वापस ली गई है। उन्होंने आगे कहा, भाजपा का उद्देश्य देश को घुसपैठियों से बचाना और उसकी अखंडता को बहाल करना है। मैं उन राजनेताओं को चुनौती देता हूं जो घुसपैठियों का बचाव करते हैं कि वे आगे आएं और इस मुद्दे का सामना करें। वे दिखाएं कि हमने घुसपैठियों को हटाने के लिए जो प्रयास किए हैं, उनकी तुलना में उन्होंने क्या प्रयास किए हैं। घुसपैठियों को पनाह देने वालों को इसकी कीमत चुकानी होगी; देश उन्हें माफ नहीं करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, अपनी राजनीति के लिए कांग्रेस ऐसी विचारधारा से जुड़ती है जो भारत विरोधी है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी यही देखने को मिला। पाकिस्तान के कोने-कोने में आतंकवादियों के सरगनाओं को खत्म किया गया, लेकिन कांग्रेस भारतीय सेना के बजाय पाकिस्तानी सेना के साथ खड़ी रही। हमारी सेना के साथ खड़े होने के बजाय, कांग्रेस पार्टी के लोग आतंकवादियों को पालने वालों के एजेंडे को बढ़ावा देते हैं। पाकिस्तान का झूठ कांग्रेस का एजेंडा बन जाता है। इसलिए आपको कांग्रेस से हमेशा सावधान रहना होगा। आज कांग्रेस आक्रांताओं और देशद्रोहियों की बहुत बड़ी संरक्षक बन गई है।प्रधानमंत्री मोदी ने जनता से अपील की सभी स्वदेशी को अपनाएं और अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए स्वदेशी सामान खरीदें। संबोधन के दौरान ही भीड़ में खड़े एक व्यक्ति ने पीएम मोदी और उनकी मां की एक पेंटिंग दिखाई। पीएम मोदी ने वह पेंटिंग मंगवाई और बहुत तारीफ की। उन्होंने कहा, मैं आपको जरूर एक पत्र लिखूंगा। आपने बहुत सुंदर चित्र बनाया है। मैं आपका बहुत आभारी हूं। पीएम मोदी ने कहा, मेरे लिए तो जनता-जनार्दन ही मेरा भगवान है और मेरे भगवान के पास जाकर मेरी आत्मा की आवाज वहां नहीं निकलेगी तो और कहां निकलेगी। यही मेरे मालिक हैं, यही मेरे पूजनीय हैं, यही मेरा रिमोट कंट्रोल हैं और कोई मेरा रिमोट कंट्रोल नहीं है। 140 करोड़ देशवासी मेरा रिमोट कंट्रोल हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज भारत दुनिया में सबसे तेजी से विकास करने वाले देशों में से एक है और असम भी सबसे तेजी से विकास करने वाले राज्यों में से एक है। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि सरकार और असम वासियों के साझा प्रयास से आज असम देश-दुनिया में धूम मचा रहा है। भाजपा की डबल इंजन सरकार असम की संस्कृति की रक्षा और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथियों भाजपा सरकार असम को भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है।

पीएम मोदी ने कहा, भारत रत्न सुधाकंठा भूपेन हजारिका जी का जन्मदिन हम पहले ही मना चुके हैं। कल मुझे उनके सम्मान में आयोजित एक बहुत बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री जी ने मुझे कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष का एक वीडियो दिखाया, और इसे देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। जिस दिन भारत सरकार ने इस देश के महान सपूत, असम के गौरव, भूपेन हजारिका जी को भारत रत्न दिया था। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहे हैं। 1962 में चीन के साथ युद्ध के बाद पंडित नेहरू ने जो कहा था, वो उत्तर पूर्व के लोगों के घाव आज भी नहीं भरे हैं। पीएम मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद कल मेरी असम की पहली यात्रा थी। मां कामाख्या के आशीर्वाद से ऑपरेशन सिंदूर बहुत बड़ी सफलता थी। आज मां कामाख्या की इस धरती पर आकर मुझे एक अलग ही पवित्र अनुभूति हो रही है और ये भी सोने पे सुहागा है कि आज इस क्षेत्र में जन्माष्टमी मनाई जा रही है। लाल किले से मैंने कहा था, मुझे चक्रधारी मोहन याद आए। मुझे श्री कृष्ण याद आए, और मैंने भविष्य की सुरक्षा नीति में एक सुदर्शन चक्र का विचार लोगों के सामने रखा है।

पाकिस्तान फिर...

अब खबर आ रही है कि पाकिस्तान इस तबाह जगह को फिर से चमकाने में लगा है। खुफिया रिपोर्ट बताती है कि 18 अगस्त को बड़ी-बड़ी मशीनें मुरीदके पहुंची थी। इनमें चीन की बनी मशीनें शामिल हैं। 4 सितंबर को पीली इमारत उम्म उल कुरा को उन मशीनों की मदद से तोड़ दिया गया। तीन दिन बाद, 7 सितंबर को लाल इमारत को भी ढहा दिया गया। यह सब लश्कर मुख्यालय के पुनरनिर्माण (रेनोवेशन) का हिस्सा है, जहां पुरानी संरचनाओं को हटाकर नई इमारतें खड़ी की जा रही हैं। यह काम तेजी से चल रहा है, ताकि जल्द ही सब कुछ पहले जैसा हो जाए।

पाकिस्तान का इरादा पांच फरवरी को मनाए जाने वाले कश्मीर सॉलिडैरिटी डे के पहले लश्कर के मार्काज तैयबा को बना कर तैयार कर देना है। इसी तारीख को लश्कर का नया मुख्यालय प्रारंभ करने की तैयारी है। इसके पुनरनिर्माण का मतलब है कि वहां फिर से आतंकियों को ट्रेनिंग, ब्रेनवॉशिंग और भारत पर हमले की साजिशें शुरू हो जाएंगी। मार्काज तैयबा के डायरेक्टर का दायित्व मौलाना अबू जर संभाल रहा है। उस्ताद उल मुजाहिदीन भी इसमें मदद कर रहे हैं, जबकि कमांडर यूनुस बुखारी को ऑपरेशनल इंस्पेक्शन का काम सौंपा गया है। यह सब सरकारी समर्थन से हो रहा है, जो पाकिस्तान की दोगली नीति की सनद है।

सबसे हैरान करने वाली बात फंडिंग की है। अगस्त में पाकिस्तानी सरकार ने लश्कर को करोड़ों रुपए दिए। यह पैसा रिनोवेशन के लिए है, जबकि देश बाढ़ से जूझ रहा है। पहले भी लश्कर ने आपदा राहत के फंड से कोटली में मार्काज अब्बास बनवाया था। पाकिस्तान अवाम की राहत का पैसा आतंकी गतिविधियों में लगाया जा रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार इसका समर्थन कर रही है।

कोर्ट नहीं तय कर...

पंजीकरण नियम 1960 के तहत रिवीजन का पूरा अधिकार आयोग के पास है। अदालत अगर समय तय करेगी, तो ये हमारी स्वायत्तता में दखलंदाजी होगी।

चुनाव आयोग ने हलफनामे में कहा, एसआईआर कब कराना है, यह अदालत तय नहीं कर सकती। आयोग का तर्क है कि कोई कानूनी प्रावधान नहीं है जो फिक्स्ड टाइमफ्रेम पर रिवीजन की बाध्यता बनाए। आयोग हालात के हिसाब से समरी रिवीजन, इंटेंसिव रिवीजन या स्पेशल रिवीजन कर सकता है। वैसे, आयोग ने कोर्ट को बताया कि एक जनवरी 2026 को क्वालीफाइंग डेट के साथ एसआईआर पहले से शेड्यूल्ड है। सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को तैयारी के निर्देश दे दिए गए हैं। 10 सितंबर 2025 को दिल्ली में सभी मुख्य चुनाव अधिकारियों का सम्मेलन भी हुआ, जहां योजना की समीक्षा की गई। आयोग ने कहा कि वोटर लिस्ट की शुद्धता हमारी जिम्मेदारी है, लेकिन तरीका और समय हम ही चुनेंगे। आयोग ने यह कहते हुए जनहित याचिका खारिज करने की सुप्रीम कोर्ट से गुजारिश भी की।

यह मामला सिर्फ कानूनी नहीं रह गया, बल्कि राजनीतिक रंग भी ले चुका है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चल रही स्पेशल रिवीजन पर विपक्षी इंडी गठबंधन ने सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि ये प्रक्रिया वोटर लिस्ट को पक्षपाती बनाने की कोशिश है। आयोग ने जवाब दिया कि राजनीतिक दल विरोध प्रदर्शन करने के बजाय असली वोटरों की पहचान में मदद करें। 8 सितंबर 2025 को जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि आधार कार्ड को वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए 12वें वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाए। चुनाव आयोग को ये पसंद नहीं था, लेकिन कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है, पर पहचान और निवास का सबूत जरूर है। इससे लाखों लोगों को आसानी मिलेगी। आयोग ने अपनी चिंताएं जताईं, लेकिन कोर्ट ने इसे मंजूर कर लिया।

प्रदर्शन के ...

उन्होंने कहा कि इसके पीछे कोई गहरी साजिश हो सकती है। अंतरिम पीएम ने इस हिंसा के पीछे की साजिश को उजागर करने के लिए उच्चस्तरीय जांच के भी आदेश दिए हैं। सुशीला कार्की ने कहा, इस हिंसा में अगर नेपाली लोग शामिल हैं तो हमें शर्म आनी चाहिए। यह किसी बड़ी साजिश का नतीजा हो सकता है। तोड़फोड़ की घटना में शामिल लोगों की जांच की जाएगी। मैं और मेरी टीम यहां सत्ता का स्वाद चखने नहीं आए हैं। हम छह महीने से ज्यादा नहीं रुकेंगे। हम नई संसद को जिम्मेदारी सौंप देंगे। आपके सहयोग के बिना हम सफल नहीं हो पाएंगे।नेपाल की सरकार ने पुष्टि की हिंसक प्रदर्शन के दौरान 72 लोगों की मौत हुई है। मुख्य सचिव एक नारायण आर्यल ने देश की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान यह आंकड़ा पेश किया। आर्यल ने यह भी कहा कि प्रदर्शन में घायल 191 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हिंसा में देश को 3 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। नेपाली अर्थशास्त्री चंद्रमणि अधिकारी ने बताया कि यह आंकड़ा देश के 1.5 साल के बजट के बराबर है। उन्होंने कहा, मोटे अनुमान के अनुसार इस वित्तीय वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर एक प्रतिशत से कम रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह नुकसान नेपाल में हाल ही में पड़े सूखे से भी कहीं ज्यादा है। इसके अलावा मार्च 2026 में होने वाले चुनाव समय से दो साल पहले होने जा रहे हैं, इसमें भी 3000 करोड़ खर्च होने की उम्मीद है।

विधायक हो...

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इस मामले में विधायक खान और अन्य आरोपियों के खिलाफ सबूत एक जैसे हैं। अलग-अलग ट्रायल चलाने से गवाहों को बार-बार बुलाना पड़ेगा, जिससे बेवजह देरी होगी और विरोधाभासी फैसले आने का खतरा भी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भले ही विधायकों से जुड़े मामलों का जल्द निपटारा होना चाहिए, लेकिन यह निष्पक्ष सुनवाई की कीमत पर नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी आरोपित को केवल राजनीतिक पद के कारण अलग ट्रायल की अनुमति देना सही नहीं है। इस फैसले के बाद, विधायक मामन खान का मामला दोबारा ट्रायल कोर्ट को भेज दिया गया है, जहां विधायक का ट्रायल अब बाकी आरोपियों के साथ ही होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इसी फैसले में कुछ जॉइंट ट्रायल के प्रिंसिपल भी तय किए है। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि आमतौर पर हर आरोपित का ट्रायल अलग-अलग होता है, लेकिन अगर अपराध एक ही घटना का हिस्सा हों, तो जॉइंट ट्रायल हो सकता है। यह फैसला जज की बुद्धिमानी पर निर्भर करता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जॉइंट या अलग ट्रायल का फैसला शुरुआत में ही किया जाना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि फैसला लेते समय यह देखना जरूरी है कि क्या जॉइंट ट्रायल से किसी आरोपित को कोई नुकसान हो सकता है या इससे सुनवाई में देरी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि एक ट्रायल में जिन सबूतों का इस्तेमाल किया गया है, वहीं सबूत दूसरे ट्रायल में इस्तेमाल नहीं हो सकते हैं। इसलिए, अलग-अलग ट्रायल से कानूनी प्रक्रिया में दिक्कतें आ सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई भी फैसला सिर्फ इसलिए रद्द नहीं किया जाएगा कि जॉइंट या अलग ट्रायल संभव था। कोर्ट तभी दखल देगा जब आरोपी का असलियत में कोई नुकसान हुआ हो।

मांझी की हठ...

जीतन राम मांझी का यह कहना अंदरूनी खटास की स्थिति बताता है। हालांकि मांझी यह कह रहे हैं कि वे एनडीए के प्रति समर्पित हैं, लेकिन वे अपनी मांग पर भी अड़े हैं। मांझी ने कहा, हमने लोकसभा चुनाव में भी हर बात स्वीकार की थी। एनडीए गठबंधन में हमें प्रतिष्ठा मिली है, लेकिन हमारे लिए मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं की भी कुछ उम्मीदें हैं। यह उम्मीदें पूरी करने का बिहार विधानसभा चुनाव एक मौका है और हम एनडीए को जिताने के लिए हर तरह से ताकत झोंकने को तैयार भी हैं। लेकिन, इस बार चुनाव में एनडीए के अंदर हमें बिहार की 20 सीटें चाहिए। हमने यह मांग रखी है। बात कर रहे हैं। लेकिन, अगर बात नहीं बनी तो 100 सीटों पर भी प्रत्याशी उतार सकते हैं।पिछले बिहार चुनाव 2020 में हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा ने 7 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे। उनमें से चार पर जीत मिली थी, जबकि एक सीट पर इसके प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गई थी। 2020 के चुनाव में जीतन राम मांझी भी विधायक बने थे और उनके बेटे भी। जब 2020 के जनादेश से अलग होकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार महागठबंधन में चले गए थे तो मांझी उनके साथ रहे थे। बाद में नीतीश-मांझी के बीच गतिरोध बढ़ा और वह मुख्यमंत्री के पहले भारतीय जनता पार्टी के साथ वापस आ गए। 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें एनडीए ने संसदीय चुनाव में उतरने का मौका दिया और वह जीते तो सांसद के साथ केंद्रीय मंत्री भी बने। उनकी छोड़ी हुई विधानसभा सीट उप चुनाव में भी उनकी पार्टी के पास ही रह गई।

उधर, राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर इंडी गठबंधन की एकता का संतुलन बिगाड़ दिया है। इस घोषणा का मतलब ही है कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की हठधर्मिता इंडी एकता में बाधा बन रही है। शनिवार को मुजफ्फरपुर में आयोजित एक जनसभा में राजद नेता तेजस्वी यादव ने एक बड़ा ऐलान करते हुए सियासी सरगर्मियां बढ़ा दी हैं। तेजस्वी ने खुले मंच से कहा, राजद बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। चाहे बोचहां हो या मुजफ्फरपुर, तेजस्वी लड़ेंगे। मेरी आप सभी से अपील है कि मेरे नाम पर वोट करें। तेजस्वी बिहार को आगे ले जाने की दिशा में काम करेंगे। हम सभी को मिलकर काम करना चाहिए और इस सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए।

तेजस्वी यादव, जो विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में वोटर अधिकार यात्रा का हिस्सा थे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा द्वारा लोगों के वोट के अधिकार को छीनने का प्रयास किया जा रहा है। यादव की यह अपील ऐसे समय में आई है जब महागठबंधन में पहले से ही जटिल सीट बंटवारे की बातचीत हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा और पशुपति पारस के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी के शामिल होने से और भी पेचीदा हो गई है।राष्ट्रीय जनता दल ने 2020 के बिहार चुनाव में गठबंधन के हिस्से के रूप में 144 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ा था और 75 में जीत हासिल की थी, जिससे वह सबसे बड़ी पार्टी बन गई थी। कांग्रेस, जिसे 70 सीटें आवंटित की गई थीं, उसने 19 सीटें जीतीं, लेकिन पार्टी इस बार खुद को अधिक मजबूत स्थिति में देख रही है, क्योंकि उसका मानना है कि मतदाता अधिकार यात्रा और उसके वोट चोरी संदेश ने बिहार के लोगों को प्रभावित किया है और राहुल गांधी तथा पार्टी दोनों की लोकप्रियता में वृद्धि हुई है।

कांग्रेस के राज्य प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने इस सप्ताह की शुरुआत में संकेत दिया था कि राजद को कुछ सीटें छोड़ देनी चाहिए और अधिक सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा था कि हमारा हमेशा से मानना रहा है कि यदि गठबंधन में नई पार्टियां आती हैं, तो हर पार्टी को अपनी ओर से योगदान देना होगा। उन्होंने कहा कि हर राज्य में (जीतने की संभावना के लिहाज से) अच्छी और बुरी सीटें होती हैं और हमारा मानना है कि एक पार्टी को सभी अच्छी सीटें और दूसरी को बुरी सीटें नहीं मिलनी चाहिए। सीटों के बंटवारे में अच्छी और बुरी सीटों के बीच संतुलन होना चाहिए।कांग्रेस कम से कम 70 निर्वाचन क्षेत्र चाहती है। जितनी सीटों पर उसने पिछली बार चुनाव लड़ा था, जबकि राजद चाहती है कि अन्य सहयोगियों को समायोजित करने के लिए यह संख्या कम रखी जाए। ऐसा समझा जाता है कि विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश साहनी ने अधिक हिस्सेदारी की मांग की है और वामपंथी दलों (सीपीआई, सीपीआई-एम और सीपीआई-एमएल), जिनके पास 15 विधायक हैं। उन्होंने भी इसी तरह का दबाव बनाया है।भाजपा ने तेजस्वी यादव की इस टिप्पणी पर कहा कि जिन्होंने पहले राहुल गांधी की उपस्थिति में खुद को गठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया था। भाजपा ने तेजस्वी की इस टिप्पणी को राजद के सहयोगियों पर दबाव बनाने के प्रयास के रूप में देखा और कहा कि लोग केवल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर वोट देंगे। भाजपा प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव जी, सपने देखना बंद कीजिए। आप में अकेले सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की ताकत नहीं है। आप ऐसे बयानों से कांग्रेस और अपने सहयोगियों पर दबाव बनाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन बिहार की जनता को आप पर भरोसा नहीं है। आप उन्हें चारा घोटाला और ज़मीन के बदले नौकरी घोटाले की याद दिला रहे हैं। जनता एनडीए को और नीतीश कुमार व प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर वोट देगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 15 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण का भव्य शुभारंभ

श्रीमद्भागवत महात्म्य की महिमा के साथ भक्ति का उत्सव

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री हैदराबाद सिकंदराबाद लोहाणा महाजन, लव फॉर काऊ फाउंडेशन एवं हैदराबाद सुंदरकांड मंडल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को बड़ीचावड़ी स्थित श्री जलाराम बापा मंदिर में श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण का भव्य आयोजन आरंभ हुआ। अश्विन मास (पितृ पक्ष) के पावन अवसर पर यह कार्यक्रम सर्वजन हिताय, सर्वदेह, धन, विद्या, आयु, आरोग्य, सुख, समृद्धि, ऐश्वर्य तथा पितृ मोक्ष प्रदान के संकल्प के साथ आयोजित किया गया।

सैकड़ों भक्तों की उपस्थिति में कथा वाचक देवी स्वीकृति जी अच्युत रामानुज ने अपनी पवित्र वाणी से श्रीमद् भागवत पारायण का शुभारंभ किया, जिसमें श्रीमद्भागवत महात्म्य और महापुराण की महिमा को विशेष रूप से उजागर किया गया। इस आयोजन की शुरुआत प्रातः 10:11 बजे 108 कलशों के साथ श्री जलाराम मंदिर से निकली पोथी यात्रा से हुई, जो शहर में भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर पहुंची। यात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके पश्चात सुंदरकांड महिला मंडल ग्रुप की सदस्यों-मीनाबेन ठक्कर, दीपिका पौराना, शैलाबेन पौराना, सारिजबेन खिरैया, उमाबेन राजा, धीरजबेन पोपट, दक्षा घेलानी एवं कुसुमबेन ठक्कर-ने सामूहिक आरती की, जो भक्तों के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत बनी।

रविवार के याजमानों में महादेवजी (बेंगलुरु), राजेंद्र सोलंकी (बेंगलुरु), आर. के. जैन, जीवराम भाई पटेल, कांताबेन पटेल एवं रमेश भाई मजीठिया अपने परिवार सहित उपस्थित रहे।

इसके अलावा जगन्नाथ मठ के महंत अच्युत रामानुजाचार्य, स्वामी कमलेश महाराज, श्री गुजराती प्रगति समाज के अध्यक्ष गोविंददास शाह, जसमत पटेल, राजेश रमानी, मुकेश बदियानी, तरूण मेहता, दद्दू पटेल, दक्ष पटेल, पूजा पटेल, रंजना शाह, भारती पटेल, कांताबाई अग्रवाल, मधुबाला उपाधयाय, आलोक प्रसाद तिवारी, दुर्गा प्रसाद जी दुबे, गोपाल जी सोनी, निर्मला बाई सोनी, श्री जगन्नाथ मठ के बटुक ब्राह्मण, गौ भक्त बालकृष्ण तथा सैकड़ों अन्य भक्तों ने इस पवित्र सभा में भाग लिया।कथा वाचक देवी स्वीकृति जी अच्युत रामानुज ने कथा का शुभारंभ करते हुए भक्ति की पराकाष्ठा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, जब भक्त की भक्ति की पराकाष्ठा हो जाती है, तब भगवान भक्त की जय-जय करने लगते हैं। आज हम जिनके द्वार पर बैठे हैं, उनकी शुरुआत भक्त के रूप में हुई थी, लेकिन भक्ति की पराकाष्ठा से वे भगवत् स्वरूप हो गए। इसलिए आज जलाराम बापा महाराज भगवत् स्वरूप हैं। उन्होंने आगे जोड़ा कि श्रीमद् भागवत पुराण भक्त को भगवान के स्वरूप में ही परिवर्तित कर देता है। यह कोई साधारण ग्रंथ नहीं, बल्कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण, नारायण और जगन्नाथ का रूप है। कलियुग में मनुष्य माया और मोह से बंधा रहता है, इसलिए भगवान ने व्यास जी को नारद जी के माध्यम से इसकी रचना की प्रेरणा दी। व्यास जी स्वयं विष्णु रूप हैं, और उनके द्वारा रचित यह ग्रंथ भगवान का ही स्वरूप है।देवी स्वीकृति जी ने विशेष रूप से श्रीमद्भागवत महात्म्य पर जोर देते हुए कहा कि यह स्कंद पुराण के वैष्णव खंड का अंश है, जो श्रीमद्भागवत महापुराण के महत्व और महिमा का वर्णन करता है।

यह भगवान कृष्ण की लीलाओं और उनकी असीम शक्ति का वर्णन करता है, जिससे मनुष्य को भक्ति, ज्ञान और मुक्ति का मार्ग प्राप्त होता है। श्रीमद्भागवत महात्म्य श्रोताओं के मन को शुद्ध करता है, संशय दूर करता है, और अंततः मोक्ष प्रदान करता है, जिससे कलियुग में जीवन का सच्चा अर्थ प्राप्त होता है। इसे कलियुग में साक्षात भगवान श्रीहरि का रूप माना जाता है, और इसका पठन-पाठन एवं श्रवण करने से करोड़ों पुण्यों का फल मिलता है। यह ग्रंथ भक्ति, ज्ञान, वैराग्य का मार्ग दिखाता है तथा आत्मा को उच्च लोकों की ओर ले जाता है। श्रीमद्भागवत का श्रवण-मनन करने से सभी दुखों का नाश होता है, मन शुद्ध होता है, संशय दूर होते हैं, तथा शांति और मुक्ति प्राप्त होती है। यह आध्यात्मिक विकास के लिए जन्म-जन्मांतर के विकारों को नष्ट करता है, और प्राणी मात्र का लौकिक एवं आध्यात्मिक उन्नयन करता है।

श्रीमद्भागवत महापुराण को वेदों और उपनिषदों का सार माना जाता है, जो ईश्वरीय ज्ञान में सफलता प्रदान करता है। यह भक्ति देवी की यात्रा और पुनरुत्थान का प्रतीक है, तथा सभी शास्त्रों का सार है। कलियुग में यह महापुराण मोक्ष का सर्वोच्च साधन है, जो आत्मा को संसार के बंधनों से मुक्त कर भगवान के चरणों में स्थापित करता है। देवी स्वीकृति जी ने जोर देकर कहा कि भगवान की दया के बिना सत्संग प्राप्त नहीं होता, और श्रीमद्भागवत कथा सुनने से जीवन में मंगल और आनंद की प्राप्ति होती है, बशर्ते हम इसके रस को अपने जीवन में उतारें।

यह आयोजन न केवल भक्तों को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान कर रहा है, बल्कि कलियुग में श्रीमद्भागवत की महिमा को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम भी बन रहा है। सप्ताह भर चलने वाले इस पारायण में और अधिक भक्तों के शामिल होने की उम्मीद है, जो पितृ पक्ष के दौरान विशेष फलदायी सिद्ध होगा।

भारत डायनामिक्स लिमिटेड को राजभाषा कीर्ति राष्ट्रीय पुरस्कार

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल), रक्षा मंत्रालय, हैदराबाद को हिंदी दिवस 2025 के राष्ट्रीय समारोह के दौरान क्षेत्र 'ग' के अंतर्गत उपक्रमों में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए प्रतिष्ठित राजभाषा कीर्ति राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने वर्ष 2024-25 की अवधि के लिए प्रदान किया। पुरस्कार बीडीएल के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री एन. सत्यनारायण ने ग्रहण किया।

इस अवसर पर राज्य सभा के सांसद श्री दिनेश कुमार, प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं लेखक श्री रंगनाथन, और राजभाषा विभाग की सचिव श्रीमती अंशुली आर्य उपस्थित थीं। समारोह में अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी शिरकत की, जिसने इस आयोजन को और गरिमामय बनाया।

बीडीएल के लिए यह पहला अवसर है जब उपक्रमों की श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इससे पहले, बीडीएल को वर्ष 2011 से 2024 के बीच उपक्रमों की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उत्कृष्ट कार्यों के लिए पांच बार राष्ट्रीय स्तर पर और सात बार क्षेत्रीय स्तर पर राजभाषा सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। यह उपलब्धि कंपनी के राजभाषा के प्रति निरंतर समर्पण और कार्यस्थल पर हिंदी के प्रभावी उपयोग को दर्शाती है।इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बीडीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमोडोर ए. माधवराव (सेवानिवृत्त) ने सभी कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विशेष रूप से राजभाषा विभाग के उप महाप्रबंधक श्री होमनिधि शर्मा, उप प्रबंधक डॉ. नरसिंहम शिवकोटि, और समस्त राजभाषाकर्मियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए बधाई दी।

गोविंद राठी 53वें रामायण मेले के प्रधान संयोजक मनोनीत

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

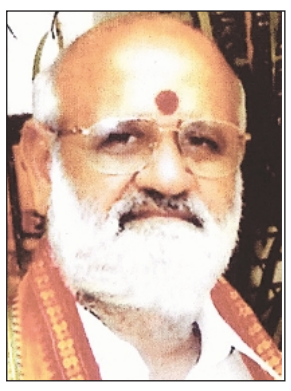

राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल ने समाज के महामंत्री, सामाजिक कार्यकर्ता और भाजपा नेता गोविंद नारायण राठी को 53वें रामायण मेले का प्रधान संयोजक मनोनीत किया है। यह मेला सोमवार, 22 सितंबर से गुरुवार, 2 अक्टूबर तक नुमाइश मैदान में एग्जीबिशन समिति और इकोनॉमिक कमेटी के सहयोग से आयोजित होने जा रहा है।

कमल नारायण अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गोविंद राठी को प्रधान संयोजक इसलिए मनोनीत किया गया है क्योंकि उनके प्रयासों से विगत कई वर्षों से रामायण मेले की सफलता और व्यापकता में लगातार वृद्धि हुई है।

इस मनोनयन पर गोविंद राठी ने राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल, कार्यकारिणी समिति के सदस्यों और रामायण मेले के पदाधिकारियों व सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे पूर्ण निष्ठा और अपने साथियों के सहयोग से 53वें रामायण मेले को अभूतपूर्व बनाने का पूरा प्रयास करेंगे।

गोविंद राठी ने आगे बताया कि 52 वर्ष पूरे होने के बाद इस साल 53वें वर्ष को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मेले में कवि सम्मेलन, डांडिया, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रावण दहन और श्री राम जी का राज्याभिषेक जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह सब लोगों के सहयोग से ही संभव होगा।गोविंद राठी ने आगे की जानकारी देते हुए बताया कि रामायण मेले की अगली बैठक सोमवार, 15 सितंबर को राजस्थानी प्रगति समाज के कार्यालय में दोपहर 4 बजे आयोजित की जाएगी। इस बैठक में अलग-अलग समितियों का गठन किया जाएगा। गोविंद राठी ने सभी हिंदू भाइयों से इस वर्ष 53वें रामायण मेले में भाग लेकर इसका लाभ उठाने का आह्वान किया और उनसे बैठक में शामिल होने का भी निवेदन किया।

एनएमडीसी को 'ग' क्षेत्र में राजभाषा कीर्ति प्रथम पुरस्कार से सम्मानित

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा 14 सितंबर 2025 को गांधीनगर, गुजरात में आयोजित हिंदी दिवस समारोह और पंचम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान वर्ष 2024-25 के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कारों का वितरण किया गया।

इस प्रतिष्ठित समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने की। देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क खनन कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड को 'ग' क्षेत्र में स्थित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की श्रेणी में राजभाषा कीर्ति प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान एनएमडीसी की निदेशक (कार्मिक) एवं निदेशक (वित्त) अतिरिक्त प्रभार श्रीमती प्रियदर्शिनी गद्दम ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री बंडी संजय कुमार के कर-कमलों से ग्रहण किया। इस अवसर पर केंद्रीय विधि और न्याय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र भाई पटेल, संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तृहरि मेहताब सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एनएमडीसी को यह पुरस्कार हिंदी के प्रचार-प्रसार और कार्यालयी कार्यों में राजभाषा के प्रभावी उपयोग के लिए प्रदान किया गया। यह सम्मान कंपनी की उन नीतियों और प्रयासों का प्रमाण है, जिनके तहत उसने कार्यस्थल पर हिंदी को बढ़ावा देने के लिए निरंतर नवाचार और समर्पण दिखाया है। इस उपलब्धि ने एनएमडीसी की प्रतिबद्धता को राष्ट्रीय स्तर पर और सशक्त किया है, जो न केवल खनन क्षेत्र में बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारियों में भी अग्रणी है।

पितृ पक्ष की अष्टमी पर मां दुर्गा की कृपा संस्था द्वारा अन्नदार

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मां दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पितृ पक्ष के पावन अवसर पर पितरों के निमित्त अन्न प्रसाद वितरण का पुण्य कार्य निरंतर किया जा रहा है। पितृ पक्ष की अष्टमी तिथि पर, संस्था ने बागरा चावल, रायता और जल के रूप में प्रसाद का वितरण किया। इस अवसर पर लगभग दो सौ लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया, जिससे पितृगण हर्षित होकर अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए तृप्त हुए।

इस सेवा कार्य में संस्था के संस्थापक श्री विनय किशोर तायल, श्री योगेश खत्री और श्रीमती मीता खत्री ने मिलकर सक्रिय योगदान दिया। उनकी देखरेख में यह आयोजन सुचारू रूप से संपन्न हुआ, जिसमें भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मां दुर्गा की कृपा संस्था पूरे पितृ पक्ष के दौरान पितरों के लिए अन्न प्रसाद वितरण के इस पुण्य कार्य को समर्पित भाव से कर रही है, जिससे समाज में श्रद्धा और सेवा का संदेश प्रसारित हो रहा है।संस्था के इस कार्य ने न केवल पितृ पक्ष की महत्ता को उजागर किया, बल्कि सामाजिक एकता और परोपकार की भावना को भी मजबूत किया। यह आयोजन पितरों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक बनकर उभरा है, जो आध्यात्मिक और सामाजिक स्तर पर सराहनीय है।

राधे राधे ग्रुप के नियमित अन्नदान के तीसरे केंद्र का शुभारंभ आज

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद के सौजन्य से कल 15 सितंबर (सोमवार) प्रातः 9 बजे निःशुल्क अन्नदान कार्यक्रम के तीसरे केंद्र का शुभारंभ इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (इख-उक्ठख), बंजारा हिल्स परिसर में किया जाएगा।

आज यहां जारी संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में राधे राधे ग्रूप हैदराबाद के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल ने उक्ताशय की जानकारी देते हुए बताया कि निशुल्क अन्नदान केन्द्र का उद्घाटन प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति नरेन्द्र कुमार गोयल मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे।उल्लेखनीय है कि राधे राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले एक वर्ष से अधिक समय से नामपल्ली पब्लिक गार्डन (पिलर नंबर 1265 के पास) पर प्रतिदिन प्रातः 7:01 बजे नियमित अन्नदान (अल्पाहार) सेवा कर रहा है। इसके अतिरिक्त, बेगम बाजार भूदेवी माता गौशाला के पास लगभग तीन महीने से प्रतिदिन प्रातः 7:31 बजे अन्नदान सेवा संचालित की जा रही है।इसी सेवा भावना की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए राधे राधे ग्रुप आगामी 15 सितंबर को बंजारा हिल्स स्थित इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में यह नया अन्नदान केंद्र प्रारंभ करने जा रहा है।

सभी भाई, बहनों एवं मेंबर्स से निवेदन है कि कृपया अपना कीमती समय निकालकर इस सेवा में अपना सहयोग प्रदान करें एवं समय पर कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु आप सभी सुबह 8:30 बजे तक अवश्य पहुँच जाएँ।

श्रीकृष्ण कथा का भव्य शुभारंभ

मन ही बंधन और मोक्ष का कारण है : साध्वी आस्था भारती

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री चिन्ना अनंतगिरि शिवालयम, अत्तापुर, हैदराबाद में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण कथा का शुभारंभ 14 सितंबर 2025 को प्रातः 9:30 बजे मंगल कलश यात्रा के साथ हुआ। यह सप्ताह भर चलने वाला आयोजन (14 से 20 सितंबर 2025) भक्तों के लिए आध्यात्मिक उत्साह का केंद्र बना।

मंगल कलश यात्रा का प्रारंभ श्रीराम मंदिर, पिलर नं. 143 से हुआ, जिसमें कार्पोरेटर मोंड्रा संगीता, एम. मल्ला रेड्डी, एम. कोमरैया, राजु पहलवान, विजय कुमार, बाबुलाल जोशी, श्याम अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, श्रीकिशन पंचारिया, पवन भारती, सुरेश कुमार मोदी, लक्ष्मी कांत व्यास, प्रकाश भाटी, और राजेश शर्मा ने शुभारंभ किया। परंपरागत मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापना हुई, और सैकड़ों महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर यात्रा में भाग लिया। यात्रा के बाद भंडारे का आयोजन हुआ।

सायंकाल में श्रीकृष्ण कथा का शुभारंभ श्रीकृष्ण वंदना से हुआ। कथाव्यास साध्वी आस्था भारती जी ने सूरदास जी के पदों के माध्यम से उनके जीवन को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, मन ही बंधन और मोक्ष का कारण है। काम, क्रोध, लोभ, मोह, और अहंकार मन को अंधकारमय बनाते हैं, लेकिन भगवान के चरणों में समर्पित मन मोक्ष का मार्ग दिखाता है। उन्होंने भगवद्गीता के श्लोक मन्मना भव मद्भक्तों मद्याजी मां नमस्कुरु का उल्लेख कर गुरु की महत्ता बताई।

साध्वी जी ने कहा कि ज्ञान अंजन प्राप्त कर मानव के भीतर एक अलौकिक परिवर्तन घटता है। एक स्वार्थी जीव परमार्थी, एक अत्याचारी सदाचारी बन जाता है। ऐसा ही अद्भुत परिवर्तन हुआ था, डाकू अंगुलिमाल के जीवन में। कपिलवस्तु के नरेश शुद्धोदन का राजतंत्र जिस अंगुलिमाल का बाल भी बांका न कर पाया था, उसे महात्मा बुद्ध के ज्ञान ने अहिंसक बना दिया। गणिका वेश्या, सज्जन ठग आदि पापकर्मों में लिप्त जीवात्माएँ भी सद्गुरु का सान्निध्य पाकर मन को मोक्ष की ओर ले गए। पतन के गर्त में गिरे जीव को श्रेष्ठता के शिखरों पर ला खड़ा करना, उसे परमात्मा से मिला देना– यही इस सृष्टि का सबसे बड़ा चमत्कार है। ब्रह्मज्ञान द्वारा मन की दिशा को परिवर्तित कर एक पूर्ण सद्गुरु इस चमत्कार को हर इक जीव के भीतर करते हैं। ब्रह्मज्ञान की वर्षा ही मानव के कलुषित मन को धोकर पाशविकता में सने समाज को रहने योग्य बना सकती है। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के दिव्य मंच से साध्वी जी ने अंतिम क्षणों में आवाह्न किया– स्वयं को बदलकर, समाज को बदलने के लिए प्रयास करें।

आयोजन में स्वामी प्रदीपानंद जी, साध्वी भावना भारती जी, और साध्वी साक्षी भारती जी उपस्थित रहीं। मुख्य यजमान स्व. सीता देवी और श्री बगदाराम जी कुमावत, तथा प्रथम दिवस के यजमान श्री एम.एस. राव जी और श्री राकेश कुमार जी शर्मा थे। अतिथियों में श्री गोपाल जी जाजु, श्री भगवान दास जी लाहोटी, श्री सीताराम जी झंवर, श्री भाकर राम जी कुमावत, जुगल पारीक, विमल खांडेलवाल, लक्ष्मी निवास सारडा, बजरंग लाल नागपुरिया और अन्य शामिल रहे। कथा का समापन आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। यह आयोजन भक्तों को श्रीकृष्ण की भक्ति में डुबोने और समाज में सकारात्मकता लाने का संदेश दे रहा है।

भाजपा की सनतनगर में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य अतिथि श्रीशैलम के साथ डिवीजन अध्यक्ष नरेश और जनरल सेक्रेटरी सत्यनारायण ने भाग लिया। इस बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। इनमें सुधाकर, भाजपा नेता सपना गुप्ता, वरिष्ठ नेता दयानंद, कांति, चंद्रशेखर, वामसी, सीनू, सुब्बाराव, मांडवी और अश्विनी सहित कई अन्य प्रमुख सदस्य शामिल थे।

आईआईआईडी हैदराबाद ने एक शानदार समारोह में अपनी नई प्रबंधन समिति (2025–27) को पदभार ग्रहण कराया। इस अवसर पर, आर्किटेक्ट एन. प्रवीण कुमार ने आईआईआईडी–एचआरसी के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईआईआईडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष–निर्वाचित और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, आर्किटेक्ट जिग्नेश मोदी, ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।यह समारोह डिजाइन नेतृत्व का जश्न मनाने और नई टीम का स्वागत करने के लिए आयोजित किया गया था।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा 17 सितंबर को आयोजित होने वाले मेगा रक्तदान शिविर के बैनर का अनावरण करतीं हुईं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण। साथ में हैं युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा एवं अन्य।

सिखवाल ब्राह्मण समाज ने राष्ट्रीय नेताओं का किया सम्मान

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऋषि श्रृंग भवन में सिखवाल ब्राह्मण समाज, नागौर पट्टी क्षेत्रीय द्वारा समाज के राष्ट्रीय नेताओं का भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। इस अवसर पर पुष्कर से पधारे राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजमल पांडिया, कोटा से बद्रीलाल श्रृंगी और धुलिया से मुरलीधर पांडे का नगर आगमन हुआ।सिखवाल ब्राह्मण समाज के सदस्यों ने इन गणमान्य व्यक्तियों को शाल, माला और साफा पहनाकर सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह समाज में उनके योगदान और नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए आयोजित किया गया था।इस अवसर पर रामदेव नागला, अनील जायलवाल, श्रीनिवास नागला, रूपचंद व्यास, संदीप जायलवाल, श्याम ओझा सहित समाज के कई अन्य प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज, मलकपेट शाखा की कार्यकारिणी बैठक में आगामी अग्रसेन जयंती पर चर्चा

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, मलकपेट शाखा की कार्यकारिणी बैठक हाल ही में मलकपेट स्थित भाग्यलक्ष्मी ढाबा में आयोजित की गई। इस बैठक में समाज के सदस्यों ने विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की।शाखा द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक की शुरुआत महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा और सामूहिक प्रार्थना के साथ हुई। शाखा अध्यक्ष पंकज कुमार संघी ने उपस्थित सभी सदस्यों का अभिनंदन किया। मानद मंत्री प्रदीप बंसल ने पिछले महीने में आयोजित कार्यक्रमों, जैसे 'सावन की सैर', स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण, युवा मोर्चा द्वारा तिरंगा बाइक रैली, गणेश जी की स्थापना और मासिक अन्न प्रसाद के सफल आयोजन का विस्तृत विवरण दिया। इन सफल आयोजनों के लिए सभी संयोजकों को बधाई दी गई।बैठक में मुख्य रूप से आगामी 22 सितंबर को होने वाली अग्रसेन जयंती समारोह की तैयारियों पर चर्चा हुई। अध्यक्ष पंकज संघी ने सभी सदस्यों और उनके परिवारों से इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की।इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, मंत्री प्रदीप बंसल, संयुक्त मंत्री शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सतनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य सुरेश पटवारी और गोविंद मोदी, परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल और ओम प्रकाश पचेरिया, श्यामसंदर अग्रवाल, संजीव गोयल, आनंद अग्रवाल, जीतेश सिंघानिया, निश्चित अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, श्रवण अग्रवाल, और लालचंद सिंघल सहित कई सदस्य उपस्थित थे। बैठक का समापन संयुक्त मंत्री शैलेश अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन और सहभोज के साथ हुआ।

श्री महासर माता, पंडित गणेश नारायणजी, गुरु गद्दी और अग्रसेन जी का मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोरो पर

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार के चूड़ी बाजार स्थित श्री खेमदास मठ में महासर माता, पंडित गणेश नारायणजी, अग्रसेनजी महाराज, हरिपुरुषजी महाराज, खेमदासजी महाराज और बालकदासजी महाराज के मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों को लेकर आज एक सभा का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य संयोजक शशि कांत अग्रवाल और दिनेश अग्रवाल ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह बसंत पंचमी यानी 23 जनवरी 2026 को होगा। इससे पहले, 19 जनवरी 2026 को सुबह एक भव्य कलश और ध्वज यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद, प्रतिदिन यज्ञ, पूजा, प्रसादी और भजन-कीर्तन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से भजन गायक हिस्सा लेंगे।यह पूजा और यज्ञ कार्यक्रम श्री मठाधिपति डॉ.मनुदास जी महाराज और वेदाचार्य सुनील महाराज (सोनू महाराज) के सानिध्य में आयोजित होगा। मंदिर का निर्माण कार्य श्री गणेश फाउंडेशन और श्री महासर माता भक्त मंडल के नेतृत्व में चल रहा है। सभी मंदिरों का निर्माण मकराना के पत्थरों से बेहतरीन शिल्प कला के साथ किया जा रहा है।अग्रवाल समाज तेलंगाना के संस्थापक और प्रथम अध्यक्ष शरद बी. पित्ती और अजीत गुप्ता ने आज मठ का दौरा कर कार्य की जानकारी ली और उसकी सराहना की। उन्होंने 500 वर्ष प्राचीन बालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना भी की।प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए एक संयोजक मंडल का गठन किया गया है। इच्छुक भक्त जो अपनी सेवाएं देना चाहते हैं, वे किसी भी संयोजक से संपर्क कर अपना नाम लिखवा सकते हैं।इस अवसर पर शशि कांत अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, विकास मोदी, शिशिर केडिया, गोपाल अग्रवाल, विजय अग्रवाल, गोपाल डी आर, नवरता कनोड़िया, मनीष अग्रवाल, रवींद्र अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल, टी. ओमप्रकाश सिंह, दिनेश सिंघल, विद्या बाई, सीमा अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, ममता अग्रवाल, नविता अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, रेणु अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, धर्मदास पुजारी, राजेश पुजारी और अन्य उपस्थित थे।

तेरापंथ युवक परिषद् ने साइक्लोथोन और जुंबा फिटनेस सत्र का आयोजन

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ युवक परिषद्, हैदराबाद ने मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव 2.0 के समर्थन में नेकलेस रोड पर संडे ऑन साइकल और 'जुंबा फिटनेस' सत्र का भव्य आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ 'नशा मुक्त युवा' का संदेश जन-जन तक पहुँचाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत में परिषद् के 100 से अधिक युवाओं ने तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में विराजित आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री गवेषणाश्री जी के दर्शन किए। साध्वीश्री जी ने युवाओं को नशा मुक्त रहने और संगठन के महत्व को समझने का आह्वान किया।

साध्वी जी से प्रेरणा लेने के बाद सभी युवक नेकलेस रोड स्थित थ्रिल सिटी पहुँचे। वहाँ, उन्होंने स्नेहा नाहर और उनकी टीम के मार्गदर्शन में जुंबा गतिविधियों के माध्यम से फिटनेस के गुर सीखे। इसके बाद, युवाओं ने साइकिल रैली के माध्यम से 'नशा मुक्त युवा' का संदेश फैलाया, जिसका उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव की अलख जगाना था।

इस साइकिल रैली को भारतीय खेल प्राधिकरण की सहायक संचालिका निशा विद्यार्थी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगर युवा शक्ति नशा मुक्त और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो जाए, तो वह समाज को एक नई दिशा दे सकती है। इस दौरान, सभी प्रतिभागी 17 सितंबर को होने वाले रक्तदान अभियान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव' की टी-शर्ट पहने हुए थे।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तेरापंथ युवक परिषद् के अध्यक्ष राहुल गोलछा और मंत्री नीरज सुराणा के नेतृत्व में महीनों से तैयारियां चल रही थीं। कार्यक्रम के संयोजक उपाध्यक्ष श्री ललित लूणिया और सह-मंत्री श्री मनीष बुच्चा सहित ऋषभ चिंदालिया, जय जैन, रुद्र बैद, रौनक मेहर और हिमांशु दुगड़ जैसे किशोर मंडल के सदस्यों ने भी अथक प्रयास किए।

तेलंगाना एमबीडीडी प्रभारी राहुल श्यामसुखा, विशाल आंचलिया, मनोज बोथरा और श्रेणिक गोलछा का भी इस आयोजन को सफल बनाने में विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। जैन कंस्ट्रक्शन के प्रवीण जैन और सुरेश जैन के आर्थिक सहयोग से यह महाअभियान सफल हो सका। इसके अलावा, थ्रिल सिटी में स्थान उपलब्ध कराने के लिए तेलंगाना माइनॉरिटी बोर्ड के सदस्य हिमांशु बाफना का भी तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, SAMA PARVEEN is legally wedded spouse of Army No. 6947392L NK Abdul Hamid Ahemad Ansari R/o.Vill & Post:Walni Mine, Teh: Saoner, Dist:Nagpur, Maharashtra 441102 have changed my name from SAMA PARVEEN to SAMA PARVEEN ABDUL HAMID AHEMAD ANSARI vide affidavit 13/09/25 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No.6947392L NK Abdul Hamid Ahemad Ansari of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Son name is changed from AYAN ANSHARI to AYAN ABDUL HAMID AHEMAD ANSARI and my another son name is also changed from ZAID ANSARI to ZAID ABDUL HAMID AHEMAD ANSARI and my another son name is also changed from USMAN ANSARI to USMAN ABDUL HAMID AHEMAD ANSARI

CHANGE OF NAME
I, No.6947653N NK SIRSATH SANJAY TEJRAO of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother name is changed from MIRABAI to MIRABAI TEJRAO SIRSATH and my father name is also changed from TEJRAO SIRSATH to TEJRAO YESHVANTA SIRSATH

CHANGE OF NAME
I, No.15824405X Sep Naveen Yadav of 1 trg bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother name is changed from RUSAVTI YADAV to ROOSAVATEE YADAV

चेन्नूर के विकास और जन कल्याण पर विशेष ध्यान : मंत्री गद्दम

चेन्नूर, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रम, रोजगार प्रशिक्षण, कारखाना, खान एवं भूमिगत राज्य मंत्री, गद्दाम विवेकानंद ने शनिवार को चेन्नूर में कहा कि सरकार राज्य के साथ-साथ चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र के विकास और जन कल्याण पर विशेष ध्यान देगी।

इस अवसर पर, उन्होंने जिला कलेक्टर कुमार दीपक और चेन्नूर मंडल के तहसीलदार मल्लिकार्जुन के साथ चेन्नूर नगरपालिका के 14वें वार्ड में एक सड़क निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। मंत्री ने बताया कि 6 लाख 80 हजार रुपये की अनुमानित लागत से पोलाबोया रमेश के घर से पोलोजी सत्यम के घर तक एक सीसी सड़क (डीएमएफटी) का निर्माण किया जाएगा।

मंत्री विवेकानंद ने सरकार की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख किया, जिनमें इंदिराम्मा इंदलू, राजीव आरोग्यश्री, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, और रायथु भरोसा जैसी योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए इंदिरा महिला शक्ति योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों को ऋण सुविधा, मुफ्त बस यात्रा और 500 रुपये के सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि हर पात्र लाभार्थी तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचे।

सड़क निर्माण कार्य के शिलान्यास के बाद, मंत्री ने चेन्नूर मंडल केंद्र में गोदावरी पुष्कर घाट का निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि 2027 में होने वाले गोदावरी पुष्कर के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सरकार अभी से सक्रिय कदम उठा रही है।

उन्होंने बताया कि पुष्कर घाट पर पेयजल, स्वच्छता, अस्थायी कमरे, वाहन पार्किंग, यातायात नियंत्रण, और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी। बुजुर्गों के लिए घाट तक जाने की विशेष व्यवस्था की जाएगी, जबकि अन्य लोग अपने वाहन पार्किंग में पार्क कर पैदल जा सकेंगे।

मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार गोदावरी पुष्कर को सफलतापूर्वक और सुगम तरीके से आयोजित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

मेदारम जतारा की तैयारी जोरों पर

मंत्री सीताक्का ने सड़कों के निर्माण की जानकारी दी

मुलुगु,14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंत्री सीताक्का ने घोषणा की है कि प्रसिद्ध मेदारम जतारा के लिए तैयारियाँ पूरे जोर-शोर से चल रही हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सड़कों के निर्माण और मरम्मत कार्य की जानकारी दी।

सीताक्का ने बताया कि कोंडापर्थी से गोनपल्ली और मुत्तपुरम होते हुए पडिकापुरम तक एक नई सड़क बनाई जा रही है। इसी तरह, कलवापल्ली से कन्नेपल्ली तक की सड़क का भी विकास कार्य जारी है। छत्तीसगढ़ और खम्मम की ओर से आने वाले भक्तों के लिए चिन्ना बोयनापल्ली से ऊर्तम तक एक और सड़क का निर्माण किया जा रहा है।

टी. दयानंद ने निर्मल जिले के SC विकास अधिकारी का कार्यभार संभाला

निर्मल, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले में अनुसूचित जाति निगम के कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत टी. दयानंद ने शुक्रवार को निर्मल जिला अनुसूचित जाति विकास अधिकारी (डीएससीडीओ) का कार्यभार संभाल लिया है। यह स्थानांतरण के बाद उनकी नई नियुक्ति है।कार्यभार संभालने के बाद, दयानंद ने कलेक्ट्रेट में जिला कलेक्टर अभिलाषा अभिनव से मुलाकात की और उन्हें एक पौधा भेंट कर शिष्टाचार भेंट की।इस अवसर पर, कलेक्टर ने दयानंद को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने दयानंद को अनुशासन के साथ काम करने, सरकार की अनुसूचित जाति विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और अधिक से अधिक लोगों तक उनका लाभ पहुँचाने के लिए कदम उठाने की सलाह दी।इस कार्यक्रम के दौरान कार्यालय के कर्मचारी और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

आसिफाबाद सरकारी अस्पताल में मीडिया पर प्रतिबंध, क्या छिपाए जा रहे हैं घोटाले?

कोमुरम भीम/आसिफाबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ज़िला मुख्यालय स्थित सरकारी अस्पताल में मीडिया कवरेज पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर स्थानीय लोगों और पत्रकारों में गहरा रोष है। अस्पताल की दीवारों पर फोटो और वीडियो लेना प्रतिबंधित है जैसे पोस्टर लगाए गए हैं, जिस पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या अस्पताल प्रशासन अपनी नाकामियों और घोटालों को छिपाने की कोशिश कर रहा है?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि अस्पताल अधिकारी देश की सर्वोच्च अदालत के आदेशों की भी अवहेलना कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक संस्थानों में फोटो या वीडियो लेने पर कोई प्रतिबंध नहीं होना चाहिए, सिवाय कुछ विशेष क्षेत्रों के। इसके बावजूद, अस्पताल में ऐसे पोस्टर चिपका दिए गए हैं।

ज़िला मुख्यालय में मेडिकल कॉलेज बनने के बाद, इस अस्पताल को 100 से 350 बेड का किया गया है, लेकिन सुविधाओं का अभाव साफ दिखता है। अस्पताल में पर्याप्त डॉक्टर, कर्मचारी, और उपकरण नहीं हैं। गंभीर मरीजों को सिर्फ प्राथमिक उपचार देकर दूसरे अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है। बताया जा रहा है कि डॉक्टर यहां काम करने में रुचि नहीं दिखाते, जिससे यहाँ डॉक्टरों की भारी कमी है। इसके अलावा, मौजूदा कर्मचारी भी अपने कर्तव्यों का ठीक से पालन नहीं कर रहे हैं, और सवाल पूछने पर लापरवाही भरा जवाब देते हैं।

हाल ही में, एक आदिवासी लड़की ने आत्महत्या का प्रयास किया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद मंचेरियल रेफर किया गया, लेकिन एम्बुलेंस में डीज़ल नहीं था। जब स्थानीय विधायक कोवा लक्ष्मी ने अस्पताल अधिकारियों से संपर्क किया, तो उन्होंने भी ठीक से जवाब नहीं दिया। मजबूरन, विधायक को अपने पैसे से डीज़ल डलवाकर मरीज़ को दूसरे अस्पताल भिजवाना पड़ा।

इसी तरह, एक आदिवासी युवक को समय पर इलाज न मिलने के कारण उसकी हालत बिगड़ गई। इसके अलावा, पिछले कई दिनों से अस्पताल की लिफ्ट भी खराब पड़ी है, जिससे मरीज़ों और उनके तीमारदारों को काफी परेशानी हो रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि जब मीडिया ने इन मुद्दों को उठाना चाहा, तो अधिकारियों ने न सिर्फ अभद्र भाषा का प्रयोग किया बल्कि मीडिया पर प्रतिबंध भी लगा दिया। यह सब देखकर स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर ऐसा क्या है जो अस्पताल प्रशासन छिपाना चाहता है?

उन्होंने यह भी बताया कि जतारा से पहले 16.5 करोड़ रुपये की लागत से कोंडाई पुल का निर्माण भी पूरा किया जाएगा। इन सभी परियोजनाओं का उद्देश्य जतारा के दौरान भक्तों की यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाना है।

राष्ट्रीय लोक अदालत अदालती मामलों के समाधान का बेहतरीन अवसर : न्यायमूर्ति श्याम कोशी

निर्मल, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्याम कोशी ने कहा है कि राष्ट्रीय लोक अदालत अदालती मामलों के समाधान का एक बेहतरीन अवसर है। उन्होंने शनिवार को जिला केंद्र के पेंचनारला भवन में आयोजित तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत सेवा एवं सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, न्यायमूर्ति कोशी ने जोर देकर कहा कि सुलह और समझौते के माध्यम से अदालती मामलों में दोनों पक्षों को न्याय मिलता है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के जरिए मामलों का जल्द निपटारा होता है, जिससे पक्षकार शांतिपूर्ण जीवन जी सकते हैं।

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं उच्च न्यायालय की न्यायाधीश सुजाना कलासिकम ने बताया कि लोक अदालत वर्षों से लंबित मामलों का स्थायी समाधान कर रही है। उन्होंने कहा कि दहेज, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस और सड़क दुर्घटना जैसे मामलों का निपटारा कम खर्च में किया जा सकता है।

जिला मुख्य न्यायाधीश एस. श्रीवाणी ने वकीलों से लोगों में लोक अदालत के बारे में जागरूकता पैदा करने और उन्हें सुलह-समझौते के माध्यम से मामलों का निपटारा करने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आपराधिक, दीवानी, भूमि और पारिवारिक विवाद जैसे मामलों का समाधान लोक अदालत में आसानी से हो सकता है।

जिला कलेक्टर अभिलाषा अभिनव ने कहा कि लोक अदालत न केवल अदालतों पर बोझ कम करती है, बल्कि वर्षों से लंबित मामलों का समाधान भी प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था से देश भर में लाखों मामलों का निपटारा हो रहा है।

कार्यक्रम के दौरान, न्यायाधीशों और कलेक्टर ने उन लोगों को बधाई दी जिन्होंने अपने मामले वापस लिए। इसके अलावा, कई मामलों में पीड़ितों को मुआवजे के चेक भी दिए गए, जिनमें सड़क दुर्घटना और वन्य जीवों के हमलों में जान गंवाने वाले लोगों के परिजन शामिल थे।

इससे पहले, जिले के दौरे पर आए उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का वन विभाग के छात्रावास में जिला कलेक्टर और एसपी ने फूलों के पौधे देकर स्वागत किया और पुलिस ने उन्हें सलामी दी।

इस कार्यक्रम में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य पंचाक्षरी, डीएलएसए सचिव राधिका, एसपी जानकी शर्मिला, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मल्लारेड्डी, न्यायालय के अधिकारी, वकील और आम नागरिक उपस्थित थे।

सीपीआई ने संस्कृत स्कूल की खराब हालत पर चिंता जताई

तुलसी कॉटेज में स्थापित करने की मांग

यादगिरिगुट्टा, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया की एक टीम ने हाल ही में शहर के एक संस्कृत स्कूल का दौरा किया, जो बेहद जर्जर हालत में है। यह स्कूल भवन गंदे पानी और चारों ओर फैले कचरे से घिरा हुआ है, जिससे छात्रों और शिक्षकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सीपीआई टीम ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए, मंदिर के कार्यकारी अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में, पार्टी ने मांग की है कि स्कूल को तत्काल बेहतर सुविधाओं वाली जगह पर स्थानांतरित किया जाए। सीपीआई ने सुझाव दिया है कि इसे तुलसी कॉटेज के भवनों में स्थापित किया जाए, जहाँ का वातावरण पढ़ाई के लिए अधिक उपयुक्त है।

सीपीआई के नेताओं ने बताया कि शिक्षा के लिए एक स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण बेहद जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों से इस मामले में तुरंत कार्रवाई करने का आग्रह किया है ताकि छात्रों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

नौकरी न मिलने से निराश युवक ने की आत्महत्या

जयपुर (करीमनगर), 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

करीमनगर ज़िले के जयपुर मंडल के वेलाला गाँव में, 19 वर्षीय गोदारी अरविंद ने सेना में भर्ती न हो पाने की निराशा में आत्महत्या कर ली। शनिवार रात करीमनगर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अरविंद पिछले कुछ समय से सेना में भर्ती होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा था। उसने हाल ही में लिखित परीक्षा भी पास कर ली थी। हालांकि, भर्ती प्रक्रिया के दौरान उसके पैर में चोट लगने के कारण वह घर लौट आया था। इस घटना से वह बहुत निराश और अवसादग्रस्त हो गया था।

पुलिस के अनुसार, जब घर पर कोई नहीं था, तब उसने कीटनाशक खा लिया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस घटना से पूरे गाँव में शोक का माहौल है।

गोदावरी पुष्कर की तैयारी अभी से शुरू करें : मंत्री

चेन्नूर, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रम एवं खनन मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने 2027 में होने वाले गोदावरी पुष्करम की तैयारियों को अभी से शुरू करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

चेन्नूर में विभिन्न विकास कार्यक्रमों के दौरान मंत्री विवेक ने जिला कलेक्टर कुमार दीपक, तहसीलदार, एमपीडीओ और नगर आयुक्त के साथ गोदावरी नदी के तटों और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के बाद, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाओं जैसे पार्किंग स्थल, दुकानें, पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं के लिए तुरंत एक योजना प्रस्तुत करें। मंत्री ने कहा कि इस बार पुष्करम में लगभग दस लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, और उसी के अनुसार सभी तैयारियां की जानी चाहिए ताकि किसी को कोई असुविधा न हो।

तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा पर दिखा तेंदुआ, सीमावर्ती गांवों में दहशत

मदनूर, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा से सटे मदनूर मंडल में एक तेंदुए के दिखने से इलाके के लोगों में दहशत फैल गई है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब पहले से ही क्षेत्र में बाघ के घूमने की अफवाहें चल रही हैं।

रविवार सुबह, महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले की देगलूर तालुका के नागराल गांव निवासी धनाजी बिरादर पाटिल जब अपने खेत पर जा रहे थे, तब उन्होंने एक तेंदुआ देखा। उन्होंने तुरंत अपने गांव वालों को इसकी जानकारी दी, जिन्होंने मदनूर के लोगों और दोनों राज्यों के वन अधिकारियों को सूचित किया।

सूचना मिलने पर, तेलंगाना और महाराष्ट्र के वन अधिकारियों की एक टीम नागराल के जंगल में पहुंची। अधिकारियों ने मौके पर तेंदुआ के पंजों के निशान की पुष्टि की। उन्होंने निशानों पर केमिकल डालकर जांच की और बताया कि 80% संभावना है कि ये निशान तेंदुए के ही हैं।

अधिकारियों ने आगे की जांच के लिए सोमवार को ड्रोन कैमरे का उपयोग करने की बात कही है। फिलहाल, उन्होंने सीमावर्ती इलाकों के लोगों को सतर्क रहने और खेतों में सावधानी से जाने की सलाह दी है।

अग्रवाल समाज की बैडमिंटन प्रतियोगिता भव्यता के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा अग्रसेन जयंती महोत्सव 2025 के अंतर्गत कोटला विजय भास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम, सिकंदराबाद में बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

यहाँ आयोजित कार्यक्रम में महाराजा अग्रसेनजी के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात पूजा-अर्चना की गई। समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि समाज द्वारा जयंती महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इससे पूर्व महिला उत्सव आयोजित की गई, जिसमें समाज बंधुओं की भागीदारी उत्साहजनक रही। उन्होंने सभी सहयोगियों व प्रायोजकों का आभार प्रकट किया।

जंयती की प्रधान संयोजक एवं सह-मंत्री डॉ. सीमा जैन ने बताया कि जयंती का मुख्य महोत्सव आगामी 22 सितंबर को शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन-3 में आयोजित किया जायेगा। दि. 15 व 16 सितंबर को पौधारोपण किया जाएगा। दि. 21 सितंबर को गोसेवा और चेस व कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

सोमवार दि. 22 सितंबर को मुख्य कार्यक्रम के अंतर्गत अग्रेसन चौक स्थित प्रातः 10.00 बजे महाराज अग्रसेन जी की प्रतिमा को माल्यार्पण किया जाएगा, सायं 6.00 बजे से मंची कार्यक्रम क्लासिक कन्वेंशन-3 में शुरू होंगे, रात्रि 9.00 बजे से कवि सम्मेलन का आयोजन होगा जिसके संचालक प्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास होंगे एवं डांडिया कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे।

अवसर पर विभिन्न आयु वर्ग के बीच बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि बैडमिंटन खिलाड़ी श्रीवल्ली रश्मिकाजी भामिडिपात्य के ने किया।

टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। घोषित हुए नतीजों के अनुसार, पुरुष और महिला एकल तथा युगल श्रेणियों में कई रोमांचक मैच देखने को मिले।

पुरुष एकल के 8 से 14 वर्ष की श्रेणी में दर्श गोयल सीनियर ने जाग्रित अग्रवाल को हराकर खिताब अपने नाम किया। वहीं, 14 से 20 वर्ष के वर्ग में मृदुल अग्रवाल ने मिकुल भक्कर को मात दी। 20 से 45 वर्ष के वर्ग में आर्यन अग्रवाल विजेता बने, जबकि नवीन अग्रवाल ने 45 वर्ष से अधिक की श्रेणी में प्रवीन अग्रवाल को हराया।

महिला एकल में, 8 से 14 वर्ष के वर्ग में कायरा ने निषिका को हराकर जीत दर्ज की। 14 से 20 वर्ष की श्रेणी में निधि मित्तल ने क्रिशा अग्रवाल को हराया, और 20 वर्ष से अधिक के वर्ग में रिशिता ने ख़ुशी गोयल को हराकर विजेता का खिताब जीता।

पुरुष युगल (14 से 20 वर्ष) में दर्श गोयल सीनियर और दर्श गोयल जूनियर की जोड़ी ने मृदुल और मोहित अग्रवाल को हराकर जीत हासिल की। 20 से 45 वर्ष की श्रेणी में अमित कुमार मित्तल और नवीन कुमार अग्रवाल की जोड़ी ने राकेश अग्रवाल और मनोज गोयल को हराया।

ओपन कैटेगरी के महिला युगल में रिशिता और प्रकृति की जोड़ी ने यषिका और हर्षा को शिकस्त दी। मिश्रित युगल (20 वर्ष से अधिक) का खिताब रिशिता और दर्श गोयल सीनियर ने जीता, जिन्होंने विजय अग्रवाल और निधि की जोड़ी को हराया। वहीं, 14 से 20 वर्ष की मिश्रित युगल श्रेणी के मुकाबले को रद्द कर दिया गया।

अवसर पर उपाध्यक्ष रुपेश अग्रवाल, मानद मंत्री विकास केशान, कोषाध्यक्ष एवं जयंती सहसंयोजक अचल गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, जयंती सह संयोजक- दिनेशचंद्र अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, प्रतीक नरसरिया, दीपा भालोटिया, बैडमिंटन प्रतियोगिता समिति के चेयरमैन रमेशचंद अग्रवाल, वाईस चेयरमैन रोहित जैन, नीरज मोर, धीरज अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल के अलावा मनीश ड्रोलिया, राजेश सराफ और अविरल बंसल व अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज के द्वारा दो दिवसीय वृक्षारोपण कार्यक्रम आज से

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाराजा अग्रसेन जी की 5149वी जयंती महोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय वृक्षारोपण कार्यक्रम आज 15 और कल 16 सितंबर को संपन्न होगा। जयंती महोत्सव के प्रचार प्रसार और मीडिया कमेटी के चेयरमैन डॉ दिलीप पंसारी के अनुसार उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ आज जुबली फिल्म नगर स्थित गवर्नमेंट हाई स्कूल राउंड टेबल में भाजपा जिला अध्यक्ष लंकारा दीपक रेड्डी करेंगे। कल मंगलवार को मदीनागुड़ा क्षेत्र में स्थित श्री धर्मपुरी क्षेत्रम में वृक्षारोपण सुबह 11.00 बजे संपन्न होगा। वृक्षारोपण कार्यक्रम की चेयरमैन सुमन गुप्ता के अनुसार कार्यक्रम की वाइस चेयरमेन मोनिका अग्रवाल , वर्षा अग्रवाल, दीपा अग्रवाल , रिंकू गर्ग, दीपा अग्रवाल, शशि सिंघल और समाज की अन्य महिलाओं तथा सदस्यों के सहयोग से संपन्न होने वाले इस वृक्षारोपण कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य, समाज में वृक्षारोपण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। समाज के परामर्शदाता बद्री विशाल बंसल , हरीश गुप्ता और अन्य के मार्गदर्शन , समाज की सह सचिव और जयंती महोत्सव की प्रमुख संयोजीका डॉ सीमा जैन , सहसंयोजकों अचल गुप्ता (समाज कोषाध्यक्ष), दिनेश चंद्र अग्रवाल, प्रवीन अग्रवाल, प्रतीक नर्सीरिया , दीपा भालोटिया के साथ ही संजय पसारी , कमल अग्रवाल तथा अन्य के सहयोग से संपन्न होने वाले इस 2 दिवसीय वृक्षारोपण कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष - अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष- रुपेश अग्रवाल , सचिव- विकास केशान, अन्य पदाधिकारी, सदस्य और अन्य उपस्थित होंगे। समाज पदाधिकारियों तथा आयोजन समिति ने कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को उपस्थित होने का आवाह्न किया है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डाटा कमेटी की छठवीं बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डाटा कमेटी की इस सत्र की छठवीं बैठक आज हैदराबाद में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। समाज ऑफिस, राघव रत्ना टावर में आयोजित इस बैठक का उद्देश्य विवाह योग्य युवाओं के लिए एक मंच प्रदान करना है, क्योंकि मौजूदा समय में विवाह संबंध तय करना एक जटिल कार्य बन गया है।अग्रवाल समाज तेलंगाना गत कुछ वर्षों से इस कार्य को निरंतर कर रहा है, और संभवतः हर रविवार को विवाह योग्य लड़के-लड़कियों के अभिभावकों के साथ एक सभा आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में, आज की बैठक में हैदराबाद के साथ-साथ अन्य शहरों के बच्चों के अभिभावकों से भी चर्चा की गई।आज की सभा में चेयरमैन अजय कुमार अग्रवाल, कन्वीनर सतीश कुमार अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सुनील मित्तल, और गोविंद अग्रवाल उपस्थित रहे। बैठक के दौरान, कमेटी की ओर से सभी शाखा पदाधिकारियों से निवेदन किया गया है कि वे विवाह योग्य लड़के-लड़कियों का बायोडाटा कमेटी के पास जल्द से जल्द जमा कराएं।

अग्रसेन जयंती महोत्सव: वित्तीय एवं योजना सचिव संदीप सुलतानिया को औपचारिक निमंत्रण

समाज की 28 वर्षों की उपलब्धियों पर चर्चा

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में अग्रवाल समाज द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 30 अगस्त से 22 सितंबर तक चलने वाले इस महोत्सव में सामाजिक, सांस्कृतिक और खेलकूद प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन हो रहा है। इस अवसर पर आज अग्रवाल समाज तेलंगाना के पदाधिकारियों ने तेलंगाना सरकार के वित्तीय एवं योजना विभाग के मुख्य सचिव श्री संदीप कुमार सुलतानिया से सौजन्य भेंट कर उन्हें 22 सितंबर को होने वाले मुख्य जयंती समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सपरिवार उपस्थित होने का औपचारिक निमंत्रण दिया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के मानद मंत्री विकास केशान, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष एवं जयंती सह-संयोजक अचल गुप्ता तथा विनय अग्रवाल ने श्री सुलतानिया से भेंट के दौरान समाज के 28 वर्षों की गतिविधियों और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि समाज ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है, जिसमें महिलाओं के सशक्तिकरण, युवा विकास और सामुदायिक एकता पर विशेष जोर दिया गया है। इसके अलावा, इस वर्ष के महोत्सव की खास आकर्षण के रूप में देश के प्रख्यात कवि श्री कुमार विश्वास द्वारा आयोजित काव्य पाठ का उल्लेख किया गया, जो भक्ति और राष्ट्रीय एकता के संदेशों को काव्यात्मक रूप से प्रस्तुत करेगा।

श्री संदीप कुमार सुलतानिया, जो 1998 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और हाल ही में मई 2025 में तेलंगाना के वित्त सचिव के पद पर नियुक्त हुए हैं, ने अग्रवाल समाज की गतिविधियों से गहरा प्रभावित होते हुए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज के प्रयास न केवल सामुदायिक एकता को मजबूत करते हैं, बल्कि राज्य के सामाजिक विकास में भी महत्व-पूर्ण भूमिका निभाते हैं। निमंत्रण स्वीकार करते हुए श्री सुलतानिया ने आश्वासन दिया कि वे निश्चित रूप से सपरिवार उपस्थित होंगे और इस भव्य आयोजन में भाग लेकर समाज के उत्सव में शरीक होंगे।महाराजा अग्रसेन जी, जो अग्र कुल के प्रवर्तक और सामाजिक सुधारक के रूप में विख्यात हैं, की जयंती का यह महोत्सव तेलंगाना में अग्रवाल समुदाय के लिए एक प्रमुख सांस्कृतिक उत्सव है। इस वर्ष का आयोजन 30 अगस्त से आरंभ होकर 22 सितंबर को चरम पर पहुंचेगा, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि यह महोत्सव महाराजा अग्रसेन के आदर्शों-समानता, अहिंसा और सामाजिक कल्याण-को जीवंत करने का माध्यम बनेगा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के इस प्रयास से न केवल समुदाय में उत्साह का संचार हुआ है, बल्कि सरकारी स्तर पर भी समाज की सक्रियता की सराहना मिल रही है। श्री सुलतानिया की उपस्थिति इस आयोजन को और भी गरिमामय बनाएगी, जो राज्य के सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी।

एनआईआईएमएच ने किया श्री वेंकटेश्वर जूनियर कॉलेज में

वनौषधि और पोषण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाी ब्यूरो)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद ने श्री वेंकटेश्वर जूनियर कॉलेज, दिलसुखनगर में वनौषधि और सही पोषण के महत्व पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह आयोजन 23 सितंबर, 2025 को होने वाले 10वें आयुर्वेद दिवस और पोषण माह 2025 के उपलक्ष्य में किया गया था।

यह कार्यक्रम केंद्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद् (सीसीअ-रएएस) के अंतर्गत डॉ. जी.पी. प्रसाद, सहायक निदेशक (प्रभारी), एनआईआईएमएच के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस वर्ष के आयुर्वेद दिवस का विषय लोगों और धरती के लिए आयुर्वेद है, जबकि पोषण माह की थीम सुपोषित एवं समृद्ध भारत का निर्माण रखी गई है।

कार्यक्रम के दौरान, संस्थान के अनुसंधानकर्ता (वनस्पति) डॉ. नागराजू ने रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल होने वाली सामान्य वनस्पतियों की पहचान और उनके औषधीय गुणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. संतोष माने ने आयुर्वेद शास्त्रों में वर्णित नियमों के अनुसार वनौषधियों के सही उपयोग और सेवन के तरीकों पर प्रकाश डाला।

संस्थान के श्री के. श्रीनिवास राव ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए कॉलेज के प्राचार्य श्री कामेश्वर राव और अन्य सभी अध्यापकों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों और अध्यापकों को जागरूकता से संबंधित जानकारी और शैक्षणिक सामग्री भी वितरित की गई। संस्थान ने सभी से आयुर्वेद दिवस समारोह में भाग लेने का भी आग्रह किया।

हिंदी दिवस के अवसर पर रविवार को तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष एन. रामचन्द्र राव को बधाई दी गई। इस दौरान, हैदराबाद मुक्ति दिवस के महत्व पर गहन चर्चा हुई और उन्हें जीवन संग्राम - क्रांतिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी नामक पुस्तक भेंट की गई।बैठक के दौरान, स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम जी द्वारा हैदराबाद मुक्ति संग्राम में किए गए महत्वपूर्ण योगदानों को याद किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह पुस्तक उनके जीवन और संघर्ष को समर्पित है।इस चर्चा में प्रदीप जाजू, सत्यनारायण शर्मा, रणधीर सिंह, सतीश जाजू और भक्त राम सहित कई प्रमुख व्यक्ति सम्मिलित हुए।

राधे राधे ग्रुप ने बेगम बाजार में किया नित्य अन्नदान

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार को राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद द्वारा बेगम बाजार स्थित पुल की माता गौशाला के पास नित्य अन्नदान (अल्पाहार) सेवा का आयोजन किया गया। यह सेवा सुबह 7:31 बजे शुरू की गई।यह सेवा आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी श्राद्ध और हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आयोजित की गई थी। सेवा का आरंभ ।।ॐ श्री अन्नपूर्णा देव्यै नमः।। के पवित्र मंत्रोच्चार के साथ किया गया।इस अवसर पर, राधे राधे ग्रुप के कई सदस्य उपस्थित थे, जिनमें सतीश गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोषनीवाल, अरुण भाई, शिव भगवान, नीलम विजयवर्गीय, मनोज शर्मा, आशीष और किशन पाल शामिल थे।

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर कवि वेणुगोपाल भट्टड़ से भेंट करने के लिए कवि प्रवीण प्रणव , कवि रवि वैद्य और समाज सेविका पूजा गुप्ता उनके निवास स्थान पर पहुँचे।इस मौके पर, इन सभी ने मिलकर वरिष्ठ कवि वेणुगोपाल भट्टड़ को हिंदी दिवस की बधाई दी और साहित्य तथा समाज सेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। यह भेंट नई पीढ़ी के कवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा एक वरिष्ठ साहित्यकार के प्रति सम्मान का प्रतीक थी।

हिंदी दिवस पर राधे राधे ग्रुप ने किया अन्नदान

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265-ए के पास जरूरतमंद लोगो को नाश्ता (अल्पाहार) करवाया।

अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल,महेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन चम्पापेट, मनोज शर्मा, सुशील गुप्ता, महेश गुप्ता, भगतराम गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, मनीष अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, प्रतिका अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, दिनेश गोयल, गौरव गोयल एवं श्रेया सहित बड़ी संख्या में राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.